शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 237 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 24 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सिलचर : 15 करोड़ की याबा टैबलेट समेत एक गिरफ्तार पेज 3
प्रधानमंत्री आज वाराणसी का दौरा करेंगे, 1780 करोड़ की परियोजनाओ... पेज 4
योगी सरकार ने पिछले वर्षों में साढ़े पांच लाख युवाओं को दी सरकारी नौकरी पेज 5
मैं सावरकर नहीं गांधी हूं के नारे की गूंज के साथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन पेज 8

राहुल गांधी को दो साल की जेल

सूरत। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में आज सूरत की अदालत ने फैसला सुना दिया। कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, मामले में उन्हें तुरंत ही जमानत भी मिल गई। सजा का एलान होने के बाद राहुल गांधी ने ट्विटर पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन। दूसरी तरफ राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में मानहानि का केस दायर करने वाले पूर्णेश मोदी ने बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया है और यह एक अहम फैसला है। दरअसल, राहुल पर मोदी उपनाम पर टिप्पणी करने के लिए आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज था। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, पार्टी विधायक दल के नेता अमित चावड़ा, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा और विधायक सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आने के बाद से ही सूरत में मौजूद हैं। 2019 लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक के कोलार में एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक व गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 : 29 देशों के प्रतिनिधि डिब्रूगढ़ में

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ शहर में दो दिवसीय जी-20 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए 20 सदस्य देशों सहित नौ अतिथि देशों के कुल 103 प्रतिनिधि गुरुवार को यहां पहुंचे गए हैं। यह प्रतिनिधि यहां के चाय बगानों का दौरा भी करेंगे। डिब्रूगढ़ स्थित मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर जिला प्रशासन ने यहां पहुंचे प्रतिनिधियों का स्वागत किया। स्वागत की श्रंखला में यहां स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। विभिन्न जातीय समूहों की सांस्कृतिक मंडलियों के प्रदर्शनों को देख प्रतिनिधि मंत्रमुग्ध हो गए। यहां होने वाली दो दिवसीय जी-20 की बैठक 24 व 15 मार्च को होगी और यह बैठक अनुसंधान एवं नवाचार पहल पर केंद्रित है। डिब्रूगढ़ मोहनबाड़ी हवाई अड्डे से जी-20 के प्रतिनिधि -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में भूकंप के तेज झटके

इंफाल। आज एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए। मणिपुर के मोइरांग में शाम 6.51 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.8 दर्ज की गई है। भूकंप मणिपुर के मोइरांग से 60 किलोमीटर दूर महसूस किए गए हैं। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर आ गए। फिलहाल भूंकप से किसी भी जान माल की हानि का नुकसान नहीं हुआ है। बता दें कि, पिछले तीन दिनों से देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राजधानी -शेष पृष्ठ दो पर

कोविड-19 का नया वेरिएंट 349 मामले आए सामने

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए स्वरूप *एक्सबीबी 1.16* के 349 मामले सामने आए। देश में संक्रमण के मामलों में हालिया वृद्धि के लिए कोरोना के इस नये स्वरूप को जिम्मेदार माना जा रहा है। इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इन्साकॉग) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के मुताबिक, नये स्वरूप के 349 मामले नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नमूनों की जांच में सामने आए हैं। इस स्वरूप के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में 105, तेलंगाना में 93, कर्नाटक में 61 और गुजरात में 54 पाए गए हैं। इन्साकॉग के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में दो नमूनों में नये स्वरूप एक्सबीबी 1.16 की पुष्टि हुई थी और फरवरी में इस स्वरूप के 140 मामले सामने आए थे जबकि मार्च में अब तक 207 नमूनों में एक्सबीबी 1.16% की पुष्टि हो चुकी है। हाल में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हम चीजों को उस तरह से नहीं देखते जिस तरह से वे है, बल्कि हम चीजों को उस तरह से देखते है जिस तरह के हम हैं।

– **एपीजे अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

समुद्र के दो किलोमीटर अंदर मौजूद है आठवां महाद्वीप

नई दिल्ली। अब तक हमने सात महाद्वीपों के बारे में सुना था, लेकिन इसी बीच वैज्ञानिकों ने एक शोध के जरिए आठवें महाद्वीप के अस्तित्व पर मुहर लगा दी है। 375 सालों बाद वैज्ञानिकों ने जीलैंडिया (जीलैंडिया) के अस्तित्व की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि यह महाद्वीप 1.89 मिलियन वर्ग मील में फैला हुआ है। बताया जा रहा है कि अलग-अलग महाद्वीप बहुत से देशों का घर है, लेकिन जीलैंडिया सिर्फ तीन -शेष पृष्ठ दो पर

हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हो : गडकरी

रांची (हि.स.)। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को रांची में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह संकल्प किया था कि इस देश के विकास के लिए हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हो। उन्होंने कहा कि इस बार जो भूमि पूजन और शिलान्यास हुआ है वो सिर्फ ट्रेलर है। सही फिल्म अभी शुरू होना बाकी है। गडकरी ने कहा कि दिल्ली से -शेष पृष्ठ दो पर

आजाद की आत्मकथा में राहुल और डॉ. हिमंत का भी जिक्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि राहुल गांधी को जब बताया गया कि असम में कभी कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे हिमंत विश्व शर्मा को बहुसंख्यक विधायकों का समर्थन हासिल है और वह बगावत करने के साथ ही पार्टी छोड़ने जा रहे हैं तो कांग्रेस नेता का दो टूक जवाब था कि *जाने दीजिए उन्हें।* अगस्त 2022 में पार्टी छोड़ने वाले और कभी कांग्रेस के कद्दावर -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी एम्स का उद्घाटन करेंगे पीएम

सीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवा में आमूलचूल परिवर्तन लाने के उद्देश्य से कामरूप (ग्रामीण) जिले के चांगसारी में निर्माणाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पहुंचे। उन्होंने एम्स के निर्माण एवं इसकी तैयारियों से संबंधित सभी आवश्यक बातों पर संस्थान के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पण किए जाने वाले संस्था के मुख्य भवन, चिकित्सा कक्ष के साथ-साथ सड़क निर्माण कार्य और परिसर की साफ-सफाई का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। बाद में एक बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मेडिकल कॉलेज, ओपीडी, -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र, गुजरात और एमपी में सात ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

नागपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने देश के तीन राज्यों के 7 ठिकानों पर छापेमारियां की हैं। एनआईए की यह रेड टेरर लिंक्स से जुड़े मामले में की गई है। गजवा-ए-हिंद नाम के संगठन से जुड़े तीन राज्यों के ठिकानों पर एनआईए ने आज (23 मार्च, गुरुवार) सर्च ऑपरेशन शुरू किया। महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के अलग-अलग ठिकानों पर इस संगठन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गजवा-ए-हिंद संगठन पर आरोप है कि यह आतंकी संगठन अल कायदा के साथ मिल कर काम कर रहा है और देश -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम का मुद्दा : चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक उठाएगा विपक्ष

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के कद्दावर नेता और एनसीपी के चीफ शरद पवार अब फिर से ईवीएम मशीनों को मुद्दा उठाने की तैयारी में लगे हुए हैं। इस मुद्दे को उठाने के लिए वह समान विचारधारा वाले अन्य विपक्षी दलों को भी एक मंच पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। शरद पवार ने विपक्षी दलों की एक बैठक बुलाई है जिसमें ईवीएम के मामले में विस्तृत चर्चा की गई। इतना ही नहीं अब चुनावों को और भी ज्यादा पारदर्शी कैसे बनाया जाए इस पर भी इस बैठक में चर्चा की गई। विपक्षी दलों के नेताओं के बीच होने वाली इस बैठक में तीन अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। इनमें सबसे पहले चर्चा होगी कि आखिर ईवीएम के मामले को फिर से कोर्ट में कैसे ले जाया जाए। दूसरा चुनाव आयोग से आगामी चुनावों से पहले क्या-क्या मांग की जाए। वहीं इस बैठक में तीसरा अहम मुद्दा रहेगा आखिर जनता के बीच इस ईवीएम के मुद्दे को फिर से कैसे उठाया जाए और इसे लेकर कैसे माहौल बनाया जाए। विपक्षी नेताओं का मानना है कि ईवीएम में एक चिप होती है जिसके हैक किए जाने का शक है। -शेष पृष्ठ दो पर

पवार के घर विपक्ष की बैठक ईवीएम में कई खामियां : दिग्विजय

नई दिल्ली। ईवीएम को लेकर गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार के दिल्ली स्थित घर पर विपक्षी दलों की बैठक हुई। जिसके बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश के सभी विपक्षी दल ईवीएम से चुनाव कराने के खिलाफ हैं। इस मशीन में कई खामियां हैं। चुनाव आयोग पहले कहता था कि यह स्टैंडअलोन मशीन है, लेकिन अब वे मानते हैं कि यह स्टैंडअलोन मशीन नहीं है, क्योंकि इसमें उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिह्न इंटरनेट से डाला जाता है। बता दें कि स्टैंडअलोन एप्लिकेशन को ऑपरेट करने के लिए किसी अलग सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं होती है। यानी ईवीएम अगर स्टैंडअलोन नहीं है तो यह किसी दूसरे सॉफ्टवेयर से ऑपरेट हो सकता है। दिग्विजय ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में ईवीएम की चिप पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ जेल की अलग-अलग सेल में अमृतपाल के सहयोगी

डिब्रूगढ़। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश में पंजाब पुलिस लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है। उसे पकड़ने के लिए अमृतपाल के कई करीबियों को पकड़ा गया है। असम के डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के चाचा समेत उसके सात साथियों को चौबीसों घंटे सीसीटीवी की निगरानी में अलग-अलग सेल में रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि पूरे जेल परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और वारिस पंजाब दे संगठन (डब्ल्यूपीडी) के सात सदस्यों के स्वास्थ्य की भी नियमित जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि जेल परिसर में चार अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि अन्य सभी खराब -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में चुनाव नहीं लड़ पाएंगे राहुल! खतरे में सदस्यता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आज यानी 23 मार्च को सूरत कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया है। राहुल ने *मोदी सरनेम* को लेकर जो टिप्पणी की थी, उसे लेकर उनके खिलाफ 2019 में केस दर्ज कराया गया था। राहुल को दोषी ठहराते हुए कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा सुनाई, हालांकि बाद में उन्हें जमानत दे दी गई। सजा के अमल पर 30 दिनों की रोक लगाई गई है ताकि वो अपील कर सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े नीरव मोदी और ललित मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है? इसके बाद भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया। कोर्ट के इस फैसले के बाद राहुल की संसद सदस्यता खतरे में पड़ गई है। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट एमसी ढींगरा ने बताया कि जिस दिन सजा सुनाई जाती है और 2 साल से ज्यादा की सजा होती है, उस दिन से अयोग्यता आ जाती है। रिप्रेजेन्टेटिव एक्ट के सेक्शन 8 (3) के तहत वो अयोग्य हो गए हैं। सूत्रों से जानकारी मिली है कि राहुल के वकीलों ने उन्हें फिलहाल संसद नहीं जाने की सलाह दी है। कानून के जानकारों का कहना है कि अगर ऊपरी अदालत से उनकी सजा पर रोक लग जाती है तो वो अयोग्य घोषित नहीं होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता और कानून विशेषज्ञ राकेश द्विवेदी ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए सजा पर स्टे ऑर्डर जरूरी है। वहीं लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचारी ने कहा कि सजा का ऐलान हो गया है और इसके साथ ही वो अयोग्य हो जाते हैं। अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा देती है तो अयोग्यता भी हट जाएगी। आरपी एक्ट के सेक्शन 8 (3) के अनुसार, किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए व्यक्ति को और कम से कम 2 साल की सजा पाने वाले व्यक्ति को सजा की तारीख से अयोग्य घोषित किया जाएगा। अपनी सजा काटने के बाद वो 6 साल तक के लिए अयोग्य रहेगा। इससे कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की सदस्यता तुरंत जा सकती है। लोकसभा सचिवालय अयोग्यता का नोटिस जारी कर सकता है। इसके माध्यम से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्राचीन ग्रन्थों व पांडुलिपियों को सुरक्षित कर रही है सरकार : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार टेक्नोलॉजी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रन्थों व पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही है। शाह ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि उन्होंने आज इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की ओर से तैयार किए गए वैदिक हेरिटेज पोर्टल का लोकार्पण किया है। इस पोर्टल के माध्यम से युवा पीढ़ी वेदों व उपनिषदों के ज्ञान व परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी। शाह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 64 कलाओं पर

आधारित वर्चुअल म्यूजियम कला वैभव का भी लोकार्पण किया। इस म्यूजियम के माध्यम से दुनिया भारत की वास्तुकला, चित्र, नाट्य, संगीत आदि समस्त कलाओं से और अधिक परिचित होगी और विश्व को भारत की वैभवशाली संस्कृति का समृद्ध इतिहास जानने में सुविधा होगी। उल्लेखनीय है कि आज केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने आईजीएनसीए पहुंचकर वैदिक हेरिटेज पोर्टल और वर्चुअल म्यूजियम कला वैभव का भी लोकार्पण किया। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, कला केंद्र के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वैदिक हेरिटेज पोर्टल को आईजीएनसीए ने हिंदी और अंग्रेजी भाषा में तैयार किया है। इस पोर्टल के माध्यम से पाठक सरल भाषा में वेदों को समझ सकते हैं। इसमें 18 हजार से अधिक वैदिक मंत्रों के ऑडियो एवं विजुअल उपलब्ध हैं। इस पोर्टल पर वैदिक मंत्रों को सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया है। पोर्टल को तैयार करने में वेदों को जानने वाले लोग, वेद शोध संस्थानों, वेदपाठी परिवारों सहित दुनियाभर के वेद के जानकारों ने सहयोग किया है। कला केंद्र ने वेदों के ज्ञान को सरल भाषा में आम लोगों तक पहुंचाने के लिए इस पोर्टल को तैयार किया है।

मोरान में दो अवैध लकड़ी मिल सीज

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। वन विभाग और पुलिस ने खोवांग क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय के तहत मोरान के ठेंगाल गांव और घुगुलनी बारबाम में संयुक्त रूप से छापामारी करते हुए दो लकड़ी की अवैध मीलों को को सीज किया है। वन विभाग ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात को वन विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए लकड़ी के अवैध मिलों को सीज किया। इस कार्रवाई में वन विभाग ने दोनों मिलों की मशीनों को जब्त कर लिया। हालांकि किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। खोवांग क्षेत्रीय वन विभाग के अनुसार खोवांग क्षेत्र में चल रही ऐसी कई अवैध लकड़ी मिलों को चरणबद्ध तरीके से सीज किया जाएगा। साथ ही लकड़ी तस्करों को पकड़ने के लिए भी व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

करीमगंज में 6 से 8 अप्रैल तक चलेगा स्वास्थ्य सेवोत्सव

करीमगंज (हि.स.)। गुणोत्सव के अनुरूप करीमगंज जिला स्वास्थ्य विभाग की पहल पर 6 से 8 अप्रैल तक स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी और सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के एक फैकल्टी की 43 सदस्यीय टीम इस दौरान एक जिला अस्पताल, आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और 29 पीएचसी पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि इसके मद्देनजर बीते बुधवार को करीमगंज सदर अस्पताल के सभाकक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. जमाल अहमद चौधरी, एसडीएमओ (आयुर), करीमगंज सदर अस्पताल और सुमन चौधरी, डीएमई, एनएचएम संसाधन व्यक्तियों के रूप में उपस्थित थीं। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक ने डराजीव बरुवा ने कहा कि मूल्यांकन कार्यक्रम से स्वास्थ्य विभाग को अस्पताल में सुधार के लिए और भविष्य की कार्रवाई तैयार करने में मदद मिलेगी। इसमें एनएचएम के डीपीएम हनीफ मोहम्मद ने बताया कि आंतरिक मूल्यांकनकर्ताओं ने अपने स्तर पर मूल्यांकन कर लिया है, जबकि रिक्त पदों को भरने का काम चल रहा है। जिलाधिकारी मृदुल यादव ने इस कार्यक्रम को लेकर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मूल्यांकन की यह बहु-विषयक पद्धति स्वास्थ्य सेवा में अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगी। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के बाद स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली अधिक रोगी अनुकूल होगी।

No. AF(S) 321/PMMSY/2020-21/
CANCELLATION NOTICE
for the RFQ
"Quotation of Rate for supply of Office IT items and furniture at Directorate of Fisheries, Assam under PMMSY"
Due to some unavoidable circumstances, the RFQ for the above-mentioned work published in Newspapers vide No. AF(S) 321/PMMSY/2020-21/241/16013-17, Dated 28th Feb, 2023 and published in the Departmental website https://fisheriesdirector.assam.gov.in is hereby cancelled.

-- Janasanyog /C/ 23656/22

Director of Fisheries
Assam, Guwahati

बॉयलर मुर्गी समेत छह वाहन जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव में पुलिस के दो अलग-अलग अभियानों में बॉयलर मुर्गी लेकर अवैध रूप से असम में पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से प्रवेश करने वाले पांच बोलेरो पिकअप वाहन एक टाटा मेजिक को जब्त किया गया है। राज्य सरकार ने वायरस के मद्देनजर दूसरे राज्यों में मुर्गी और सुअर को लाए जाने पर पूरी तरह से रोक लगायी है। रोक के बावजूद पश्चिम बंगाल से बॉयलर मुर्गी चोरी-छिपे अंदरुनी मार्गों के जरिए असम में लायी जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि सापकाटा पुलिस अधिकारी ने आज (गुरुवार) तड़के हावरियापेट इलाके में पांच वाहनों को जब्त कर लिया। पशु विभाग के निर्देशों की अनदेखी करते हुए असम में बॉयलर मुर्गी लेकर प्रवेश करने वाले वाहनों (एएस-01सी-2678, एएस-16एसी-3411, एएस-16सी-4544, एएस-16एसी-2624 और एएस-16सी-6550) के विरूद्ध पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। वहीं दूसरी ओर भावरागुरी पुलिस ने भावरागुरी सेकंड बाजार से ब्रॉयलर मुर्गी समेत एक टाटा मैजिक (एएस-6एसी- 3892) को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर गोसाईगांव थाने में ले आयी। ब्रॉयलर मुर्गी समेत गिरफ्तार वाहनों के चालकों की पहचान भावरागुरी टोगेयामारी निवासी अनवर हुसैन (40), जयपुर गांव निवासी शामीदुल हक (25), दो नंबर कदमगुड़ी गांव निवासी कद्दुस शेख (29), साहेबुल शेख (38), दो नंबर जयमा गांव निवासी शाहिदुल रहमान (30) और जयपुर गांव निवासी मुक्ता हुसैन (39) के रूप में हुई है।

नगरबेड़ा में कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ों अभियान कार्यक्रम लागू

नगरबेड़ा- 23 मार्च- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाने वाली असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कामरूप जिला कांग्रेस कमेटी की पहल और बोको निर्वाचन क्षेत्र के छमरिया ब्लॉक कांग्रेस के सहयोग से आज नगरबेड़ा में हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरबेड़ा स्थित इंदिरा भवन परिसर में छमरिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनेश्वर बायन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बोको निर्वाचन क्षेत्र के विधायिका नंदिता दास, कामरूप जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोंकण दास, महासचिव धर्मचंद जैन, हथा से हाथ जोड़ो अभियान कार्यक्रम कामरूप जिला समन्वयक भवेश दास, बिप्लब तालुकदार, छमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रभात दास, छमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव आब्दुल मजीद पर्यवेक्षक के रूप में सामिल थे। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता आब्दुल हाकीम, शिराज मौलवी, छमरिया आंचलिक पंचायत अध्यक्ष रफीकुल इस्लाम के साथ पंकज कलिता और कृष्णा दास मौजूद थे। इसके अलावा, बैठक में कामरूप

जिला कांग्रेस ने भी भाग लिया।छमरिया ब्लॉक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, मंडल कांग्रेस पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और कांग्रेस के लगभग तीन सौ कार्यकर्ता सामिल रहें।अंत में नगरबेड़ा इंदिरा भवन से हाथ में पोस्टर,फ्लाग लेकर यात्रा शुरू कर के नगरबेड़ा बाजार होके कांग्रेस कार्यालय पहुंचे।

पृष्ठ एक का शेष

राहुल गांधी को...

मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय का मान घटाया है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में इस मामले से जुड़ी टिप्पणी की थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च की तारीख तय की। राहुल इस मामले की सुनवाई के दौरान तीन बार अदालत में पेश हुए। अक्तूबर 2021 में बयान दर्ज कराने के लिए अदालत पहुंचे राहुल ने खुद को निर्दोष बताया था।

जी-20 : 29 देशों...

असम के चाय उत्पादन का जायजा लेने के लिए चाय बागानों और चाय की फैक्ट्रियों का दौरा करेंगे। प्रतिनिधि तीन हिस्सों में बंटकर क्रमशः मनोहारी चाय बागान, मानकटा और एथेलवुड चाय बागानों का दौरा करेंगे। इसके बाद डिब्रूगढ़ के होटलों में प्रतिनिधियों को रात विश्राम की व्यवस्था की गई है। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने पहले से ही जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक तैयारी की है, जो अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए दुनिया का एक उन्नत मंच है। जी-20 की बैठक 24 और 25 मार्च को डिब्रूगढ़ में होगी। जिसमें 20 सदस्य देशों के साथ ही यूरोपिय संघ के सदस्य तथा 9 अतिथि देशों एवं आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों सहित कुल 103 प्रतिनिधी हिस्सा लेंगे।

मणिपुर में भूकंप ...

दिल्ली में बुधवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 2.7 की तीव्रता के भूकंप के झटके लगे। भूकंप का केंद्र जमीन के पांच किमी अंदर था। इससे पहले मंगलवार देर रात दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भूकंप के तेज झटके लगे थे। दिल्ली-एनसीआर के अलावा, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भी मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

कोविड-19 का नया...

संक्रमण के 1,300 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,99,418 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,605 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, एक दिन में नए मामलों की यह संख्या बीते 140 दिनों में सबसे अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र में संक्रमण से एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,816 हो गई।

आजाद की आत्मकथा ...

नेता रहे आजाद ने अपनी आत्मकथा *आजाद* में हिमंत विश्व शर्मा और कुछ अन्य प्रकरणों पर प्रकाश डाला है। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने हिमंत के मामले को सही ढंग से नहीं संभाला और सोनिया गांधी ने भी पार्टी अध्यक्ष के तौर पर हस्तक्षेप नहीं किया जबकि उनको इसका आभास था कि शर्मा के पार्टी से चले जाने से क्या नुकसान होने वाला है। शर्मा कांग्रेस छोड़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे और फिलहाल वह असम के मुख्यमंत्री हैं। सितंबर, 2015 में जब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी तो उनके साथ 10 विधायक भी चले गए। आजाद ने अपनी आत्मकथा में कहा कि राहुल ने सीधे-सीधे यह कह दिया था कि असम में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। हमने उनसे कहा कि हिमंत के पास बहुसंख्यक विधायकों का समर्थन है और वह पार्टी छोड़ देंगे तो राहुल ने कहा कि उनको जाने दीजिए। उनके मुताबिक, उन्हें यह नहीं पता कि राहुल ने यह खुद को मजबूत दिखाने के लिए किया था या फिर वह इस बात से अनभिज्ञ थे कि हिमंत के जाने का असम ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर में दूरगामी असर होगा। आजाद ने किताब में लिखा है कि मैंने इस बारे में सोनिया गांधी को सूचित किया, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष ने हस्तपेक्ष नहीं किया। इसके बजाय सोनिया गांधी ने मुझसे कहा कि हिमंत से कहो कि समस्या पैदा न करें।

गुवाहाटी एम्स का ...

प्रेक्षागृह, डॉक्टर और नर्स के आवास, छात्रावास, आयुष, अग्निशमन प्रणाली, कचरा निष्कासन प्रणाली, चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न विभागों और निर्माण गतिविधियों पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ असम सरकार के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, राज्य सरकार के शिक्षा सलाहकार प्रोफेसर नानी गोपाल महंत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा, कामरूप (ग्रामीण) जिले की उपायुक्त कीर्ति जल्ली, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ अशोक पुराणिक और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी के उच्च पदाधिकारी मौजूद थे। ज्ञातव्य है कि गुवाहाटी एम्स लोकार्पण के मुकाम पर पहुंच गया है। इसका लोकार्पण 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इसका लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। एम्स में 18 विभागों का काम पूरा हो चुका है। 750 बेड वाले इस अस्पताल में फिलहाल 150 बेड कार्यरत हैं। गुवाहाटी एम्स के निदेशक ने कहा कि अस्पताल में ओपीडी सेवाओं को चालू किया गया है लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटन करने के बाद पूर्ण सेवाएं प्रदान की जाएंगी। निदेशक ने कहा कि वर्तमान में तीन शैक्षणिक वर्ष की पढ़ाई हो रही है।

महाराष्ट्र, गुजरात और ...

विरोधी साजिशों को अंजाम देने की कोशिशों में लगी हुई है। महाराष्ट्र की बात करें तो नागपुर शहर के तीन ठिकानों पर छापेमारियों को अंजाम दिया गया है। आज सुबह चार बजे के करीब एनआईए की 20 अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम दिल्ली से आई। इसके बाद इस टीम ने नागपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर नागपुर के सतरंजीपुरा की बड़ी मस्जिद के इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। एनआईए अधिकारी गुलाम मुस्तफा नाम के शख्स को ढूंढ रहे थे। एनआईए को यह इनपुट मिला था कि वो नागपुर की बड़ी मस्जिद के इलाके में गुलाम मुस्तफा नाम का शख्स रह रहा है, जो आतंकी गतिविधियों में शरीक है। गजवा-ए-हिंद के अलकायदा से टेरर लिंक के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए यहां इस सर्च ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए बड़ी तादाद में पुलिस दल को तैनात किया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक सात ठिकानों की बजाए तीनों राज्यों के तीन-तीन ठिकानों पर छापेमारियां की गई हैं। छापेमारियों के दौरान कुछ लोगों को पकड़कर पूछताछ की गई। आरोप है कि देश में टेरर फैलाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर युवाओं का ब्रेन वॉश किया जा रहा है। 22 जुलाई 2022 को गजवा-ए-हिंद मामले में पटना के फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। जांच और पूछताछ के बाद एक मरगुब अहमद दानिश नाम के आरोपी के बारे में कहा गया था कि वह गजवा-ए-हिंद के नाम से एक वाट्सअप ग्रुप बनाकर युवाओं को टेरर फैलाने के लिए भड़का रहा है। उसके बारे में एनआईए की ओर से कहा गया था कि वह कई विदेशी संगठनों के संपर्क में है।

ईवीएम का मुद्दा ...

इसलिए इसी मुद्दे को चुनाव आयोग के सामने रखा जाएगा, और मांग की जाएगी कि इस चिंता को दूर की जाए। विपक्षी नेताओं का प्लान है कि वह दो मांगों पर जोर देंगे। जिसमें पहली रहेगी कि ईवीएम में हर एक वोट की वीवीपैट पर्ची निकलनी चाहिए। इसके बाद हर सीट पर 30-40 प्रतिशत रैंडम पर्चियों को मिलान किया जाए। अगर इस दौरान गड़बड़ी सामने आती है तो सभी पर्चियों की गिनती की जाए। दूसरा मुद्दा यह रहेगा कि अभी तक फॉर्म 17 सी के तहत ईवीएम में वोट पड़ते हैं, उनकी संख्या पीठासीन अधिकारी की मुहर और साइन के बाद उम्मीदवारों के एजेंट्स को दी जाती है। इस मामले में अब उम्मीदवारों के एजेंट्स को 17ए के तहत उम्मीदवारों के एजेंट पीठासीन अधिकारी से वोट्स की संख्या भी दस्तखत करके और मुहर लगवाकर लें। इस प्रैक्टिस से भी दोनों संख्याओं का मिलान हो जाएगा और अगर ईवीएम में कोई गड़बड़ी करेगा तो तुरंत सामने आ जाएगा। विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि ईवीएम मशीन में वोट डालने के समय ही हेराफेरी हो सकती है। इसलिए इन सभी मांगों को चुनाव आयोग के सामने रखा जाएगा, ताकि चुनावों को और भी पारदर्शी बनाया जा सके। इसी को आधार बनाकर कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा।

पवार के घर ...

कि पहले चुनाव आयोग दावा करता था कि ईवीएम में यूज किए जाने वाली चिप को एक बार ही प्रोग्राम किया जा सकता है, इसका दोबारा यूज नहीं किया जा सकता है, लेकिन अब आयोग ने यह कबूल किया है कि ईवीएम की चिप मल्टी प्रोग्रामेबल हैं। रिमोट ईवीएम को लेकर चुनाव आयोग ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसमें लगभग सभी विपक्षी दलों ने ईवीएम से चुनाव कराने पर असहमति जताई थी। आयोग प्रेजेंटेशन देना चाहता था, लेकिन विपक्षी दलों ने यह कहकर देखने से मना कर दिया था कि देश में ईवीएम को लेकर संदेह है। चुनाव आयोग को हमारा संदेह दूर करना चाहिए। शरद पवार ने अपने दिल्ली स्थित घर पर सभी विपक्षी दलों के नेताओं को बुलाया था। कौन-कौन से विपक्षी नेता इस बैठक में शामिल हुए, यह तो अभी साफ नहीं है, लेकिन ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का कोई नेता इसमें शामिल नहीं हुआ। टीएमसी ने पिछले हफ्ते ही कांग्रेस और भाजपा के खिलाफ नया मोर्चा बनाया है। इस मोर्चे में अभी सिर्फ समाजवादी पार्टी ही शामिल है। एनसीपी प्रमुख पवार ने इस बैठक के लिए विपक्षी दलों को लेटर लिखा था। जिसमें उन्होंने कहा था कि एक्सपर्ट का मानना है कि किसी भी चिप वाली मशीन को असानी से हैक किया जा सकता है। हम इसे अनएथिकल एलिमेंट के जरिए बंधक बनाने नहीं दे सकते। हमें आईटी एक्सपर्ट और क्रिप्टोग्राफर के विचारों को भी सुनना चाहिए।

डिब्रूगढ़ जेल की ...

कैमरों को या तो बदल दिया गया है या उनकी मरम्मत कर दी गई है। जेल के एक अधिकारी ने कहा कि ब्लैक पैंथर असम पुलिस कमांडो की एक टीम को जेल की बाहरी परिधि को सुरक्षित करने का काम सौंपा गया है। जबकि सीआरपीएफ, असम पुलिसकर्मियों और जेल के गार्डों को आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही जेल की पूरी बाहरी सीमा को सीसीटीवी से भी लैस किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) प्रशांत भुइयां ने बुधवार को जेल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डिब्रूगढ़ के उपायुक्त विश्वैत पेगू ने बुधवार को कहा कि एनएसए बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था अन्य कैदियों की तुलना में अलग है। जेल में 19 मार्च से बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जब पंजाब पुलिस द्वारा संगठन के चार सदस्यों को यहां स्थानांतरित किया गया था। मंगलवार को अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह सहित तीन अन्य को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया और पंजाब से लगभग 2500 किलोमीटर दूर डिब्रूगढ़ लाया गया। जेल में बंद *वारिस पंजाब दे* के अन्य सदस्यों में दलजीत कलसी, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह भुकनवाला, भगवंत सिंह उर्फ *प्रधानमंत्री* बाजेका, कुलवंत सिंह धालीवाल और गुरिंदर पाल सिंह शामिल हैं। पंजाब पुलिस ने हाल ही में उत्तरी राज्य में बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की और अमृतपाल सिंह के कई समर्थकों को गिरफ्तार किया। पुलिस की यह कार्रवाई तब शुरू हुई जब अमृतपाल और उनके समर्थकों ने गिरफ्तार सहयोगी की रिहाई के लिए अमृतसर के पास अजनाला पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया था। एससीबीए सुप्रीम कोर्ट को आवंटित जमीन पर अधिकार का दावा नहीं कर सकता, एससी ने याचिका पर विचार करने से किया इनकार इस घटना ने पाकिस्तान की सीमा से लगे राज्य में खालिस्तानी उग्रवाद की वापसी की संभावना पर आशंका जताई। डब्ल्यूपीडी का गठन दीप सिद्धू ने किया था। पिछले साल उनकी मृत्यु के एक महीने बाद अमृतपाल सिंह ने इसके प्रमुख का पदभार संभाला था।

2024 में चुनाव नहीं ...

चुनाव आयोग को सूचित किया जाएगा कि उनकी लोकसभा सीट अब खाली है। 2 साल की सजा पूरी करने के बाद वो 6 साल के लिए भी अयोग्य रहेंगे, यानी पूरे 8 साल तक संसद सदस्य नहीं रहेंगे। ऐसे में कहा जा सकता है कि वो 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इससे पहले, इस अधिनियम की धारा 8 (4) के अनुसार मौजूदा सांसद या विधायक अगर दोषी ठहराया जाता है तो वो 3 महीने के अंदर सजा के खिलाफ अपील या रिवीजन एप्लीकेशन दायर करके पद पर बना रह सकता है। हालांकि, राहुल गांधी को ये छूट नहीं मिलेगी। दरअसल, यह प्रोविजन 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी ने महात्मा गांधी का कथन ट्वीट किया, जिसमें कहा गया है कि मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन। वहीं कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट कैसे 20 मिनट की सुनवाई में इस तरह का फैसला सुना सकता है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि जिन व्यक्तियों को लेकर वाक्य कहा गया था उनमें से किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। जिसकी मानहानि हुई, उसी को शिकायत दर्ज करानी थी। कांग्रेस ने ये भी स्पष्ट किया है कि फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जाएगी। इस पर भाजपा ने कहा कि अगर राहुल को लोगों को गाली देने और अपमानित करने का अधिकार है तो उससे पीड़ित लोगों को मानहानि केस करने का भी अधिकार है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कोर्ट के फैसले को बार-बार बदला गया। कांग्रेस कोर्ट में विश्वास नहीं करती है। क्या ये न्यायपालिका को भी अपनी जेह में रखना चाहती है?

समुद्र के दो किलोमीटर ...

टेरिटोरिज का घर है। करीब 105 मिलियन वर्ष पहले जीलैंडिया सुपर महाद्वीप गोंडवाना लैंड का हिस्सा था, जिसमें पिछले 500 मिलियन वर्ष से पश्चिमी अंटार्कटिका और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया हिस्सा हैं। बाद में यह गोंडवाना लैंड से अलग हो गया और समुद्र की लहरों की बीच समुद्र में समा गया। शोधार्थी आज भी इसके अलग होने के विषय को लेकर रिसर्च कर रहे हैं। जीलैंडिया महाद्वीप का अस्तित्व पहली बार 1642 में सामने आया था। एक डच बिजनेसमैन और नाविक एबल टैसमैन ग्रेट साउथर्न कॉन्टिनेंट की खोज में निकले थे, इउसी दौरान उन्हें इस महाद्वीप के बारे में पता लगा। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के दक्षिणी आईलैंड पर पहुंच गए। वहां पहुंचने पर स्थानीय निवासी ने उन्हें आसपास की जगहों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही उन्हें जीलैंडिया के अस्तित्तव के बारे में भी बताया गया था, लेकिन इस बात को मानने में उन्हें करीब 400 साल लग गए। साल 2017 में भूवैज्ञानिकों ने माना कि जीलैंडिया महाद्वीप का अस्तित्व है, जिसका ज्यादातर हिस्सा पानी के अंदर है। इसको लेकर बताया जा रहा है कि 6560 फीट यानि करीब दो किलोमीटर जितना हिस्सा पानी के नीचे समाया हुआ है। जीलैंड क्राउन रिसर्च इंस्टीट्यूट के भूवैज्ञानी एंडी ने कहा कि जीलैंडिया एक ऐसा उदाहरण है, जिसके जरिए अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी शोध को पूरा करने में कितना समय लग सकता है। हालांकि, अभी भी इस बात का शोध किया जा रहा है कि यह गोंडवाना लैंड से अलग कैसे हुआ था।

हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर ...

देहरादून दो घंटे, दिल्ली से हरिद्वार दो घंटे में, दिल्ली से श्रीनगर आठ घंटे में। नागपुर से मुंबई पहले 24 घंटे लगते थे अब पांच घंटे। रांची से वाराणसी तीन घंटे में हो यह कोशिश है। मुंबई से पुणे दो घंटे में, जब मैंने कहा तो कुछ लोग नाराज हुए। मैं जब देहरादून गया तो मुख्यमंत्री ने बताया कि दस फ्लाइट दिल्ली से आती हैं। उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि लॉजिस्टिक कॉस्टसिंगल डिजिट में आएगी। इससे रोजगार और निर्यात बढ़ेगा। झारखंड में जल मार्ग चालू हो यह भी कोशिश की है, अब चालू होगी। मैं अभी ट्रांसपोर्ट का मंत्री हूं। बंगलुरू में हवा में उड़ने वाला डबल डेकर बस बना रहा हूं। मुझे स्वीकार करने में यह दुख होता है कि देश में 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण रोड के कारण है, पेट्रोल-डीजल के कारण है। मैं 2004 से कह रहा हूं कि इस देश का किसान अन्नदाता है, लेकिन वह ऊर्जादाता बनना चाहिए। मंत्री ने कहा कि मैं किसानों के लिए स्कीम ला रहा हूं। 70 प्रतिशत बायो बिटूमीन तैयार होगा। गांव-गांव में जहां भी बिटूमीन तैयार होगा वह सरकार खरीद लेगी, यह वचन देता हूं। एक दिन आएगा जब किसान अपनी फसल के साथ बिटूमीन का भी जिक्र करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को नयी-नयी बात लगेगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

अजगर वृत्ति एक सन्त की, आप आप मिल खाय।
प्रारब्ध हरि की कृपा, आपन करत उपाय॥ 41॥

शब्दार्थ : (अजगर) अजगर, सर्प (वृत्ति) स्वभाव (प्ररब्ध) पूर्व कर्मानुसार भोग (उपाय) युक्ति।

भाष्य : अजगर सर्प अपने भोजन के लिए कोई उपाय दूसरी जगह जाकर नहीं करता, उसको बैठे हुए जो मिल जाता है, उसे ही खाता है। इसी प्रकार संत की एक वृत्ति होती है, उन्हें प्ररब्ध या प्रभु की कृपा से स्वयं जो मिल जाता है, उसे भोजन करते हैं, उसेक लिए दूसरा कोई उपाय नहीं करते। यह वृत्ति एकाकी अथवा एकांत में रहकर भजन करने वाले संत की होती है। इस प्रकार के भी एक संत होते हैं।

भिक्षा अमृत दूसरा, उदर समाता लेय।
पालक समरथ साथ है, जब माँगे तब देय॥ 42॥

शब्दार्थ : (पालक) पालन करने वाला (समस्त) सर्वशक्तिमान।

भाष्य : दूसरे संत इस प्रकार के होते हैं, जो उदर भरने के लिए अमृत भिक्षा को पाकर भजन करते हैं। रक्षा करने वाला पूर्णधनी साथ में है, जब मांगते हैं, तब वे परमप्रभु उन्हें देते हैं।

सिलचर : 15 करोड़ की याबा टैबलेट समेत एक गिरफ्तार

कछार (हि.स.)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर पुलिस का नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी है। नशा रोधी अभियान में गुरुवार को कछार पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सिलचर शहर क्षेत्र से 15 करोड़ रुपए मूल्य की नशीली याबा टैबलेट्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मिजोरम के आइजोल निवासी लालसम वालम नाम के एक तस्कर को 15 पैकेटों में 1.5 लाख याबा टैबलेट के साथ एक डस्टर कार (एमजेड-01यू-7350) के साथ गिरफ्तार किया है। कछार जिला पुलिस अधीक्षक नुमाल महतो (एसपी) ने आज संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार के गुप्त कक्ष से भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने कहा कि मिजोरम के आइजोल का रहने वाला युवक जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वह पहले भी ड्रग्स मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उन्होंने कहा कि मिजोरम के चंपाई जिले से एकत्र की गई याबा टैबलेट को सिल्चर शहर में रखा गया था और राज्य के बाहर आपूर्ति करने की योजना थी। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

लूट के आरोप में तीन गिरफ्तार

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट में सड़क पर जबरन लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लूट की रकम भी बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि जोरहाट में हाईवे पर बुधवार की रात लूट की एक घटना हुई थी। बाईपास पर सूर्या पेट्रोल पंप के पास बाइक और स्कूटी सवार तीन युवकों ने देवाशीष बरुवा नामक एक युवक की बाइक को जबरन रोककर उससे 23 हजार रुपए लूट लिए थे। घटना की जानकारी मिलने पर जोरहाट पुलिस ने तुरंत अभियान शुरू किया। पुलिस ने घटना में शामिल जोरहाट के बहतीया गांव, दिगंबर चौक और मिलन नगर से मिंटू दत्ता, मंजीत दास और मून दास को गिरफ्तार किया है। उनके पास से स्कूटी जब्त करने के साथ ही लूटी गई नकदी भी बरामद हुई । पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नगांव-शोणितपुर जिले में रिश्वत लेते दो लोकसेवक समेत तीन लोग रंगे हाथ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय की अलग-अलग टीमों ने नगांव और शोणितपुर जिले में गुरुवार को अभियान चलाते हुए दो लोकसेवकों और एक बिचौलिए को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। एक दिन पहले भी दो लोकसेवकों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। असम पुलिस मुख्यालय के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय की एक टीम ने नगांव जिले के धिंग राजस्व मंडल के लाट मंडल (लेखपाल) पिनाकी देबनाथ को शिकायतकर्ता से उसकी जमीन के नामांतरण के लिए चार हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। लाट मंडल के द्वारा रिश्वत मांगने और इस कार्य में बिचौलिए अमरान अली को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों की जब तलाशी ली गई तो लाट मंडल की जेब से 22 हजार रुपए और दलाल की जेब से 25 हजार 500 रुपए बरामद किये गये। दोनों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के विरुद्ध आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस पंजीकृत किया गया है। दूसरी ओर शोणितपुर जिले के ठेलामारा राजस्व मंडल के कार्यालय में कार्यरत लाट मंडल पराग बोरा को जमीन बंटवारे की प्रक्रिया को संपादित करने के लिए रिश्वत मांगी गई 15 हजार रुपए की धनराशि लेते लाट मंडल पराग बोरा को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये लोकसेवक की जब तलाशी ली गई तो उसके पास से अतिरिक्त 17 हजार रुपए बरामद किये गये। इस मामले में भी केस दर्ज किया गया है।

होजाई साहित्य सभा का स्वर्ण जयंती समारोह 26 को

होजाई (होसं)। असम साहित्य सभा की श्रेष्ठ शाखाओं में से एक होजाई साहित्य सभा अपनी स्वर्ण जयंती आगामी 26 मार्च को मनाई जाएगी। उक्त कार्यक्रम नया बाजार स्थित साहित्यरथी बेजबरूवा भवन में आयोजित होगा जिसमें सभा के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व सदस्य उपस्थित रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में पूर्व मुख्य संपादक बसंत कुमार गोस्वामी मुख्य अतिथि, विधायक रामकृष्ण घोष उद्बोधक, संस्थापक सदस्य करुणा कांत कलिता विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: होजाई साहित्य सभा के अध्यक्ष दयाल चंद्र द्वारा ध्वजारोहण से होगा। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष बाबा तुमवी सिंह, संस्थापक सदस्य शारदानंद देव गोस्वामी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन होजाई साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष हेम बरूवा करेंगे। उक्त जानकारी सचिव हरगोविंद कलिता व आयोजन समिति के सचिव अनूप कुमार बरठाकुर ने दी।

रंगिया : छात्रों के सर्वांगीण विकासोनमुखी कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के रंगिया शिक्षा खंड के अंतर्गत वीरदत्त उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज समग्र शिक्षा, कामरूप के सौजन्य से %पिछ? जनजातीय बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रयास नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्रख्यात शिक्षाविद् परेश वैश्य ने कहा कि जनजातीय का एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है। जनजाति की सांस्कृतिक परंपराओं का हर जगह स्वागत है। आदिवासी छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें विकसित करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने समग्र शिक्षा विभाग के इन प्रयासों की सराहना की तथा स्कूल के अधिकारियों से छात्रों को सहायता प्रदान करने का आग्रह किया ताकि वे सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को जनजातीय छात्रों तक पहुचाने में मदद कर सके। बैठक को संबोधित करते हुए कामरूप की जिला योजना पदाधिकारी स्वीटी बेजबरुआ ने स्कूली स्तर पर विद्यार्थियों में पढ़ने-लिखने की नींव मजबूत करने पर जोर दिया। कामरूप की जिला योजना अधिकारी फूलपाही नाथ ने विद्यालयों में शनिवार संघ स्थापित करने और स्थानीय संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करने की व्यवस्था करने पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता वीरदत्त उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य बासव शर्मा ने की। जिसमे विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में समाजसेवी मदन बसुमतारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह विद्यालय के प्राचार्य बासव शर्मा ने ध्वजारोहण किया। सेवानिवृत्त शिक्षक चंद्रधर डेका ने पौध रोपण किया। सांस्कृतिक शोभायात्रा का तितकुरी के ग्राम प्रधान हेमेन डेका ने किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। वहीं कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

टुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति के चुनाव परिणाम घोषित

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले में बोको निर्वाचन क्षेत्र के तहत टुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति लिमिटेड के वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक आम सभा और निदेशक मंडल का चुनाव 20 मार्च को समवाय समिति के परिसर में आयोजित किया गया था। समवाय समितियों के निदेशक मंडल के इस चुनाव में निदेशक के 14 पदों के चयन के लिए 20 साझेदार मैदान में उतरे थे। महिलाओं के लिए आरक्षित दो सीटों में दो महिलाएं जाहांनारा और तहमीना बेगम निर्विरोध चुनी गईं और बारह पदों के लिए चुनाव हुआ। तुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति के निदेशक मंडल के चुनाव की मतगणना कल समवाय समिति कार्यालय परिसर में समवाय विभाग के 12 सदस्यीय अधिकारी-कर्मचारी दल की उपस्थिति में हुई। वोटों की गिनती के अंत में, चुनाव निर्वाचन अधिकारी मृणाल कुमार सैकिया और सहायक निर्वाचन अधिकारी शफीकुर रहमान ने एक अधिसूचना में कहा कि आब्दुल हामीद, आबू बक्कार सिद्दीक, जाहान उद्दीन, हातेम अली, जाकिर हुसैन, हामेद अली, मुस्लिम उद्दीन, हानीफ उद्दीन अहमद,मयान अली अहमद, आब्दुल मालिक, मजिद मंडल, मतिउर रहमान आदि बारह सदस्यों ने संचालक मंडली का रूप में निर्वाचित हुआ। गणना के दौरान समवाय समिति के सचिव अब्दुल हाई भी मौजूद रहे।

चोरी करते रंगे हाथों एक गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत बकलियाघाट में नशेड़ियों के चलते चोरी की वारदातों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसी तरह की घटना बकलियाघाट के बालीजान में सामने आई है, जहां पर चोरी करने की कोशिश करते एक व्यक्ति को गुरुवार सुबह पकड़ लिया गया। बताया गया कि अखिल भौमिक नामक नशे का आदी व्यक्ति काफी दिन से बालीजान गांव के लोगों की नींद उड़ा रखा था। गुरुवार की सुबह गांव के एक व्यक्ति के घर में गोदरेज की अलमीरा को तोड़ने की कोशिश करते समय उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया। स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई करने के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बकलियाघाट इलाके में नशे का प्रचलन काफी तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते नशे के आदी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी जैसे घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

जनजाति धर्म-संस्कृति सुरक्षा मंच का 26 को चलो दिसपुर

गुवाहाटी (हि.स.)। जनजाति धर्म-संस्कृति सुरक्षा मंच (जेडीएसएसएम) के नेतृत्व में आगामी 26 मार्च को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित मैदान पर चलो दिसपुर नामक एक विशाल गण समावेश का आह्वान किया गया है। इस संबंध में गुरुवार को दिसपुर प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में जेडीएसएसएम के असम प्रदेश सह संयोजक एवं कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुंबांग ने कहा कि जनजाति समाज के अस्तित्व को बचाने के लिए समाज को जागरूक करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से कोशिश की जा रही है। इससे बचने के लिए वर्ष 2023 में संविधान के 2ए अनुच्छेद के 342(2) में संशोधन के लिए बिल संसद में लाने की मांग के लिए आगामी 26 मार्च को गुवाहाटी स्थित खानापारा खेल मैदान में चलो दिसपुर नामक एक विशाल गण समावेश का आह्वान किया गया है। उन्होंने सभी जनजाति भाई-बहनों को अपने जाति, भाषा, धर्म, संस्कृति, परम्परा, रीति रिवाज आदि की रक्षा के लिए और धर्मांतरित लोगों द्वारा अनैतिक तरीके से डबल बेनिफिट (दोहरा लाभ) अर्थात एसटी और अल्पसंख्यक का जो आरक्षण का लाभ उठाया जा रहा है, उसका अंत करने के लिए एक साथ अपनी जनजाति पोशाक में आकर विशाल गण समावेश में शामिल होने का आह्वान किया है। इस दौरान उन्होंने कई मांगों को मीडिया के जरिए सरकार और समाज के सामने रखा। जिसमें धर्मांतरण बंद करने, जनजाति धर्म संस्कृति की रक्षा करने, झूठे लालच देकर भोली-भाली जनजातियों को धर्मांतरित करना बंद करने, धर्मांतरित जनजाति लोगों के नाम को एसटी सूची से बाहर करने, धर्मांतरित जनजाति व्यक्ति एसटी प्रमाण पत्र के जरिए कोई चुनाव में प्रतिद्वंदिता नहीं कर सकता, धर्मांतरित जनजाति व्यक्ति एसटी प्रमाण पत्र के जरिए कोई सरकारी पद/शिक्षानुस्थानों में कोई लाभ नहीं ले सकता आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्व. कार्तिक उरांव का अधूरा काम पूरा करने के लिए और जनजातियों के ऊपर हो रहे इस अन्याय का विरोध करने के लिए देश की 14 राज्यों के 85 जनजाति नेता एकजुट होकर 2006 में जनजाति सुरक्षा मंच का गठन किया गया था। पिछले 18 साल से यह गणतांत्रिक आंदोलन चल रहा है और आज आंदोलन अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। मंच के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि देश की हर जिला, प्रखंड, पंचायत और गांव स्तर पर समिति निर्माण करके जागरूकता सभा, जन संपर्क के माध्यम से एक प्रबल जन जागरण का प्रयास किया जा रहा है। अब तक 2 बार 288 उपायुक्तों के द्वारा सन 2020 के 29 अक्टूबर को प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति को स्मारक पत्र प्रदान किया गया और इस मामले में 14 राज्यपाल से भी मुलाकात की गई है। भारत के कई उच्च न्यायालयों ने भी हमारी मांगों के पक्ष में राय दिया है।

विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2023 का उत्सव

गुवाहाटी (विभास)। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी में विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया गया। हर साल विश्व मौसम विज्ञान दिवस एक थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष, विषय है- द फ्यूचर ऑफ वेदर, क्लाइमेट एंड वाटर अक्रॉस जेनरेशन। इस अवसर पर इस कार्यालय के प्रांगण में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और इसे जनता के लिए खुला रखा गया। जीवन के विभिन्न विषयों के लोगों ने कार्यालय का दौरा किया। उन्हें विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारत मौसम विज्ञान विभाग के संक्षिप्त इतिहास, कार्यप्रणाली और मील के पत्थर के बारे में बताया गया। उन्हें मौसम का अवलोकन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मौसम संबंधी उपकरणों को दिखाया गया। जनता को यह भी दिखाया गया कि मौसम की भविष्यवाणी कैसे की जाती है। आगंतुकों ने इस संबंध में बहुत रुचि दिखाई। छात्रों और जनता के लिए लोकप्रिय व्याख्यान भी आयोजित किए गए। श्री अनुपम फूकन, वरिष्ठ भूविज्ञानी, भूविज्ञान और खनन निदेशालय, सरकार। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में असम, गुवाहाटी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने पानी बचाने के महत्व पर एक विशेष व्याख्यान दिया। समारोह की शुरुआत अनामिका शर्मा, वैज्ञानिक सहायक के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. संजय ओ नील शॉ, वैज्ञानिक-एफ ने जलवायु परिवर्तन के परिणामों के बारे में बताया और लोगों से इसका मुकाबला करने में मदद करने का आग्रह किया। आईएमडी के सेवानिवृत्त अधिकारियों डी सिंहा, एच पाठक और बी बी दास ने भी विश्व मौसम विज्ञान दिवस के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मौसम विज्ञानी सैलेन सैकिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह का संचालन मौसम विज्ञानी सुरूज गोगोई ने किया।

रंगिया में श्रीश्री हनुमान जन्म महोत्सव की तैयारियां शुरू

हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के बीचों बीच स्थित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में श्रीश्री हनुमान जन्म महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया है। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में महोत्सव का 54 वां आयोजन है। जोकि मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सीकरिया, महामंत्री प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजोदिया के तत्वावधान मे महोत्सव आयोजक समिति के संचालन मे आगामी 5 और 6 अप्रैल को दो दिवसीय आकर्षक एवं भव्य कार्यक्रमो के साथ किया जाएगा। यह जानकारी महोत्सव आयोजक समिति के अध्यक्ष विकाश शर्मा, सचिव कैलाश छित्रका और कोषाध्यक्ष जितेंद्र जाजोदिया द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया है कि बुधवार, 22 मार्च को भगवान श्री गणेश सहित रंगिया नरेश को सादर आमंत्रण भेजकर महोत्सव का शंखनाद किया गया है। वहीं इसबार महोत्सव के कार्यक्रमों के अंतर्गत आगामी 5 अप्रैल बुधवार को प्रात: 7:15 बजे धार्मिक ध्वजारोहण, प्रात: 8:15 बजे से अखंड रामायण पूजन एवं पाठ प्रारंभ, संध्या 4:15 बजे पुष्पाभिषेक, संध्या 6:15 बजे मंदिर प्रांगण में 108 दीप प्रज्वलन, रात्रि 9 बजे से कीर्तन (श्री बजरंग भजन मंडली, रंगिया द्वारा) के बाद वहीं बृहस्पतिवार 6 अप्रैल को प्रात: 10:15 बजे अखंड रामायण पाठ समापन एवं आरती, सुबह 11:15 बजे भव्य श्रृंगार दर्शन, ज्योत प्रज्वलन, रंगिया नरेश की महाआरती, पुष्पांजलि एवं प्रसाद वितरण, सुबह 11.30 बजे से महाप्रसाद प्रारंभ, दोपहर 3 बजे रंगिया नरेश की शोभायात्रा, सायं 6.30 बजे महाआरती एवं छप्पन भोग तथा रात्रि 9 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर संचालन समिति तथा महोत्सव आयोजक समिति द्वारा सभी समाजबंधुओं के सहयोग और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

तेरापंथ धर्म स्थल में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियां पूरी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के 16 वें अधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सम्मेलन की कामरूप शाखा के आतिथ्य में फैंसी बाजार स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन की स्वागत समिति के स्वागताध्यक्ष संपत मिश्र ने बताया कि अधिवेशन की शुरुआत प्रात: 9.30 बजे साधना मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण व श्रद्धांजलि कार्यक्रम से होगा। इसके पश्चात 10 बजे साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा। साहित्य प्रदर्शनी में पूर्वोत्तर के मारवाड़ी लेखक, साहित्यकार और कवियों द्वारा रचित पुस्तकों का प्रदर्शन किया जाएगा। स्वागत मंत्री पवन जाजोदिया ने बताया कि प्रथम दिन सर्वप्रथम प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक, तदुपरांत प्रांतीय सभा एवं उसके बाद खुला सत्र -आप की अदालत का आयोजन किया जाएगा। शाम 5 बजे से मुख्य कार्यक्रम उद्घाटन सत्र होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, विशिष्ठ अतिथि के रूप में मुख्य आयुक्त (सीजीएसटी गुवाहाटी जोन) योगेंद्र गर्ग, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डएसएस हरलालका उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में अलंकरण समारोह के अंतर्गत चार प्रांतीय पुरस्कार इस वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्गीय धर्मचंद जैन पुरस्कार धेमाजी की विनीता चौधरी गाड़ोदिया, सांस्कृतिक व साहित्य के क्षेत्र में स्वर्गीय नंदकिशोर माहेश्वरी पुरस्कार गुवाहाटी के शंकरलाल गोयंका, राजनीति के क्षेत्र में स्वर्गीय हीरालाल पटवारी स्मृति पुरस्कार शिलांग के श्रवण कुमार झुनझुनवाला को तथा जन सेवा के क्षेत्र में लखीमपुर के राजेश मालपानी को प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा सामाजिक कार्य करने वाली सर्वोच्च्च संस्था के रूप में डिब्रूगढ़ की विश्वनाथ दातब्य औषधालय को भी सम्मानित करके पुरस्कृत किया जाएगा। शाम को विभिन्न शाखा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जाएगी। स्वागत समिति की विभिन्न उपसमितियों ने अपने अपने कार्यों के लिए कमर कस रखी है और अतिथियों के स्वागत के लिए उत्सुक हैं।

पूर्वोत्तर पर्यटन को बढ़ावा देने वाली भारत गौरव ट्रेन गुवाहाटी पहुंची

ट्रेन से दिखा पूर्वोत्तर राज्यों की खूबसूरती का नजारा

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय रेल की विशेष रूप से डिजाइन की गई यात्रा नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी: बियॉन्ड गुवाहाटी के तहत भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को करीब से जानने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन आज (गुरुवार) अपने पहले पर्यटन पड़ाव गुवाहाटी पहुंची। ट्रेन ने 21 मार्च को दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की थी। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया है कि गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और पर्यटकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पर्यटकों ने दिल्ली से गुवाहाटी तक की अपनी यात्रा पर काफी संतोष जाहिर किया। उनलोगों ने भारतीय रेल द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी आधुनिक सुविधाओं और पौष्टिक भोजन के साथ ऐसी शानदार ट्रेन में यात्रा करने के अपने अनुभव को साझा किया। यहां तक कि उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद बिहू कलाकारों के साथ उनलोगों ने बिहू नृत्य (असम का लोक नृत्य) भी किया। पर्यटकों ने पूर्वोत्तर राज्यों को निहारने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। लमडिंग के मंडल रेल प्रबंधक प्रेम रंजन कुमार ने पर्यटकों का स्वागत किया और उनके साथ बातचीत कर भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन की यात्रा के बारे में उनके विचार जाने। भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 24 मार्च को रात 09.00 बजे गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से रात भर की यात्रा तय कर 25 मार्च को अगला गंतव्य अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

प्रधानमंत्री आज वाराणसी का दौरा करेंगे, 1780 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज (24 मार्च) को अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर जाएंगे। प्रधानमंत्री वहां वन वर्ल्ड टीबी समिट को संबोधित करेंगे और 1780 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में सुबह करीब 10.30 बजे ह्यवन वर्ल्ड टीबी समिट को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री टीबी के उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के लिए चुनिंदा राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों और जिलों को पुरस्कृत भी करेंगे।

प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12 बजे, संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय मैदान में 1780 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी कैंट स्टेशन से गोदौलिया तक पैसेंजर रोपवे का शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना की लागत लगभग 645 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पांच स्टेशनों वाली यह रोपवे प्रणाली 3.75 किलोमीटर लंबी होगी। इससे पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और वाराणसी के निवासियों का आवागमन सुविधाजनक होगा। प्रधानमंत्री नमामि गंगे योजना के तहत भगवानपुर में 55 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री खेलो इंडिया योजना के तहत सिगरा स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य के दूसरे एवं तीसरे चरण का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री सेवापुरी के इस रवर गांव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्मित किए जाने वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री भरथरा गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चेंजिंग रूम से लैस फ्लोटिंग जेट्टी सहित विभिन्न अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

राहुल गांधी को मिली उनके किए की सजा : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरनेम को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी। इसको लेकर सूरत की कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए उन्हें दो साल की सजा सुनाई है। यह उनके किए की सजा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल गांधी को सूरत की एक कोर्ट ने मानहानि के मामले में दो साल की सजा दी है। कांग्रेस बहुत कुछ कह रही है लेकिन ये नहीं बता रही है कि राहुल गांधी ने कहा क्या? प्रसाद ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपमानित करते हुए कहा था, ह्लकैसे सभी चोरों का सरनेम मोदी है?ह्व इस मुद्दे पर सुनाई करते हुए कोर्ट ने राहुल को उनके किए की सजा दी। प्रसाद ने कहा कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने गलत भाषा का उपयोग किया हो। वह आए दिन देश को अपमानित करते रहते हैं। उन्होंने अपने लंदन दौरे में देश सहित हमारे संविधान को भी अपमानित करने का काम किया था। भाजपा नेता प्रसाद ने कहा कि एक ओर राहुल गांधी सत्य और अहिंसा में विश्वास रखने की बात करते हैं और दूसरी ओर देश की सेना का अपमान करते हैं। शहीदों की शहादत का मजाक उड़ाते हैं। देश की राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रशक्ति का अपमान करते हैं। मतदाताओं का अपमान करते हैं। ऐसा नहीं चलेगा क्योंकि देश राहुल के हिसाब से नहीं बल्कि संविधान के हिसाब से चलेगा। उल्लेखनीय है कि राहुल ने कर्नाटक में वर्ष 2019 में एक चुनावी रैली में कहा था कि सारे चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है? इस टिप्पणी के बाद भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। आज इस मामले में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है।

गैर भाजपा नेताओं और पार्टियों पर मुकदमे करके उन्हें खत्म करने की हो रही साजिशः मुख्यमंत्री

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कोर्ट से मिली सजा पर कहा है कि गैर भाजपा नेताओं और पार्टियों पर मुकदमे करके उन्हें खत्म करने की साज़िश हो रही है। केजरीवाल ने कहा कि हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं मगर राहुल गांधी जी को इस तरह मानहानि मुकदमे में फसाना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं पर इस निर्णय से असहमत हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम खिलाफ टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि कैसे सभी चोरों का सरनेम मोदी है? इस टिप्पणी के बाद भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि इस टिप्पणी के जरिए पूरे मोदी समुदाय को बदनाम किया गया। बयान कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान दिया गया था।

GETTY

रोहिणी इलाके में 3 मंजिला मकान जमींदोज

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में बीती देर रात एक तीन मंजिला मकान जमींदोज हो गया। हालांकि गनीमत यह रही कि यह मकान खाली पड़ा था। इसकी वजह से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि बीती रात 1.45 बजे सूचना मिली थी कि रोहिणी के सेक्टर 16 स्थित एक घर में आग लग गई है। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की चार गाड़ियों को भेजा गया। घटना स्थल पर पहुंचने पर पता चला कि तीन मंजिला मकान गिर गया है। मकान काफी पुराना था। इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि मकान के पास खड़ी कुछ गाड़ियां मलबे में दब गई हैं।

राहुल गांधी की टिप्पणी से कांग्रेस को नुकसान, पार्टी डूब रही हैः केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

अजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी से कांग्रेस को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता भी इस बात से चिंतित हैं कि राहुल के बयानों के कारण पार्टी डूब रही है। रिजिजू की टिप्पणी गुजरात की एक अदालत द्वारा वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी को उनकी मोदी सरनेम टिप्पणियों के लिए दोषी ठहराए जाने और दो साल की जेल की सजा दिए जाने के बाद आई है। कांग्रेस नेता की सजा पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी जो कुछ भी कहते हैं, उससे नुकसान होता है। यह न केवल पार्टी को बल्कि दूसरों को भी नुकसान पहुंचाता है। यह देश के लिए अच्छा नहीं है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस के कुछ सांसदों ने उन्हें बताया था कि राहुल गांधी के रवैये से पार्टी डूब रही है। रिजिजू ने कहा, कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मुझे बताया है कि राहुल गांधी की कार्यशैली ने चीजों को गड़बड़ कर दिया है। इससे उनकी पार्टी को नुकसान हो रहा है। उनकी पार्टी डूब रही है।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम खिलाफ टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि कैसे सभी चोरों का सरनेम मोदी है? इस टिप्पणी के बाद भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। आज इस मामले में सूरत की कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई है। मामले में सूरत से सांसद दर्शना जरदोश का कहना है कि उन्हें न्याय प्रक्रिया में पूरा विश्वास है और आज कोर्ट ने राहुल गांधी के मामले में न्याय किया है। उन्होंने विपक्ष की इस बात को लेकर भी आलोचना की कि जब राहुल गांधी सदन में उपस्थित नहीं थे तो उनका बयान कराने की मांग क्यों की गई। गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने भी राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें उनकी भाषा पर नियंत्रण नहीं है। उनके बयान से मोदी समाज में गुस्सा पैदा हुआ था।

मुकेश अंबानी दुनिया के 9वें सबसे अमीर, अडाणी 23वे नंबर पर

- अडाणी की अपनी संपत्ति 60 प्रतिशत से भी अधिक कम हो गई

मुंबई (ईएमएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी 20 प्रतिशत या 21 अरब डॉलर की संपत्ति में गिरावट के बावजूद 82 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के शीर्ष 10 सबसे धनी व्यक्तियों में बने हुए हैं। 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में यह जानकारी दी गई है। लगातार तीसरे वर्ष अंबानी ने सबसे धनी एशियाई खिताब बरकरार रखा। 35 प्रतिशत की कमी या 28 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 53 अरब डॉलर तक, अडाणी ग्रुप के गौतम अडाणी और परिवार, पिछले साल की दूसरी रैंक से दुनिया के सबसे धनी लोगों में 23वें स्थान पर आ गए। अडाणी ने 2023 में दूसरा सबसे अमीर एशियाई खिताब भी खो दिया। यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की जनवरी में एक रिपोर्ट के कारण अडाणी को अपनी संपत्ति 60 प्रतिशत से अधिक कम हो गई। पिछले साल, यह कहा गया था कि अडाणी 2022 में प्रतिदिन 1,600 करोड़ रुपए जोड़कर सूची में सबसे ऊपर हैं। दुनिया के शीर्ष 50 सबसे अमीर लोगों में शामिल अन्य भारतीय अरबपतियों में साइरस पूनावाला और शिव नादर और परिवार हैं। दिलचस्प बात यह है कि पूनावाला को छोड़कर, जिनकी संपत्ति में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वैश्विक शीर्ष 100 सबसे धनी लोगों में अन्य सभी भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी गई। 2022 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के बिल्कुल विपरीत, जब धन की कमी की बात आती है तो भारत लीग तालिका में शीर्ष पर है। जब चीन और अमेरिका जैसे देशों में क्रमशः 178 और 123 अरबपति थे, जिन्होंने 1 अरब डॉलर से अधिक खो दिया, भारत में 41 अरबपति हैं, जिन्होंने 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में एक अरब डॉलर से अधिक की राशि खो दी।अरबपतियों की संख्या के संदर्भ में जिन्होंने पिछले वर्ष में 1 अरब डॉलर या उससे अधिक जोड़ा है, भारत सूची में छठे स्थान पर है। भारत ने 16 अरबपतियों को जोड़ा और तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं इटली ने इस साल की सूची में 9 अरबपतियों को जोड़ा। भारत से सबसे अमीर नए प्रवेशकर्ता, रेखा राकेश झुनझुनवाला और परिवार, 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में शीर्ष 16 नए भारतीय प्रवेशकों की सूची में सबसे ऊपर हैं। पिछले 5 वर्षों में, 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में भारतीय अरबपतियों ने हांगकांग के सकल घरेलू उत्पाद के बराबर अपनी संचयी संपत्ति में लगभग 360 अरब जोड़े।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों से शनिवार को मुलाकात करेंगी वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका में कुछ बैंकों के विफल होने और क्रेडिट सुइस संकट के मद्देनजर 25 मार्च (शनिवार) को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों से मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री इस बैठक के दौरान बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा भी करेंगी। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि वित्त मंत्री बैंकों के प्रमुखों के साथ 25 मार्च को बैठक करेंगी। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड, स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में बैंकों ने कितनी प्रगति की है, इसका जायजा लिया जाएगा। बैठक में वित्त मंत्री कर्ज वृद्धि, परिसंपत्ति गुणवत्ता, अगले वित्त वर्ष में पूंजी जुटाने और कारोबार वृद्धि की बैंकों की योजना की भी समीक्षा करेंगी। गौरतलब है कि वित्त मंत्री सीतारमण की वित्त वर्ष 2023-24 के बजट बाद यह पहली पूर्ण समीक्षा बैठक है।

विजेंद्र गुप्ता ने सदन की बैठकों से एक साल के लिए निलंबित करने को हाई कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर उन्हें अगले बजट सत्र तक एक वर्ष के लिए सदन की बैठकों में भाग लेने से निलंबित किए जाने के फैसले को चुनौती दी है।

दरअसल, भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करके अगले बजट सत्र तक एक वर्ष के लिए सदन की बैठकों में भाग लेने से निलंबित कर दिया गया है। इसको उन्होंने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट 24 मई को विजेंद्र गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करेगा।

अब भाजपा ने लगाए अरविंद केजरीवाल को हटाओ दिल्ली बचाओ के पोस्टर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में लगाए गए मोदी हटाओ देश बचाओ पोस्टर्स के जवाब में अब भाजपा की तरफ से भी पोस्टर लगाये गये हैं। इन पोस्टर पर लिखा है, अरविंद केजरीवाल को हटाओ, दिल्ली बचाओ। पोस्टर पर भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम छपा हुआ है। वहीं पोस्टर के ऊपरी हिस्से में बेईमान, रिश्वतखोर, तानाशाह लिखा हुआ है।

वहीं पोस्टर जारी होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा दिल्ली में मेरे खिलाफ इन लोगों ने पोस्टर लगाए हैं। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। जनतंत्र में जनता को अपने नेता के पक्ष या खिलाफ अपने विचार रखने का पूरा अधिकार है। मेरे खिलाफ पोस्टर लगाने वालों को गिरफ्तार ना किया जाये। उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ पूरी दिल्ली में मोदी हटाओ देश बचाओ के पोस्टर लगाए गए थे। इसके बाद मंगलवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह माना था कि आम आदमी पार्टी ने ही यह पोस्टर लगवाए थे। हालांकि इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 130 से अधिक एफआईआर दर्ज की थी और 6 लोगों को गिरफ्तार भी किया था।

ब्रह्मोस मिसाइल 75 फीसदी हुई स्वदेशी, 21 वर्षों में भारत ने मुकाम हासिल किया

- अब मिसाइल की 100 प्रतिशत स्वदेशी क्षमता हासिल करना संभव नहीं
- स्वदेशी प्रौद्योगिकियों से मिसाइल की समग्र लागत काफी कम हो गई

नई दिल्ली, (हि.स.)। रूस की एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया तथा भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के संयुक्त प्रयास से विकसित ब्रह्मोस मिसाइल 75 फीसदी स्वदेशी हो चुकी है। ब्रह्मोस मिसाइल का पहला परीक्षण 2001 में हुआ था और 2004 में पहली मिसाइल लॉन्च की गई थी। उस समय मिसाइल केवल 13 प्रतिशत स्वदेशी थी, लेकिन अगले 21 वर्षों में मिसाइल के स्वदेशी घटक 75 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। अब मिसाइल की 100 प्रतिशत स्वदेशी क्षमता हासिल करना संभव नहीं है, क्योंकि इस संयुक्त परियोजना में भारत कुछ प्रौद्योगिकी के लिए रूस पर निर्भर है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल दिनकर राणे ने चेन्नई स्थित रक्षा और एयरोस्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स सॉल्यूशंस प्रदाता प्रदाता डेटा पैटर्न (भारत) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना ने 75 प्रतिशत स्वदेशी क्षमता हासिल की है। उन्होंने 21 साल के सफर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल का पहला परीक्षण 2001 में हुआ था और 2004 में पहली मिसाइल लॉन्च की गई थी। उस समय मिसाइल केवल 13 प्रतिशत स्वदेशी थी, लेकिन अगले 21 वर्षों में मिसाइल के घटक 75 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। अभी भी कुछ प्रौद्योगिकियां रूस से मिलना बाकी है, इसलिए ब्रह्मोस मिसाइल को पूरी तरह स्वदेशी करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 75 प्रतिशत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के कारण मिसाइल की समग्र लागत काफी कम हो गई है। अग्नि के सिद्धांत पर काम करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल में डीआरडीओ ने पीजे-10 परियोजना के तहत स्वदेशी बूस्टर बनाकर इसकी मारक क्षमता बढ़ा दी है। 21वीं सदी की सबसे खतरनाक मिसाइलों में से एक ब्रह्मोस मिसाइल 8.4 मीटर लम्बी तथा 0.6 मीटर चौड़ी है। 3000 किलोग्राम की यह मिसाइल 300 किलोग्राम वजन तक विस्फोटक ढोने तथा 400 किलोमीटर तक लक्ष्य को मार गिराने की क्षमता रखती है। यह सुपर सोनिक क्रूज मिसाइल आवाज की गति से 2.8 गुना तेज जाने की क्षमता रखती है। भारत ने अब 800 किमी. की रेंज में टारगेट को हिट करने वाला ब्रह्मोस मिसाइल का नया वर्जन तैयार किया है। इस एयर लॉन्च संस्करण का परीक्षण शुरू कर दिया गया है। इधर, रक्षा मंत्रालय नौसेना के फ्रंटलाइनर युद्धपोतों के लिए 200 से अधिक विस्तारित रेंज वाली मिसाइलों के अधिग्रहण को अंतिम रूप दे रहा है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) में खरीद के प्रस्ताव पर जल्द ही विचार करने के बाद इसे प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाली सुरक्षा संबंधी कैबिनेट कमेटी को अंतिम मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। सौदे की वास्तविक लागत मिसाइलों की संख्या और कॉनफि गरेशन पर निर्भर करेगी, लेकिन यह सौदा 15 हजार करोड़ रुपये से ऊपर होने की संभावना है। फिलहाल तीनों सेनाएं ब्रह्मोस से लैस हैं और अब तक 38 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

डिफेन्स पार्लियामेंट कमेटी ने सरकार से पूछा- लड़ाकू जेट्स की खरीद में देरी क्यों

- वायु सेना को भविष्य के संभावित संघर्षों में अगली पीढ़ी के टेक-रेडी कॉम्बैट जेट की जरूरत
- संसदीय पैनल ने नौसेना के लिए तीसरे विमान वाहक के बारे में भी फैसला लेने को कहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा संसदीय समिति ने सरकार को भारतीय वायु सेना के लिए बगैर देरी किये पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार करने की सलाह दी है। समिति का मानना है कि वायु सेना को भविष्य में होने वाले संभावित संघर्षों के लिए अगली पीढ़ी के टेक-रेडी कॉम्बैट जेट की जरूरत है, इसलिए सरकार को अतिरिक्त लड़ाकू जेट्स की खरीद में देरी नहीं करनी चाहिए। सदन में पेश रिपोर्ट में समिति ने सरकार से पूछा है कि वायु सेना के लिए फाइटर जेट्स खरीदने में देरी क्यों की जा रही है। संसदीय पैनल ने अपनी रिपोर्ट में सरकार से नौसेना के लिए तीसरे विमान वाहक के बारे में भी अंतिम निर्णय लेने के लिए कहा है, जो अंततः भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाएगा। तीसरे विमान वाहक के लिए नौसेना ने कई बार सरकार के सामने प्रस्ताव रखा है। इसलिए समिति ने सिफारिश की है कि रक्षा मंत्रालय इस बारे में अंतिम निर्णय लेकर योजना प्रक्रिया शुरू कर सकता है। समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 40 एलसीए तेजस जेट्स की आपूर्ति में 'काफी देरी' होने का भी उल्लेख किया है। वायु सेना ने 20 बिलियन डॉलर की लागत से मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) कार्यक्रम के तहत 114 फाइटर विमान खरीदने की योजना बनाई है। इसके अलावा एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) के साथ एचएएल एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के निर्माण के लिए एक साथ काम कर रहा है। इसी तरह तेजस मार्क 1ए के बाद तेजस एमके-2 भी महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो एचएएल के तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट डिजाइन से बाहर विकसित हो रही है। समिति ने सवाल उठाया है कि इतने सारे कार्यक्रम भारत की विनिर्माण प्रौद्योगिकी में छलांग लगा रहे हैं, तो भविष्य के संघर्षों के लिए पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट की आवश्यकता पर ध्यान क्यों नहीं है। वायु सेना ने अपनी लड़ाकू संपत्तियों को मोटे तौर पर 42 स्क्वाड्रन में परिभाषित किया है, जबकि मौजूदा समय में उसके पास सिर्फ 30 स्क्वाड्रन हैं। वायु सेना 2025 तक मिग-21 की 4 स्क्वाड्रन को चरणबद्ध तरीके से खत्म कर रही है, जिससे स्क्वाड्रन की ताकत धीरे-धीरे कम होती जा रही है। इसके अलावा अधिकांश मौजूदा स्क्वाड्रन का तकनीकी जीवन समाप्त हो रहा है, जिससे वायु सेना की लड़ाकू क्षमता पर असर पड़ने की संभावना है। कमेटी के अनुसार पुराने फाइटर जेट्स को चरणबद्ध तरीके से हटाने पर लगभग 30 स्क्वाड्रनों की वर्तमान ताकत और कम हो जाएगी।

राज्यपाल ने वाराणसी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वितरित किए सामग्री किट व टैबलेट

वाराणसी, (हि.स.)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल गुरुवार को आराजी लाइन विकास खंड के हरसोस गांव स्थित नंदघर में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के एक कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सामग्री किट और टैबलेट वितरित किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को टैबलेट देने का उद्देश्य केंद्रों का डिजिटाइजेशन और बच्चों को परस्पर संवाद (इंटरैक्टिव) के माध्यम से अक्षर, गिनती, कविता, कहानी आदि सिखाना है। ये पद्धति जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री-एजुकेशन सिस्टम को और मजबूत करेगी। इसके बाद राज्यपाल काशी विद्यापीठ विकास खंड के अलाउद्दीनपुर नंदघर में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सामग्री किट और टैबलेट वितरित करेंगी। इसके पहले, राज्यपाल पटेल के बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचने पर प्रशासनिक अफसरों और भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। राज्यपाल शाम 04 बजे सर्किट हाउस में गवर्नर बेसिक शिक्षा विभाग की विद्याशक्ति योजना का शुभारंभ करेंगी। 21 टॉपर छात्राओं को चेक देंगी। इस दौरान राज्यपाल की मौजूदगी में नगरीय आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहतर करने समेत कई एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ वाराणसी में दाखिल परिवाद को न्यायालय ने किया खारिज

वाराणसी, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल परिवाद को एसीजेएम प्रथम व एमपी-एमएलए कोर्ट के प्रभारी उज्ज्वल उपाध्याय की अदालत ने बुधवार को सुनवाई के बाद सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि राहुल गांधी का बयान असंवैधानिक नहीं है। भाजपा काशी क्षेत्र के विधि प्रकोष्ठ के संयोजक अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी ने लंदन में भारत के लोकतंत्र पर दिए गए राहुल गांधी के बयान को लेकर मुकदमा दर्ज कराने के लिए परिवाद दाखिल किया था। परिवादी शशांक शेखर के अधिवक्ताओं राजकुमार तिवारी, आनंद पाठक, अजय सिंह, चंद्रभान गिरी ने अदालत में कहा था कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के जज बिजनेस स्कूल में भारतीय एकता, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ बयान दिया। उन्होंने आरएसएस जैसे धार्मिक व सांस्कृतिक संगठन की तुलना आतंकवादी संगठन से करके अपराध किया है। अधिवक्ताओं ने कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कर विवेचना का आदेश दिए जाने की प्रार्थना भी की। परिवाद के पोषणीयता के बिंदु पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी केरल के वायनाड से सांसद हैं। उन्होंने नफरती भाषण दिया है। इस पर अदालत को सुनवाई का अधिकार है। सीआरपीसी की धारा-179 में साफ लिखा है कि मामले की सुनवाई वहीं होगी, जहां अपराध हुआ या फिर जहां प्रभावित पक्ष रहता है। अदालत ने परिवादी पक्ष कि दलीलें सुनने के बाद पत्रावली आदेश के लिए सुरक्षित रखा था। आज 8 पेज के विस्तृत आदेश में कोर्ट ने इस परिवाद पत्र खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि परिवाद के अवलोकन से साफ नहीं होता कि राहुल गांधी का बयान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता हो। ऐसे में यह संज्ञेय अपराध नहीं है। परिवाद पत्र खारिज किया जाता है। परिवाद खारिज होने पर परिवादी अधिवक्ता शशांक शेखर ने बताया कि हमने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए राहुल गांधी के द्वारा देश की छवि धूमिल करने के मामले में सीआरपीसी की धारा 156 (3) में मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। एमपी/एमएलए कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए इसे पोषणीयता के आधार पर खारिज कर दिया। अब इस मामले में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से राय ले रहे है। इस विषय पर उच्चतम न्यायालय भी जायेंगे।

करौली सरकार के आश्रम से पुलिस को नहीं मिला मारपीट का कोई साक्ष्य

कानपुर, (हि.स.)। नोएडा के चिकित्सक से मारपीट मामले में बिधनू थाने की पुलिस बुधवार रात करौली सरकार आश्रम पहुंची। लगभग दो घंटे पुलिस आश्रम में रही और इस दौरान तलाशी ली तथा बाबा संतोष सिंह भदौरिया से पूछताछ की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई ठोस सबूत नहीं मिल सका। सवालों के क्रम में बाबा ने जवाब देते हुए कहा कि वह पीड़ित को बगैर छुए उपचार करता है तो मारपीट करने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। पुलिस की जांच के दौरान वारदात के दिन का सीसीटीवी कक्ष में कोई फुटेज नहीं मिल सका। सूत्रों की माने तो जब पुलिस वहां पहुंची तो बाबा के परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। उल्लेखनीय है कि बिधनू थाने में नोएडा निवासी चिकित्सक सिद्धार्थ ने 19 मार्च को करौली सरकार के बाबा संतोष सिंह भदौरिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह अपने माता-पिता और पत्नी के साथ आश्रम आए थे। उन्होंने बाबा से कुछ चमत्कार दिखाने की बात कहते हुए चैलेंज किया। बाबा को यह बात इतनी नागवार गुजरी की अपने गुंडों से हमला करवा दिया। मारपीट करने के बाद उन्हें धक्के मारकर परिवार समेत आश्रम से बाहर निकाल दिया गया। इस वारदात के बाद सोशल मीडिया में मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था। इस प्रकरण की जांच कर रहे बिधनू थाने के उपनिरीक्षक अरविंद सिंह बुधवार रात आश्रम पहुंचे। जहां आश्रम के सीसीटीवी कक्ष से उन्हें कोई साक्ष्य नहीं मिल पाया। सीसीटीवी कैमरे की देखरेख करने वाले कर्मचारी ने जानकारी दी है कि 15 दिन का ही यहां बैकअप रहता है। यह वारदात एक माह पुरानी है जिससे अब वहां से कोई मारपीट का साक्ष्य नहीं मिल सका। हालांकि पुलिस पीड़ित चिकित्सक को भी जांच के लिए कानपुर बुलाएगी।

बिहार के रोहतास में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, 3 घायल

पटना, (हि.स.)। बिहार में रोहतास जिले के दरिहट थाना क्षेत्र अन्तर्गत डेहरी-नासरगंज स्टेट हाइवे पर बेरकप गांव के पास गुरुवार को कंटेनर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई, जबकि अन्य दो सवार समेत तीन घायल हो गए। घायल का इलाज डेहरी के अदरी देवी मेमोरियल एवं सानवी नर्सिंग अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दरिहट थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव से तीन युवक बाइक पर सवार होकर डेहरी आ रहे थे, इस क्रम में वे जैसे ही बेरकप गांव के पास पहुंचे बाइक और विपरीत दिशा से आ रहे कंटेनर में सीधी टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार शिव कुमार भुईया की मौके पर मौत हो गई। जबकि लाला भुईयां एवं शिवा कुमार भुईंया गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क किनारे खड़ा एक अन्य व्यक्ति स्वामी नाथ भुईयां भी कंटेनर की चपेट में आ घायल हो गया। सभी घायलों को डेहरी के अदरी देवी मेमोरियल एवं सानवी नर्सिंग अस्पताल लाया गया है। जहां इलाज चल रहा है। मृतक और बाइक सवार घायल डेहरी में मजदूरी का काम करता था।

मृतक एवं एक अन्स घायल शिवा कुमार इंद्रपुरी थाना चेत्र के नावाडिह गांव के निवासी बताए जाते है। जबकि एक अन्य घायल औरंगाबाद जिले के बघोरी बीघा गांव का रहने वाला है। तीनो चैनपुर में रह मजदूरी कर जीवन-यापन कर रहे थे। इसी क्रम में आज भी मजदूरी करने आ रहे थे, इस क्रम में दुर्घटना के शिकार हो गए। घटना के बाद जुटे ग्रामीणों ने डेहरी-नासरीगंज स्टेट हाइवे को आगजनी करते हुए शव के साथ जाम कर दिया है। मौके पर तीन थानों दरिहट थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, डालमियानगर थानाध्यक्ष गौतम कुमार एवं अकोढ़ीगोला थानाध्यक्ष शशि भूषण और पुलिस बल कैंप कर रही है। दरिहट थानाध्यक्ष ने बताया कि कंटेनर एचआर 38यू- 7498 को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेज दिया गया है।

बिहार की दयनीय स्थिति बदलने के लिए जनोदय का शंखनाद

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के पुनरुत्थान के लिए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की धरती बेगूसराय के बीहट में जनोदय बिहार अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत पूरे बिहार में लोगों को जागरूक किया जाएगा। अभियान की शुरूआत में बिहार के दो सुप्रसिद्ध लोगों को सम्मानित किया गया। जिसमें पहले थे मीडिया के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार रामनाथ गोयनका पुरस्कार प्राप्त धीरज कुमार एवं लेखनी के क्षेत्र में अपने कलम का जौहर दिखा रहे दीपक कुमार। जिनका जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में भी कर चुके हैं। कार्यक्रम में 22 अलग-अलग जिलों के युवा और ग्राम रक्षा दल के साथ कई अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। जनोदय का उद्देश्य बिहार की जनता में आत्मविश्वास और नेतृत्व का भाव जागृत करना है। जनता अपनी समस्याओं का निदान करने के लिए नेताओं और अफसरों को जवाबदेह बनाएं। जनोदय के संस्थापक प्रियम रंजन ने कहा कि बाकी भारत की तुलना में आज बिहार की जो स्थिति है, उसको सुधारने के लिए अगर हम खुद आगे नहीं आए तो स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। बिहार के पुनरुदय के लिए बिहार के आम जन मानस का उदय आवश्यक है। यह अभियान इसी लक्ष्य के साथ चलाया जाएगा कि बिहार का हर निवासी अपने राज्य की जिम्मेदारी लेने के लिए जागरूक हो। जनोदय बिहार के माध्यम से बिहार के वर्तमान स्थिति पर जिले के प्रमुख लोगों ने अपनी बात रखी।

योगी सरकार ने पिछले छह वर्षों में साढ़े पांच लाख युवाओं को दी सरकारी नौकरी

- मुख्यमंत्री ने कहा- किसी अभ्यर्थी के साथ नहीं हुआ कोई भेदभाव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक भवन सभागार में ई-अधियाचन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में अधिकारी वर्ग में चयनित 496 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले छह साल में साढ़े पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी पूरी पारदर्शिता के साथ दी है। किसी अभ्यर्थी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में युवाओं के समक्ष नौकरी एवं रोजगार की संभावनाएं हैं। आज युवाओं को उत्तर प्रदेश के बारे में बताने में गौरव की अनुभूति होती है। छह वर्ष पहले यहां विकास के कार्य में माफिया हावी होते थे। यहां पर प्रशासन में ट्रांसफर-पोस्टिंग तास के पत्तों की तरह होती थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में पिछले छह वर्षों में कोई दंगा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक तरफ पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है, दूसरी तरफ निवेश के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने का काम किया जा रहा है। पांच लाख से अधिक युवाओं को अपना स्टार्टअप लगाने के लिए सरकार ने प्रोत्साहित किया है। प्रदेश के युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ने में इन्वेस्टर समिट सहायक होगी। आदित्यनाथ ने कहा कि जनपद स्तर पर अभ्युदय कोचिंग शुरू की जाएगी। किसी भी नागरिक के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। शासन से मिलने वाली योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को मिलनी चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह और औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री आज उप्र माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद और उप्र माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय के भवन निर्माण के संबंध में प्रस्तुतीकरण बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण की कार्य योजना के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन करेंगे। इसके बाद योगी शाम 07 बजे उत्तर प्रदेश नगर नियोजन और विकास अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के संबंध में प्रस्तुतीकरण बैठक में हिस्सा लेंगे।

एसएसपी ने तीन फरार अभियुक्तों पर पुरस्कार घोषित किया

- एक पर 10 और दो अभियुक्तों पर 15-15 हजार रुपये की रखी गई इनामी राशि

गोरखपुर, (हि.स.)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डा. गौरव ग्रोवर ने फरार चल रहे तीन अभियुक्तों पर गुरुवार को पुरस्कार घोषित किया है। तीनों काफी दिनों से फरार चल रहे हैं। इनमें एक अभियुक्त पर 10 हजार और दो अभियुक्तों पर 15-15 हजार का इनाम रखा गया है। ये तीनों अपराधी थाना खोराबार और गोरखनाथ में पंजीकृत अभियोगों में फरार हैं। पहला अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र राजेन्द्र है। यह नौगांवा भटौली बुजुर्ग, थाना गौरी बाजार, जिला गोरखपुर का निवासी है। इस पर वर्तमान में मुकदमा अपराध संख्या 602/2022 में भारतीय दंड विधान की धारा 366, 376, 506 में थाना खोराबार से फरार है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 10 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है। दूसरा अभियुक्त हिमांशु सामान्त उर्फ अंसुल पुत्र राकेश, निवासी नाना कुटीर शनि मन्दिर के सामने हुमायुंपुर उत्तरी थाना गोरखनाथ में पंजीकृत है। वर्तमान में यह मुकदमा अपराध संख्या 136/2019 में भारतीय दंड विधान की धारा 419, 467, 468, 471, 474,120बी व 22 साहूकारी अधिनियम में निरुद्ध है। यह थाना गोरखनाथ में फरार चल रहा है। इसकी गिरफ्तारी के लिए 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। तीसरा अभियुक्त राकेश सामान्त पुत्र बांके बिहारी सामंत, निवासी नाना कुटीर शनि मन्दिर के सामने हुमायुंपुर उत्तरी थाना गोरखनाथ का रहने वाला है। यह वर्तमान में मुकदमा अपराध संख्या 136/2019 में भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 467, 468, 471, 474, 120बी व 22 साहूकारी अधिनियम थाना गोरखनाथ में फरार है। पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए भी 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है।

मुख्यमंत्री का हुआ है अपमान, गडकरी के कार्यक्रम में हम नहीं जाएंगे : मंत्री

रांची, (हि.स.)। झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यक्रम में मैं नहीं जा रहा हूं। क्योंकि, केंद्र सरकार ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। जिस राज्य में योजनाओं का शिलान्यास है, उसी राज्य के मुख्यमंत्री को आमंत्रित नहीं किया जाना, विज्ञापन में नाम नहीं होना बेहद गंभीर मसला है। उन्होंने कहा कि पहले सरकार के प्रतिनिधि के रूप में मैं शामिल होने वाला था लेकिन अब नहीं शामिल हूंगा। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को गडकरी झारखंड में हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास करने वाले हैं। जमशेदपुर के बाद रांची में भी शाम में उनका कार्यक्रम है।

सम्राट चौधरी को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता सम्राट चौधरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। बेगूसराय से कार्यकर्ता उनके पटना आवास पर जाकर बधाई देने के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी बधाई दे रहे हैं। बेगूसराय के सांसद-सह-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा, बेगूसराय भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, बेगूसराय के विधायक कुंदन कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, निवर्तमान जिलाध्यक्ष राजकिशोर सिंह, कुंदन भारती, कृष्ण मोहन पप्पु, सुमित सन्नी, मृत्युंजय वीरेश, सुनील कुमार, निरंजन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कार्यकर्ताओं ने कहा है कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार प्रदेश भाजपा नई ऊंचाइयों को छुएगा। पार्टी आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में विजय पताका लहराएगी। सम्राट चौधरी के रूप में बिहार भाजपा को नया कप्तान मिला है जो भाजपा को बिहार में और बुलंदियों पर पहुंचाएंगे। आने वाले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अब कमर कस चुकी है और नरेन्द्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने को लेकर कटिबद्ध हैं।

भाजपा मीडिया सेल के प्रदेश संयोजक-सह-बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने जानकारी मिलते ही सम्राट चौधरी के पटना स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी। कुंदन कुमार ने कहा कि सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कार्यकताओं में उत्साह एवं जोश है। इनके नेतृत्व में बिहार भाजपा नई ऊंचाई हासिल करेगी।

स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में 25 मार्च को निकालेंगे पथ संचलन

मऊ, (हि.स.)। भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष में 25 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मऊ नगर के स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन का कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इस दौरान स्वंयसेवक पूर्ण गणवेश में होंगे। कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को पदाधिकारियों ने बैठक की और तैयारियों पर चर्चा की। संघ द्वारा निश्चित स्थान शीतल माता मन्दिर पर एकत्रित होकर पथ संचलन करने का निर्णय लिया गया है। नगर कार्यकारणी और अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता बंधुओं द्वारा इसमें भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों के घर-घर जाकर उनको गणवेश में संचलन में प्रतिभाग करने का आग्रह किया जा रहा है। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए नगर के प्रत्येक स्वयंसेवक व विचार परिवारों से संचलन करते स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा व स्वागत द्वार बनाकर क्षे स्वागत के तैयारी की जा रही है। जिला प्रचारक राममोहन ने इस सम्बंध में बताया कि 25 मार्च को स्वयंसेवकों से पूर्ण गणवेश के साथ पथ संचलन में प्रतिभाग करने की अपील की गई है। बताया कि इस पथ संचलन को भव्य बनाने के लिए नगर के सभी शाखाओं, बस्ती प्रमुखों और अनुषांगिक संगठनों के स्वयंसेवकों द्वारा नगरवासियों को जागृति करने के लिए घरों पर ओम अंकित पताका, एक-दूसरे को बधाई देने, पुष्प वर्षा और स्वागत द्वार बनाने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सभी शाखाओं के मुख्य शिक्षक, शाखा कार्यवाह और अनुषांगिक संगठनों के प्रमुखों ने सहभागिता की।

सदन में मुख्यमंत्री ने नियोजन नीति सहित कई मुद्दों पर खुलकर रखी बात

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के बजट के सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन में नियोजन नीति और सरकार की योजनाओं सहित कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात रखी। विधानसभा में अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कई सवालों किए हैं। मैंने भी कहा था कि इसका जवाब दूंगा। हालांकि, इस दौरान हंगामा भी चलता रहा। मुख्यमंत्री ने सदन में सभी सदस्यों को सरहुल, रामनवमी, रमजान की शुभकामनाएं दी। साथ ही विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि मैं समझ नहीं पा रहा कि हम अमृत काल में खड़े हैं या आपातकाल में। कहावत है कि सियार शेर का खाल पहन लेने से वह शेर नहीं होगा, यही हाल विपक्ष का है। उन्होंने विपक्ष के विरोध पर कहा कि लोकसभा सत्ता पक्ष की वजह से नहीं चल रहा। सदन में नोक-झोंक टीका-टिप्पणी होती रहती है। यह आम बात है। हंसी-मजाक भी होता है। कई गंभीर बातें भी आती है। विपक्ष को अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात सच है कि सरकार बहुमत से चलती है लेकिन सदन सहमति से चलता है। 1932 खतियान या नियोजन नीति की बात कर रहे हैं लेकिन भाजपा के सदस्य 1932 के विरोध में हाई कोर्ट में जाते हैं। वहीं, 1932 का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा पहले बताए कि ये 1932 के समर्थक हैं या 1985 के। देश विषम दौर से गुजर रहा है। इन लोगों ने कई पोस्टर लगाए, जिसमें देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री का फोटो लगा है। आजादी के बाद पहली बार निर्लज्ज व्यवस्था दिख रही है। यह भारत का आजादी के बाद पहली बार ऐसी स्थिति है। ऐसे में देश विश्व गुरु कैसे बनेगा। जब हम झारखंड के लोगों के लिए थर्ड और फार्थ ग्रेड की नौकरी के लिए कानून बनाते हैं तो यही लोग विरोध करते हैं। यह ढोंगी लोग है। वर्तमान सरकार ना राज्य में किसी की जातपात पर राजनीति करती है ना इन्हें अलग ढंग से देखते हैं। मां को सबसे अधिक अपने कमजोर बच्चे की चिंता रहती है। हमारी भी यही सोच रही है। ये राजनीतिक, आर्थिक स्तर पर ताकतवर हैं और यह आदिवासियों को कैसे पीछे किया जाए इस पर इनका ध्यान रहता है। आज जो परिस्थिति है राज्य सरकार को केंद्र पर निर्भर रहना पड़ता है। हेमंत सोरेन ने कहा कि आज जिस तरह व्यवस्था चल रही है आने वाला समय बेहतर संकेत नहीं है। राज्य सरकारों को भिखमंगा बनाकर रख दिया है। महंगाई में रॉकेट का इंजन लग गया है, यह ठहर नहीं रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमत आसमान पर है। आज कहीं पर भी एक भी जगह बता दें जहां गरीब, किसान, मजदूर को राहत दिया हो। ये हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में चढ़ाने की बात करते थे। सारे हवाई अड्डे बेच दिए। पांच रुपये का प्लेटफॉर्म टिकट सौ रुपये का हो गया। अगर इनके बजट में देखेंगे तो किसान सम्मान निधि का बजट घटा दिया गया है। किसान सम्मान निधि को 75 हजार करोड़ से घटाकर 65 हजार करोड़ कर दिया। चंद लोगों की मुट्ठी में यह देश है। आज विपक्ष जोरदार हमला कर रहा है तो संवैधानिक संस्थाओं को दुरुपयोग कर उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। हेमंत सोरेन ने कहा कि अमृतकाल में कौन हैं जो अमृत पी रहे हैं। आज भी लोग जिल्लत की जिंदगी जी रहे हैं। यह कैसा अमृत काल है। इन लोगों ने सरकार आते ही देश में ऐसे-ऐसे कारनामे किए हैं कि ना किसान, ना मजदूर, ना व्यापारी अपने पैरों में खड़े नहीं हो पा रहा। पांच वर्षों में 76 प्रतिशत एमएसएमई को कोई मुनाफा नहीं हुआ आमदनी घट गयी। आज देश में 45 करोड़ बेरोजगार हो गये हैं। ऐसा लगता है दो-पांच व्यापारी ही विधान बन गये हैं। दस लाख करोड़ से अधिक इन्होंने अपने व्यापारियों साथियों का कर माफ कर दिया। देश का साथ मात्र 31 लोगों के साथ है। लोगों की आमदनी बढ़ी नहीं, घट रही है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा बेरोजगारी इस सरकार के कार्यकाल में हुआ है। केंद्र के भाजपा के कार्यकाल में 12 हजार से अधिक व्यापारियों ने आत्महत्या कर ली। व्यापारी साथियों का 10 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज उन्होंने माफ कर दिया। ऐसे में देश कैसे बचेगा। बहुत पहले एक कहावत सुना था, ना खाऊंगा, न खाने दूंगा लेकिन आज देश में स्थिति यह है कि न काम करूंगा, न काम दूंगा। झारखंड में अपने कारनामे से डबल से सिंगल इंजन पर आ गए हैं। वह दिन दूर नहीं जब यह लोग देश से ही समाप्त हो जाएंगें। कोयला में एक लाख 12 हजार करोड़ भारत सरकार के पास बकाया है। जब पैसा मांगों तो ईडी, सीबीआई लगा देते हैं। रसोई गैस की कीमत दोगुना किसने किया। दाल-चावल का दाम किसने बढ़ाया। इन लोगों ने तो एलआईसी को भी बेच दिया। अब सरकारी कर्मचारी भी जिनका पैसा एलआईसी में है, वह डर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल पूछने के लहजे में कहा कि गरीबों का कंबल किसने लूटा, इनसे पूछा जाए। सीएनटी-एसपीटी एक्ट को बदलने का काम किसने किया। यही लोग कहते थे कि झारखंड के लोगों में नौकरी पाने की योग्यता नहीं है। हाथी उड़ाने का काम किसने किया। सीपी सिंह ने हरमू नदी को हरमू नाला बना दिया। 20 वर्षों में तपोवन मंदिर के जीर्णोद्धार करने का काम नहीं किया, हमने किया। हम राज्य के कर्मियों की गाढ़ी कमाई को शेयर बाजार में लूटने के लिए नहीं छोड़ना पड़ा। अभी तो एक राज्य से हाथ धोया है। वह दिन दूर नहीं जब पूरे देश से इन्हें हाथ धोना पड़ेगा।

संपादकीय

नौ देशों में भूकंप

एक भूकंप ने भारत समेत नौ देशों को कंपा कर रख दिया। हालांकि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 133 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व हिंदुकुश का पहाड़ी इलाका था। भूकंप की धरती के भीतर गहराई काफी थी, नतीजतन उसके व्यापक कंपन महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 6.6 बताई जा रही है, लेकिन यह चीन, पाकिस्तान, तजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान आदि देशों के विभिन्न इलाकों में ज्यादा भी हो सकती है। भारत की राजधानी दिल्ली में इतनी तीव्रता का और ज्यादा समय का भूकंप पहली बार महसूस किया गया है। भूकंप के अचानक झटके रात्रि 10.20 बजे के करीब महसूस किए गए, जब घर के फर्श हिलने लगे, पलंग हिलने लगा और बंद पंखा भी डोलने लगा। भयभीत और बदहवास लोग घरों को छोड़ कर खुले में आ गए। दिल्ली के अलावा, करीब दर्जन भर राज्यों में भूकंप से धरती कांप उठी। भूकंप खौफनाक और विध्वंसक इसलिए लगता है, क्योंकि दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम आदि में लोग बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं। आबादी का घनत्व काफी है और लोगों को संकीर्ण ज़िंदगी जीनी पड़ती है। कल्पना कीजिए कि भूकंप के झटके शुरू हो जाएं और लोगों को 20, 22, 15वीं मंज़िल से सीढियों के जरिए उतर कर खुले मैदान तक आना हो, तो सब कुछ राम-भरोसे है। इतनी देर में तो भूकंप इमारतों को ज़मींदोज कर सकता है। बहरहाल भूकंप अब हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। उनकी पुनरावृत्ति जल्दी-जल्दी होने लगी है। दिल्ली में यमुना नदी के किनारे पर बसे इलाके भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है कि अफगानिस्तान भूकंप का केंद्र हो और उत्तरी भारत के राज्य कांपने लगें। 2015 में जब नेपाल में 7.5 तीव्रता का भयावह और विनाशकारी भूकंप आया था, तो उसके करीब छह माह बाद उत्तरी भारत में भी कंपन महसूस किए गए थे। भूकंप के वे झटके अफगानिस्तान के लगभग इसी हिस्से में आए थे। जनवरी, 2018 में भी लगभग ऐसा ही हुआ था। इन तमाम संदर्भों में भूकंप धरती के भीतर 150 किलोमीटर से अधिक गहरा आंका गया। भूकंप विशेषज्ञों के मुताबिक, देर तक भूकंप के झटके इसलिए महसूस किए गए, क्योंकि इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है। भूकंप की दृष्टि से हिंदुकुश इलाका बेहद संवेदनशील है। चूंकि भूकंप का केंद्र राजधानी दिल्ली से करीब 1000 किलोमीटर दूर था और भूकंप की गहराई भी ज्यादा थी, लिहाजा कंपन दूर तक महसूस किए गए। ऐसी स्थितियों में नुकसान की आशंकाएं कम होती हैं। फिर भी बहुमंजिला इमारतों में रहने वालों को झटके ज्यादा महसूस हुए और कम ऊंचाई पर रहने वालों को हल्के झटके महसूस हुए। भूकंप 21वीं सदी में भी अनिश्चित हैं। इनकी कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। अलबत्ता भूकंप संवेदी इलाकों का वर्गीकरण किया जा सकता है कि कहां भूकंपों की ज्यादा संभावनाएं हो सकती हैं। अलबत्ता आईआईटी और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों के स्तर पर ऐसे अनुसंधान जारी हैं, जिनसे भूकंप के बारे में निश्चित जानकारी दी जा सकेगी। ये जानकारियां कितनी सटीक होंगी, यह अनुसंधान के ठोस निष्कर्षों पर ही आधारित हो सकता है। अभी दुनिया ने तुर्किए के भूकंपों को देखा और महसूस किया है। तुर्किए तो भूकंप के ढेर पर बसा देश है, लिहाजा वहां बार-बार धरती हिलती है और विनाश होता है। जिस तरह तुर्किए में एक के बाद एक झटके महसूस किए गए, वैसा मौजूदा भूकंप में नहीं था। बुनियादी सरोकार यह है कि कई स्तरों पर अनुसंधान किए जाएं, ताकि भूकंप की अनिश्चितता समाप्त हो सके।

> भूकंप खौफनाक और विध्वंसक इसलिए लगता है, क्योंकि दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम आदि में लोग बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं। आबादी का घनत्व काफी है और लोगों को संकीर्ण ज़िंदगी जीनी पड़ती है। कल्पना कीजिए कि भूकंप के झटके शुरू हो जाएं और लोगों को 20, 22, 15वीं मंज़िल से सीढ़ियों के जरिए उतर कर खुले मैदान तक आना हो, तो सब कुछ राम-भरोसे है। इतनी देर में तो भूकंप इमारतों को ज़मींदोज कर सकता है। बहरहाल भूकंप अब हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। उनकी पुनरावृत्ति जल्दी-जल्दी होने लगी है। दिल्ली में यमुना नदी के किनारे पर बसे इलाके भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है कि अफगानिस्तान भूकंप का केंद्र हो और उत्तरी भारत के राज्य कांपने लगें।

छोटे किसानों के लिए खेती यूं भी फायदे का धंधा नहीं है

कृषि और उद्योग में संतुलन आवश्यक

> आम जनता को किसानों की समस्याओं का अंदाज़ा नहीं है और हमारे नीति निर्धारक किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। कभी सूखा, कभी अकाल, कभी ओलावृष्टि और कभी बाढ़ किसानों की फसल को बर्बाद कर डालते हैं। तेज बारिश के समय फसल खराब होने के साथ-साथ किसानों और मजदूरों के कच्चे घर भी टपकने लगते हैं या ढह जाते हैं। अधिकांश छोटे किसान इस नुकसान को झेल नहीं पाते क्योंकि वे पहले से ही कर्ज में दबे होते हैं। कृषि संकट में आत्महत्याओं के ज्यादातर मामले नकदी फसलों से जुड़े किसानों के हैं। जब तक फसल किसान के पास रहती है, उसके दाम बहुत कम होते हैं लेकिन बाजार में पहुंचने के तुरंत बाद दाम बढ़ जाते हैं। नकदी फसलों से जुड़े किसान भी अपनी जरूरत का खाद्यान्न बाजार से खरीदते हैं जो उन्हें महंगे भाव पर मिलता है।

बदले हुए मौसम में अचानक आ रही बारिश ने किसानों का गणित बिगाड़ दिया है। अधिकांश किसानों की फसल या तो कटने वाली है या कट चुकी है। इस अनचाही बारिश से शहरों में बेशक राहत महसूस की जाए पर इससे किसानों को जो नुकसान होगा उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था गहरे संकट में आ जाएगी। छोटे किसानों के लिए खेती यूं भी फायदे का धंधा नहीं है। आम जनता को किसानों की समस्याओं का अंदाज़ा नहीं है और हमारे नीति निर्धारक किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। कभी सूखा, कभी अकाल, कभी ओलावृष्टि और कभी बाढ़ किसानों की फसल को बर्बाद कर डालते हैं। तेज बारिश के समय फसल खराब होने के साथ-साथ किसानों और मजदूरों के कच्चे घर भी टपकने लगते हैं या ढह जाते हैं। अधिकांश छोटे किसान इस नुकसान को झेल नहीं पाते क्योंकि वे पहले से ही कर्ज में दबे होते हैं। कृषि संकट में आत्महत्याओं के ज्यादातर मामले नकदी फसलों से जुड़े किसानों के हैं। जब तक फसल किसान के पास रहती है, उसके दाम बहुत कम होते हैं लेकिन बाजार में पहुंचने के तुरंत बाद दाम बढ़ जाते हैं। नकदी फसलों से जुड़े किसान भी अपनी जरूरत का खाद्यान्न बाजार से खरीदते हैं जो उन्हें महंगे भाव पर मिलता है, जिससे वे हमेशा कर्ज से दबे रहते हैं और सूखा या बाढ़ न होने पर भी उनका जीवन आसान नहीं होता। विभिन्न सरकारी नियमों ने धीरे-धीरे खेती को अनुपयोगी और अलाभप्रद बना दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अंधाधुंध प्रचार से प्रभावित किसानों ने आर्गेनिक खेती छोड़ कर विषैली खेती को अपनाया, कुछ समय तक फसल बढ़ती नजर आई पर कुछ ही दशकों में जमीन की उत्पादकता घट गई, पानी का स्तर नीचे चला गया और किसानों के बच्चे अन्य व्यवसायों में जाने के लिए विवश हुए, किसानों की आत्महत्याएं हुईं। कहा यह गया कि कृषि क्षेत्र में नए रोजगार संभव नहीं हैं, इसलिए उद्योग को बढ़ावा देना आवश्यक है। परिणामस्वरूप औद्योगीकरण के लिए पूंजी और संसाधनों को खेती के बजाए उद्योगों में लगा दिया गया। खेती के उत्पाद को कारखानों में बने सामान के मुकाबले कम रखकर ऐसा किया जा रहा है, क्योंकि कृषि लागत और मूल्य आयोग का कीमतें तय करने का फार्मूला ही गलत है। खेती को अकुशल कार्य मानकर यह कहा गया है

कि किसान साल में केवल 160 दिन काम करता है। इस तरह खेती की उपज का हिसाब बनाते समय उसकी मजदूरी कम लगाई जाती है। ट्रैक्टर, कल्टीवेटर, हार्वेस्टर चलाने वाला, मौसम को समझकर खेती के फैसले करने वाला, फसलों की किस्मों और बीजों को समझने वाला, सिंचाई के उपाय करने वाला, पैदावार को बेचने और हिसाब-खाता रखने वाला किसान तो अकुशल है, जबकि सफाई कर्मचारी, ड्राइवर, चपरासी, चौकीदार आदि को कुशल कर्मचारी माना गया है। इन सब को साल में 180 दिन की छुट्टियां मिलती हैं, यानी साल के 185 दिन काम करने के बावजूद पूरे 365 दिन का वेतन, महंगाई भत्ता और सालाना इन्क्रीमेंट मिलती है जबकि किसान को बिना किसी छुट्टी के अपनी फसल की चौकीदारी हर दिन करनी पड़ती है तो भी वह केवल 160 दिन की मजदूरी पाता है और वह भी अकुशल के ठप्पे के कारण कम दाम पर। सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य भी इन्हें नहीं मिलता क्योंकि सरकार खुद फसलों की खरीद करने के बजाय उन्हें दलालों-आढ़तियों के भरोसे छोड़ देती है जो हर तरह से उनका शोषण करते हैं। किसानों की आमदनी घटकर अलाभप्रद हो गई है। बासमती धान हो, कपास हो, गन्ना हो या आलू, टमाटर, सेब और दालें, किसानों को कम पैसे मिल रहे हैं जबकि खुदरा मूल्य बढ़े हैं। इसका दोहरा नुकसान हुआ है। आम जनता की खरीददारी की हैसियत में कमी आई है और किसानों की आर्थिक हालत और ज्यादा बिगड़ी है। इससे न शहरों में पैसा बचा है, न किसानों के पास। दालों के लिए हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता व आयातक है। दुनिया की कुल दाल की खेती के एक-तिहाई भाग में हम दाल की खेती करते हैं। दुनिया के दाल उत्पादन का 20 प्रतिशत उत्पादन हमारे यहां होता है। परंतु हमारे नेताओं ने दाल को दूसरे दर्जे का अनाज मानकर इसके विकास पर समुचित ध्यान नहीं दिया। हम गेहूं-चावल में ही लगे रहे और दाल आयात करते रहे। सरकारी उपेक्षा के कारण किसान इस फसल की ओर आकर्षित नहीं हुए क्योंकि लम्बी अवधि की फसल होने के साथ इसमें कीटों व बीमारियों का खतरा अधिक है, अच्छे बीजों की कमी है और बाजार में दालों के खरीददार भी नहीं मिलते। 2008 से सरकार ने दालों के समर्थन मूल्य की घोषणा शुरू तो कर दी परंतु सरकार द्वारा खरीद न करने के कारण किसान को व्यापारियों पर ही आश्रित रहना पड़ता है। विवश होकर किसान दलहन की फसलों से किनारा करते रहे। नतीजतन दलहन की खेती में वैसी बढ़ोत्तरी नहीं हुई जिसकी आवश्यकता है। सरकारी नियमों में इतने सारे झोल हैं कि चौतरफा कार्यवाही के बिना इस समस्या का पार पाना संभव नहीं है। यह कोई अजूबा नहीं है कि सब्जी मंडी में मूली का भाव एक रुपये किलो हो और मंडी के गेट के बाहर वही मूली दस रुपये किलो के भाव बिक रही हो। केंद्र सरकार इसे राज्य सरकार का मामला बताती है और राज्य सरकार इसका दोष पूरे देश की मार्केटिंग व्यवस्था पर मढ़ देती है। यही कारण है कि खेती घाटे का धंधा बन गई है। स्पष्ट है कि फसल बीमा योजना और रियायती कृषि ऋण तथा कभी-कभार मिलने वाले कुछ मुआवजे, यहां तक कि कर्ज माफी आदि भी काफी नहीं हैं और इस स्थिति से उबरने के लिए कृषि क्षेत्र की समस्याओं और चुनौतियों को बारीकी से समझने तथा उनसे निपटने के लिए योजनाबद्ध कार्य की आवश्यकता है। खेती और किसानी के लाभ के नाम पर जो तीन कानून बनाए गए थे उसमें झोल ही झोल थे, और किसानों के विरोध के कारण सरकार को ये कानून वापस लेने पड़े। यह समझना भी आवश्यक है कि कृषि के पक्ष की बात करने का मतलब यह नहीं है कि हम उद्योगों के विरुद्ध हो जाएं। सच तो यह है कि यदि आप विश्व की सौ सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों की सूची बनाएं तो पहले 63 स्थानों पर भिन्न-भिन्न देशों का नाम आता है और शेष 37 स्थानों पर आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट तथा पेप्सिको जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। विश्व के शेष देश भी इन कंपनियों से बहुत छोटे हैं।

आजादी के नायक और अमृत महोत्सव

> युवा पीढ़ी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के इतिहास को कभी न भूले। ये क्रांतिकारी नेता भारतीय समाज के लिए वह आदर्श हैं जिन्होंने अपनी अल्पायु में भारत को आजाद करवाने के लिए खुशी-खुशी फांसी चूम ली। आज हमें ऐसे क्रांतिकारी नेताओं के इतिहास को ढपना चाहिए। 23 मार्च के दिन देश और दुनिया की कई महत्वर्पूण घटनाएं दर्ज हुई हैं, लेकिन भगत सिंह व उनके साथी राजगुरु और सुखदेव को फांसी दिया जाना भारत के इतिहास में दर्ज सबसे बड़ी महत्वर्पूण घटनाओं में से एक है।भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इस दिन को कभी भी नहीं भुलाया जा सकता है।अगर आज हम नौजवान युवा पीढ़ी को देखें तो वह ऐसे वीर युवाओं के इतिहास से अनभिज्ञ है। हमारी सरकारें भी उसी घिसे-पिटे इतिहास को रटाती हैं। बाबर, औरंगजेब, हुमायूं और गजनवी जैसे आक्रांताओं का इतिहास पढ़ाया जाता है, जिन्होंने भारत को कोई दिशा नहीं दी बल्कि भारत को लूटा, सोने की चिड़िया कहे जाने वाले देश को गुलाम बना दिया। उस इतिहास को जानने की जरूरत है जिसमें युवाओं ने अपना बलिदान दिया है।

भारत में आजादी के 75 वर्षों के अवसर पर सभी ओर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, लेकिन यह आजादी मिली कैसी जो आज हम इस महोत्सव को मना रहे हैं? इस आजादी के अमृत महोत्सव को वर्तमान परिदृश्य में मनाने तक के सफर में न जाने कितने युवा, क्रांतिकारी व सेनानियों ने अपने प्राण न्यौछावर किए हैं जिनके प्राणों की आहुति से आज अमृत महोत्सव मनाए जा रहे हैं। ऐसे ही बलिदानियों में शुमार हैं भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव जो ऐसी उम्र में फांसी पर चढ़ गए जिस उम्र में आजकल युवाओं को अपने अच्छे या बुरे का बोध तक नहीं होता। युवा पीढ़ी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के इतिहास को कभी न भूले। ये क्रांतिकारी नेता भारतीय समाज के लिए वह आदर्श हैं जिन्होंने अपनी अल्पायु में भारत को आजाद करवाने के लिए खुशी-खुशी फांसी चूम ली। आज हमें ऐसे क्रांतिकारी नेताओं के इतिहास को पढना चाहिए। 23 मार्च के दिन देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हुई हैं, लेकिन भगत सिंह व उनके साथी राजगुरु और सुखदेव को फांसी दिया जाना भारत के इतिहास में दर्ज सबसे बड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इस दिन को कभी भी नहीं भुलाया जा सकता है। अगर आज हम नौजवान युवा पीढ़ी को देखें तो वह ऐसे वीर युवाओं के इतिहास से अनभिज्ञ है। हमारी सरकारें भी उसी घिसे-पिटे इतिहास को रटाती हैं। बाबर, औरंगजेब, हुमायूं और गजनवी जैसे आक्रांताओं का इतिहास पढ़ाया जाता है, जिन्होंने भारत को कोई दिशा नहीं दी बल्कि भारत को लूटा, सोने की चिडिया कहे जाने वाले देश को गुलाम बना दिया। उस इतिहास को जानने की जरूरत है जिसमें युवाओं ने अपना बलिदान दिया है। अपने बलिदान से भारत की धरती को सींचा है तो ऐसे नौजवानों के बलिदान को वर्तमान पीढ़ी जो है वह कभी भी नहीं भुला सकती। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव भारत के वे सच्चे सपूत थे जिन्होंने अपनी देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर कर गए। 23 मार्च यानी देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों को हंसते-हंसते न्यौछावर करने वाले तीन वीर सपूतों का शहीदी दिवस। यह दिवस न केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी होने के गौरव का अनुभव कराता है, बल्कि वीर सपूतों के बलिदान को भीगे मन से श्रद्धांजलि देता है। उन अमर क्रांतिकारियों के बारे में आम मनुष्य की वैचारिक टिप्पणी का कोई अर्थ नहीं है। उनके उज्ज्वल चरित्रों को बस याद किया जा सकता है कि ऐसे मानव भी इस दुनिया में हुए हैं जिनके आचरण किंवदंति हैं। भगत सिंह ने अपने अति संक्षिप्त जीवन में वैचारिक क्रांति की जो मशाल जलाई, उनके बाद अब किसी के लिए संभव न होगी। 'आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचार को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।' बम फेंकने के बाद भगत सिंह द्वारा फेंके गए पर्चों में यह लिखा था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने नौजवानों में पैदा कर दी थी स्वतंत्रता के प्रति दीवानगी। जब अंग्रेजों के अत्याचारों से त्रस्त हमारे देश में चारों ओर हाहाकार मची हुई थी तो ऐसे में इस वीर भूमि ने अनेक वीर सपूत पैदा किए जिन्होंने अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने की खातिर हंसते-हंसते देश की खातिर प्राण न्यौछावर कर दिए। इन्हीं में तीन पक्के क्रांतिकारी दोस्त थे शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव। इन तीनों ने अपने प्रगतिशील और क्रांतिकारी विचारों से भारत के नौजवानों में स्वतंत्रता के प्रति ऐसी दीवानगी पैदा कर दी कि अंग्रेज सरकार को डर लगने लगा था कि कहीं उन्हें यह देश छोड़ कर भागना न पड़ जाए। तीनों ने ब्रिटिश सरकार की नाक में इतना दम कर दिया था जिसके परिणामस्वरूप उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 24 मार्च 1931 को तीनों को एक साथ फांसी देने की सजा सुना दी गई। इनकी फांसी की बात सुनकर लोग इतने भडक़ चुके थे कि उन्होंने भारी भीड़ के रूप में जेल को घेर लिया था। अंग्रेज इतने भयभीत थे कि कहीं विद्रोह न हो जाए। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने एक दिन पहले यानी 23 मार्च 1931 की रात को ही भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दे दी और चोरी-छिपे उनके शवों को जंगल में ले जाकर जला दिया। जब लोगों को इस बात का पता लगा तो वे गुस्से में उधर भागे आए। अपनी जान बचाने और सबूत मिटाने के लिए अंग्रेजों ने उन वीरों की अधजली लाशों को बड़ी बेरहमी से नदी में फिंकवा दिया। छोटी उम्र में आजादी के दीवाने तीनों युवा अपने देश पर कुर्बान हो गए। आज भी ये तीनों युवा पीढ़ी के आदर्श हैं। इन तीनों की शहादत को पूरा संसार सम्मान की नजर से देखता है और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जहां एक ओर भगत सिंह और सुखदेव कालेज के युवा स्टूडैंट्स के रूप में भारत को आजाद कराने का सपना पाले थे, वहीं दूसरी ओर राजगुरु विद्याध्ययन के साथ कसरत के काफी शौकीन थे और उनका निशाना भी काफी तेज था। वे सब चंद्रशेखर आजाद के विचारों से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने क्रांतिकारी दल में शामिल होकर अपना विशेष स्थान बना लिया था। इस क्रांतिकारी दल का एक ही उद्देश्य था, सेवा और त्याग की भावना मन में लिए देश पर प्राण न्यौछावर कर सकने वाले नौजवानों को तैयार करना। लाला लाजपत राय जी की मौत का बदला लेने के लिए 17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह और राजगुरु ने अंग्रेज अफसर सांडर्स पर गोलियां चलाईं और वहां से भाग निकले। हालांकि वे रक्तपात के पक्ष में नहीं थे लेकिन अंग्रेजों के अत्याचारों और मजदूर विरोधी नीतियों ने उनके भीतर आक्रोश भडक़ा दिया था। अंग्रेजों को यह जताने के लिए कि उनके अत्याचारों से तंग आकर पूरा भारत जाग उठा है, भगत सिंह ने केंद्रीय असैंबली में बम फैंकने की योजना बनाई। वह यह भी चाहते थे कि किसी भी तरह का खून-खराबा न हो। इस काम के लिए उनके दल की सर्वसम्मति से भगत सिंह व बुटकेश्वर दत्त को चुना गया। कार्यक्रम के अनुसार 8 अप्रैल 1929 को केंद्रीय असैंबली में ऐसी जगह बम फैंके गए थे जहां कोई मौजूद नहीं था। भगत सिंह चाहते तो वहां से भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने वहीं अपनी गिरफ्तारी दी। 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए उन्होंने कई पर्चे हवा में उछाले थे ताकि लोगों तक उनका संदेश पहुंच सके। शहीदी दिवस पर पूरा देश आजादी के इन नायकों को नमन करता है।

कुछ अलग

परिवर्तन सियासत तक

अपने छोटे से सफर के लंबे कदम गिनते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सौ दिनों के हिसाब में अपने इरादों की पारी को साझा किया है। जनता और सरकार की साझेदारी में कुछ कड़वे घूंट, कुछ मीठे पकवान और कुछ हकीकत के चूल्हे पर उबलते प्रश्नों के साथ मुख्यमंत्री ने अपने आर्थिक नजरिए, सुशासन की पद्धति, राजनीतिक कौशल, प्रभावशाली दक्षता और समय की भूमिका में स्थापित होने की प्रमाणकिता बताई है। यह तो कहना पड़ेगा कि सुक्खू सरकार निर्णायक, आत्मविश्वास और लीक से हटकर अपने हिसाब के चिन्ह व प्रतीक खड़े कर रही है। इसका अर्थ केवल व्यवस्था परिवर्तन में ही नहीं मिलेगा, बल्कि राजनीतिक परिवर्तन में भी है। सियासत के जिस द्वार पर नेताओं की महत्त्वाकांक्षा आम तौर पर खड़ी रहती है, वहां से गुजरते मुख्यमंत्री अपने बागीचों की खुशबू बांट रहे हैं। कहीं पदों में सियासत, तो कहीं सरकार की भूमिका में पदों के सृजन में तासीर बदलती राजनीति और सरकार के कद्दावर व्यक्तियों की प्रस्तुति। यह सरकार पेश करना जानती है और इस लिहाज से तमाम फैसले चरणबद्ध तरीके से हिमाचल को आड़ोलित कर रहे हैं, तो कहीं नए आलेप में राहत देने का मंसूबा दर्शा रहे हैं। सरकार की प्रस्तुति में अगर बदलाव हैं, तो सरकार की भूमिका में मंत्रिमंडल के सहयोगियों में भी बदलाव है। कैबिनेट रैंक से सुशोभित और मुख्य संसदीय सचिव जैसे पदों में आगे निकले सत्ता के पार्टनर अपना इतिहास लिख रहे हैं। दरअसल सुखविंदर सुक्खू ने बड़े ही सलीके से सरकार के हस्ताक्षर बदले हैं और जिन्हें हर कार्रवाई के नीचे देख सकते हैं या जो तसदीक करते हैं कि यह मुख्यमंत्री परंपराओं से हटकर और राजनीतिक कुंठाओं से मुक्त होकर बड़े काम के साहसी अंजाम को रचने की हिम्मत रखता है। इसलिए विपक्ष की आलोचना के बावजूद सरकार अपनी मंजिल तक पहुंचने का खाका प्रकट कर रही है। यह कौशल भी माना जा सकता है कि अब तक के फैसलों में सुक्खू सरकार ने कम से कम यह तो बता ही दिया है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, प्रदेश की माटी से सोना निकालने की जिद्द बनी रहेगी। इसीलिए सरकार स्पष्ट है कि उसे चुनावी गारंटियों को किस मिकदार में बांटना है और कहां प्रदेश के मसलों से पंजा लड़ाना है। मुख्यमंत्री कथनी और करनी के भेदभाव से अलग यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि राजनीति की भाषा में लाग लपेट के इतर और बयानबाजी से परे ईमानदारी से कटिबद्ध हुआ जा सकता है। इसीलिए वह सरकार के पांच प्रमुख फ्लैगशिप क्षेत्रों को अनावृत्त करते हैं। पर्यटन, हाइड्रो पावर-ग्रीन एनर्जी, शिक्षा, चिकित्सा और उद्योगों के जरिए वह सरकार और निजी क्षेत्र की साझी हस्ती ही नहीं टटोल रहे, बल्कि स्वरोजगार की हिम्मत में युवाओं को कई अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। ग्रीन राज्य की उमंगों में यहां हिमाचल की तस्वीर केवल पर्यावरणीय फ्रेम नहीं, बल्कि युवाओं की उद्यमशीलता को परवान चढ़ाने की ऐसी कला साबित हो सकती है, जो कल सौर ऊर्जा या ई-वाहनों के जरिए बेरोजगारी को पस्त करने का एक सशक्त माध्यम भी साबित होगी। मुख्यमंत्री दूध की गंगा में रोजगार की डुबकी लगवाने का प्रयास करते हैं, तो पर्यटन की तमाम योजनाओं से युवाओं को आगे बढने का निमंत्रण भी देते हैं। छोटे व्यापार में कम दर के ब्याज से वह ऐसे युवाओं को बढ़ावा देना चाहते हैं, तो कल तराजू पर आत्मनिर्भरता से भरे स्वरोजगार के पक्ष को झुका हुआ देख सकते हैं। सौ दिन की शाबाशी हासिल करना आसान हो सकता है, लेकिन असली परख तो राज्य के बजट को सही साबित करने की रहेगी। योजनाओं को जमीन पर उतारना और राजनीतिक जमीन पर जमे रहने के लिए मुख्यमंत्री ने यह एहसास तो करा ही दिया है कि वह व्यवस्था के साथ राजनीतिक परिवर्तन भी करते रहेंगे। ऐसे में राजनीतिक नियुक्तियों में चढ़े उनकी पसंद के रंग आंतरिक संतुलन का इंद्रधनुष बना देंगे या जिन क्षेत्रों में सियासी महत्त्वाकांक्षा अभी बिखरी पड़ी है, उसे भी संतुलित होने का अवसर मिलेगा। अभी परिवर्तन की मिट्टी को खोदा गया है, लेकिन बीजों को अंकुरित करने के लिए खाद और पानी की अपनी कहानी रहेगी।

नागरिक बोध

अरविंद केजरीवाल ने किया राहुल का समर्थन

सूरत जिले की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ग़ैर बीजेपी नेताओं और पार्टियों पर मुक़दमे करके उन्हें ख़त्म करने की साज़िश हो रही है। उन्होंने आगे कहा, "हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं मगर राहुल गांधी जी को इस तरह मानहानि मुक़दमे में फ़साना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं पर इस निर्णय से असहमत हैं।" सजा के बाद राहुल गांधी ने महात्मा गांधी के शब्दों को ट्वीट कर कहा, "मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।" राहुल गांधी को सजा पर उनकी बहन प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा, "डरी हुई सत्ता की पूरी मशीनरी साम, दाम, दंड, भेद लगाकर राहुल गांधी जी की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। मेरे भाई न कभी डरे हैं, न कभी डरेंगे। सच बोलते हुए जिये हैं, सच बोलते रहेंगे। देश के लोगों की आवाज उठाते रहेंगे। सच्चाई की ताकत व करोड़ों देशवासियों का प्यार उनके साथ है।" राहुल गांधी की सजा पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्हें ज़मानत मिल गई है। ये लोग पहले जज को बदलते गए, हमें अंदाज़ा लग रहा था लेकिन हम कानून में विश्वास रखने वाले लोग हैं। कानून के तहत ही हम लड़ेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की सजा के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि आज न्यायपालिका पर दबाव है... राहुल गांधी की जो टिप्पणी है, ऐसी राजनीतिक टिप्पणी चलती रहती हैं। ऐसी टिप्पणियां अटल जी ने, आडवाणी जी ने पता नहीं कितनी की होंगी। लेकिन पहले इस तरह से मामला दर्ज़ नहीं होता था। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में सही फैसला होगा।

देश दुनीया से

वैज्ञानिक कालगणना और भारतीय अध्यात्म

> भारतीय कालगणना आधुनिक खगोल विज्ञान के लिए भी चमत्कार से कम नहीं। यह इसलिए कि इसका आविष्कार उस समय हुआ था जब दुनिया में अन्यत्र मानव सभ्यता नहीं थी। इस काल का आकलन ईसा पूर्व जैसी परिधि में संभव ही नहीं है। यह कालगणना पृथ्वी के प्रादुर्भाव से प्रारंभ होती है। यह शाश्वत है। चारों युग समाप्त होंगे। नए युगों का चक्र प्रारंभ होगा, लेकिन यह कालगणना तब भी इसी गति से चलती रहेगी। इसमें एक पल का भी अंतर नहीं आएगा। इसके लिए प्रकृति की समझना होगा।

भारतीय नव वर्ष का शुभारंभ प्रकृति की नवचेतना के साथ होता है। वृक्ष नए रूप में पल्लवित होते है। प्रकृति सर्वत्र उत्साह का संचार करती है। मां दुर्गा की उपासना से माहौल भक्तिमय हो जाता है। दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन व वैज्ञानिक कालगणना का आविष्कार भारत में हुआ था। इसमें समय के न्यूनतम अंश का भी समावेश है। प्रलय के बाद भी यह कालगणना निरन्तर जारी रहेगी। प्रासंगिक रहेगी। इसके नववर्ष में प्रकृति भी नए रूप में परिलक्षित होती है। यह संधिकाल आध्यात्मिक ऊर्जा को प्राप्त करने का अवसर होता है। इसमें पाश्चात्य नववर्ष की तरह देररात का हंगामा नहीं होता। भारतीय कालगणना में परमाणु से लेकर कल्प तक का विचार है। इसलिए यह पूर्णतया वैज्ञानिक है। भारतीय नववर्ष का प्रथम दिन अपने में व्यापक संदेश देने वाला होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही पृथ्वी माता का प्रादुर्भाव हुआ। इसी के साथ ब्रह्मा जी ने कालगणना का श्रीगणेश किया। नवरात्रि का प्रथम दिवस मत्स्यावतार, प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक, धर्मराज युधिष्ठिर का राज्य तिलक इसी दिन हुआ था। यह सभी अवसर भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले है। पृथ्वी के प्रादुर्भाव के एक अरब सत्तानबे करोड़ उनतीस लाख उनचास हजार एक सौ बाइस वर्ष हो चुके हैं। इस अवधि में एक पल का भी अंतर नहीं हुआ है। यह भारतीय वैज्ञानिक कालगणना कि विशेषता है। इसकी बराबरी के विषय में दुनिया की अन्य कालगणना कल्पना भी नहीं कर सकती। ईसा पूर्व और ईसा बाद का प्रचलन तथ्य परक नहीं है। प्राचीन भारत के गुरुकुल अनुसंधान के केंद्र हुआ करते थे। कालगणना में क्रमशः प्रहर, दिन-रात, पक्ष, अयन, संवत्सर, दिव्यवर्ष, मन्वन्तर, युग, कल्प और ब्रह्मा की गणना की जाती है। हमारे ऋषियों ने चक्रीय अवधारणा का सुंदर वर्णन किया है। काल को कल्प और मन्वन्तर युग में विभाजित किया गया है। इसमें चार युग -सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग हैं। इनकी चक्रीय व्यवस्था है। अर्थात ये शाश्वत रूप से आते-जाते हैं। इसकी पुनरावृत्ति होती रहती है। इसके अनुरूप इस समय ब्रह्मा की आयु के दूसरे खंड में, श्वेतावाराह कल्प में, वैवस्वत मन्वन्तर में 20वां कलियुग चल रहा है। इस कलियुग की समाप्ति के पश्चात चक्रीय नियम में पुनः सतयुग आएगा। वस्तुतः यह अवधारणा ही प्राकृतिक है। इसमें पिंड व ब्रह्मांड का भी विचार है। अंतर व बाह्य चेतना परम सत्ता से संबंधित है। भारतीय कालगणना आधुनिक खगोल विज्ञान के लिए भी चमत्कार से कम नहीं। यह इसलिए कि इसका आविष्कार उस समय हुआ था जब दुनिया में अन्यत्र मानव सभ्यता नहीं थी। इस काल का आकलन ईसा पूर्व जैसी परिधि में संभव ही नहीं है। यह कालगणना पृथ्वी के प्रादुर्भाव से प्रारंभ होती है। यह शाश्वत है। चारों युग समाप्त होंगे। नए युगों का चक्र प्रारंभ होगा, लेकिन यह कालगणना तब भी इसी गति से चलती रहेगी। इसमें एक पल का भी अंतर नहीं आएगा। इसके लिए प्रकृति की समझना होगा। प्रकृति के निकट जाना पड़ेगा। जीवनशैली में उसी के अनुरूप परिवर्तन करना होगा। कर्म और प्रारब्ध या भाग्य का यह अविनाशी चक्र निरंतर चलता रहता है। अपने विचारों में परिवर्तन कर श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए। नव वर्ष का शुभारंभ नवदुर्गा से होना भी विलक्षण है। यह आध्यात्मिक चेतना का अवसर है। नवरात्रि शक्ति आराधना का आध्यात्मिक पर्व है। इस समय प्रकृति में विविध रंग होते है। मां दुर्गा के इस पावन पर्व में रंगों का बहुत अधिक महत्व होता है। नवरात्रि में नौ दिन दुर्गा मां के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। प्रथम दुर्गा शैलपुत्री माता हैं। वह पर्वतराज हिमालय के घर में जन्मी थीं। इसके कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। शैलपुत्री माता की पूजा के दौरान पीले रंग वस्त्रों का महत्व है। दूसरी माता ब्रह्माचारिणी हैं। ब्रह्माचारिणी माता की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। इस दिन हरे रंग के वस्त्र ठीक रहते है। मां दुर्गा की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। चंद्रघंटा माता की पूजा के दौरान स्लेटी रंग का विधान है। मां दुर्गा की चौथी शक्ति कुष्मांडा माता हैं। कुष्मांडा माता के आठ भुजाएं हैं।

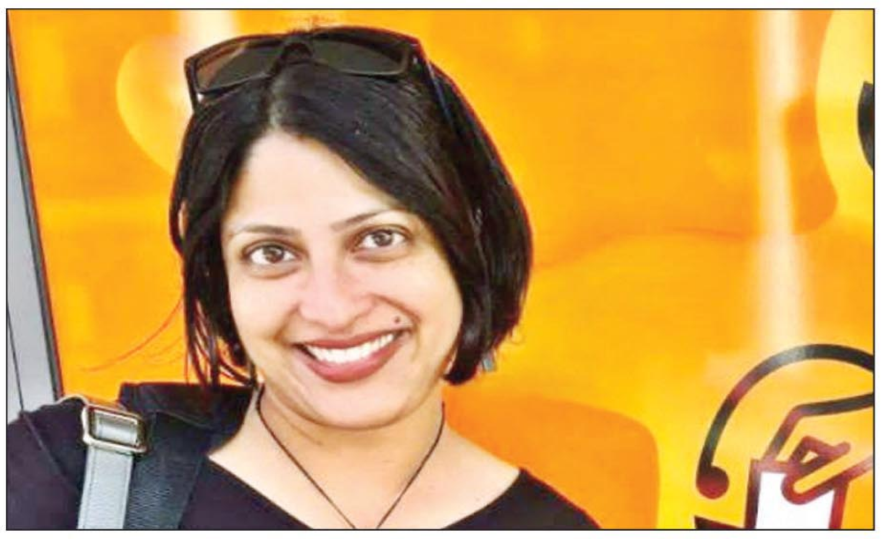

ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद करेगी न्यूजीलैंड सरकार : भारतीय मूल की महिला मंत्री की पहल, लव बैटर कैम्पेन लॉन्च किया

ऑकलैंड।
न्यूजीलैंड सरकार ने लव रिलेशनशिप में ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद के लिए कैम्पेन लॉन्च किया है। इसके जरिए 16 से 24 साल के उन युवाओं को डिप्रेशन बचाने की मुहिम चलाई जा रही है। यह कैम्पेन भारतीय मूल की महिला मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन ने शुरू किया। इसके लिए बजट सरकार ने ही जारी किया है।

दुनिया में पहली बार ऐसा गवर्नमेंट कैम्पेन - इस कैम्पेन के कई मकसद हैं। सबसे पहला तो यही कि लव रिलेशनशिप अगर टूटती है तो हमारी यंग जेनरेशन इन हालात का बिना डिप्रेशन में आए सामना कर सके। इसके अलावा उन्हें यह ट्रेनिंग भी जा रही है कि वो जिम्मेदार फैमिली मेंबर बनें और किसी तरह के डोमेस्टिक वायलेंस में शामिल न हों। यह दुनिया में अपनी तरह की पहली सरकारी मुहिम है, जिसके लिए फंड भी सरकार ही दे रही है। इस कैम्पेन को लव बैटर नाम दिया गया है। वो युवा जो ब्रेकअप से परेशान हैं, वो टेक्स्ट, फोन या ईमेल के जरिए यूथलाइन सें कॉन्टैक्ट कर सकते हैं। इसके लिए 6.4 लाख डॉलर (करीब 53 करोड़ रुपए) का शुरुआती बजट रखा गया है।

पिछले साल यानी 2022 में कैंटर रिसर्च ग्रुप ने ब्रेकअप के शिकार होने वाले युवाओं पर एक रिसर्च किया था। इसमें पाया गया कि 16 से 24 साल के 80प्रतिशत युवा रिलेशनशिप में हैं। इनमें से 87प्रतिशत ऐसे होते हैं जो ब्रेकअप का शिकार बने। इनमें से ज्यादातर खुद को अलग-अलग तरह से नुकसान पहुंचाते हैं। रिचर्स ग्रुप की यह रिपोर्ट जब डेवलपमेंट मिनिस्टर प्रियंका राधाकृष्णन के पास पहुंची तो उन्होंने कहा- युवा ही तो देश का भविष्य हैं। अगर वो खुद को ही नुकसान पहुंचाएंगे तो इससे आखिरकार देश को ही घाटा होगा। प्रियंका ने इस रिपोर्ट पर फैमिली और सेक्शुअल वॉयलेंस प्रिवेंशन मिनिस्टर मरामा डेविडसन से बातचीत की। इसके बाद यूथलाइन ऑफिस की तरफ से ऑकलैंड में यह कैम्पेन लॉन्च किया गया।

कैसे की जाती है युवाओं की मदद - प्रियंका कहती हैं- इसके लिए या तो हम युवाओं से कॉन्टैक्ट करते हैं या वो चाहें तो हमारी कैम्पेन टीम से संपर्क कर सकते हैं। हम जानते हैं कि ब्रेकअप से कितनी तकलीफ होती है। हम ऐसे युवाओं को वीडियो, टेक्स्ट या पॉडकास्ट के जरिए ब्रेकअप के जरिए इन मुश्किल हालात से निकालने में मदद करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बोरिस जॉनसन पर संसद को गुमराह करने का आरोप: ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोले- ऐसा जानबूझकर नहीं किया; पार्टीगेट केस में पूछताछ होगी

लंदन। ब्रिटेन में पार्टीगेट केस को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से पूछताछ होगी। जॉनसन ने कोविड के दौरान डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टी की थी। बाद में मामला सामने आया तो संसद को सही जानकारी नहीं दी। अब जॉनसन ने माना है कि उन्होंने संसद को गुमराह किया। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि ये गलती अनजाने में हुई। वो जानबूझकर ऐसा नहीं कर सकते। बोरिस ने 52 पेज की फाइल जांच कमेटी को सौंपी। इसमें कहा- मैंने जानबूझकर या लापरवाही से 1 दिसंबर 2021, 8 दिसंबर 2021 या किसी और तारीख पर संसद को गुमराह नहीं किया था। मैंने सिर्फ वहीं कहा जो मेरे वकील ने मुझे लिखकर दिया था। इसके अलावा जो आरोप हैं वो बेबुनियाद हैं। दरअसल, साल 2020 में पूरी दुनिया में कोरोना के चलते पाबंदियां लगी हुई थीं। ब्रिटेन में भी लॉकडाउन के साथ हर तरह की गैदरिंग्स पर रोक थी। तब जॉनसन ने अपने 56वें बर्थडे पर डाउनिंग स्ट्रीट में शराब-पार्टी की थी। ये पार्टी उनकी पत्नी ने रखी थी। इसमें पीएम ऋषि सुनक के साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी के कई बड़े नेता मौजूद थे। जब ये मामला संसद में उठा था तो जॉनसन ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन पर 4 बार संसद को गुमराह करने के आरोप लगे। अब ब्रिटिश संसद की प्रिवलेज कमेटी इस मामले की जांच कर रही है। कमेटी की जांच में अगर ये साबित हो जाता है कि जॉनसन ने जानबूझकर संसद को गुमराह किया तो उन्हें लोअर हाउस से सस्पेंड किया जा सकता है।

पंजाब प्रांत में होने वाला चुनाव स्थगित, अक्तूबर में होगा नई तारीख का एलान

लाहौर । पाकिस्तान चुनाव आयोग ने पंजाब प्रांत में होने वाले चुनाव स्थगित कर दिए। इसके पीछे आयोग ने देश में कानून-व्यस्था की खराब स्थिति का हवाला दिया। अब आठ अक्तूबर को मतदान की नई तारीख का एलान किया जाएगा। इससे पहले चुनाव आयोग ने 30 अप्रैल से 8 अक्टूबर के बीच मतदान कराने का फैसला लिया था। बता दें कि, इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की तत्कालीन सरकारों को 14 और 18 जनवरी को पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में भंग कर दिया गया था। चुनाव आयोग (ईसीपी) ने अपने आदेश में कहा, चुनाव कार्यक्रम को वापस लेने के साथ आठ अक्तूबर को मतदान की तारीख के साथ नए कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। ईसीपी ने कहा कि यह निर्णय सरकार, विभिन्न विभागों और खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिलने के बाद लिया गया। जिसमें कहा गया कि देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति इस समय किसी भी प्रांत में चुनाव कराने की अनुमति नहीं देती है। एक मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में विधानसभाओं के भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव होने चाहिए, जैसा कि संविधान द्वारा निर्धारित किया गया है। राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी को लिखे पत्र में ईसीपी ने पंजाब में चुनाव के लिए 30 अप्रैल की तारीख प्रस्तावित की थी। इस बीच खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर अली ने प्रांत में चुनाव की तारीख 28 मई तय की थी। आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि चुनाव कराने पर अलग-अलग राय थी। संसद को इस संबंध में सरकार और अन्य संस्थानों से मार्गदर्शन की आवश्यकता थी।

पुतिन के अरेस्ट वारंट पर मेदवेदेव की आईसीसी को धमकी: कहा- कोर्ट पर हो सकता है अटैक, भगवान और मिसाइल से बचना नामुमकिन

मॉस्को। रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन दिमित्री मेदवेदेव ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट को मिसाइल अटैक की धमकी दी है। मेदवेदेव ने कहा- भगवान और मिसाइलों से बचना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं है। दरअसल, 17 मार्च को रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ आईसीसी ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वारंट जारी किया था। उन पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोप लगे हैं। इसके बाद से रूस भड़का हुआ है। मेदवेदेव ने अपने टेलिग्राम अकाउंट पर लिखे स्टेटमेंट में आईसीसी को एक बेकार अंतरराष्टीय संगठन बताते हुए वहां के जजों को मिसाइल हमले के लिए आसमान में नजर बनाए रखने को कहा है। मेदवेदेव को पुतिन का वफादार माना जाता है। वे 2008 से 2012 तक रूस के राष्टपति भी रह चुके हैं। आईसीसी पर नाराजगी जताते हुए मेदवेदेव ने कहा- ये मुमकिन है कि नॉर्थ सी में रूसी वॉरशिप से निकली एक हाइपरसोनिक मिसाइल हेग में आईसीसी के हेडक्वार्टर पर गिरे।

लंदन में इंडियन हाईकमीशन स्टाफ ने लहराया और बड़ा तिरंगा

खालिस्तानी समर्थकों को दिया जवाब ; लंदन पुलिस ने रोका तो प्रदर्शनकारियों ने स्याही-अंडे फेंके

लंदन।
लंदन में खालिस्तान समर्थकों के बढ़ते विरोध के बीच इंडियन हाई-कमीशन की इमारत पर पहले से बड़ा तिरंगा फहराया गया। जब 22 मार्च को 2 हजार से ज्यादा खालिस्तानी समर्थक दोबारा इमारत के सामने आए तो हाई-कमीशन की टीम ने बिल्डिंग की छत पर खड़े होकर छत के किनारों को राष्ट्रीय ध्वज से ढंक दिया।

प्रदर्शनकारियों ने मेट्रो पुलिस पर स्याही, पानी की बोतलें और अंडे फेंके। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बिल्डिंग से कुछ दूरी पर रोक दिया। पिछले हमले के बाद हाई-कमीशन के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों में से कई के हाथ में खालिस्तानी झंडे थे। इस घटना को लेकर ब्रिटिश विदेश मंत्री ने भरोसा जताया है कि वे उच्चायोग की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएंगे।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री बोले- भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ाएंगे

ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवर्ली ने कहा है कि लंदन में इंडियन हाई-कमीशन के स्टाफ पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। मैंने हाई-कमिश्नर विक्रम दोराईस्वामी के सामने अपनी बात रख दी है। पुलिस की इन्वेस्टिगेशन जारी है और हम लंदन में इंडियन हाई-कमीशन और नई दिल्ली में भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम मेट्रोपॉलिटन पुलिस की मदद से इंडियन हाई-कमीशन में सुरक्षा की समीक्षा कर रहे हैं। यहां मौजूद स्टाफ की सुरक्षा के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

हाई-कमीशन के सामने किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजात

रविवार को खालिस्तानियों ने यहां प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ की थी और तिरंगा उतार दिया था। रविवार की घटना पर भारत ने सख्त विरोध जताया था। इसके बाद लंदन की मेट्रो पुलिस ने यहां सिक्योरिटी के सख्त इंतजाम किए। घुड़सवार पुलिस भी यहां नजर आई। हर जगह बैरिकेडिंग की गई। रविवार को लंदन में इंडियन हाई कमीशन के बाहर खालिस्तानियों के प्रदर्शन के दौरान सिक्योरिटी मौजूद नहीं थी। इससे अलगाववादियों के हौसले बुलंद हो गए थे।

प्रदर्शनकारी बोले- हमें पंजाब में अपने परिवार की चिंता है

इनमें से कई लोगों ने कहा कि उन्हें पंजाब में अपने परिवार और दोस्तों की सुरक्षा की चिंता है। राज्य में इंटरनेट सेवा बंद कर ली गई है, ऐसे में हम अपने परिवार से बात नहीं कर पा रहे। वे पंजाब में इंटरनेट सुविधा बहाल करने की मांग कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, विरोध का आयोजन फेडरेशन ऑफ सिख ऑर्गेनाइजेशन और ब्रिटेन के अलग-अलग सिख युवा समूहों की ओर से किया गया था। कानूनी फर्म जायवाला एंड कंपनी के को-पार्टनर सरोश जायवाला ने लंदन में इंडियन हाईकमीशन पर हमले को अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि हाईकमीशन की बिल्डिंग को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। ब्रिटिश सरकार स्थिति पर कंट्रोल करने में ढिलाई बरत रही है। जिसने भारतीय ध्वज को उतारा था, वह अभी तक फरार है। हालांकि, कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्स्यूलेट के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्स्यूलेट के बाहर खालिस्तानी समर्थकों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, इस दौरान कॉन्स्यूलेट के आगे बड़ी संख्या में सिक्योरिटी तैनात रही। यूनिफॉर्म पहने पुलिस अफसर मौके पर मौजूद रहे और सड़कों को बैरिकैड लगाकर प्रदर्शनकारियों को कॉन्स्यूलेट में घुसने से रोका गया। दरअसल, इससे पहले रविवार को यहां भी खालिस्तान समर्थक जुटे थे। इन लोगों ने स्प्रे पेंट्स से अमृतपाल को रिहा करो.. लिख दिया। इन लोगों ने कॉन्स्यूलेट के गेट्स तोड़ दिए। वहां खालिस्तान के झंडे लगा दिए थे। भारतीय अमेरिकियों ने हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अमृतपाल सिंह को पंजाब में खालिस्तान मिशन के लिए तैयार किया गया था

खंडा पाकिस्तान में छिप कर बैठे प्रमुख सदस्य परमजीत सिंह पम्मा का खास है। पम्मा के आदेश पर खंडा ने अमृतपाल सिंह को पंजाब में खालिस्तान मिशन के लिए तैयार किया। इसके बाद जॉर्जिया में अमृतपाल की ट्रेनिंग हुई।

यूएस में कैलिफोर्निया पुलिस नहीं ले सकेगी कुत्तों की मदद

अश्वेतों की गिरफ्तारी में भेदभाव का आरोप; सर्च ऑपरेशन में इस्तेमाल पर रोक नहीं

वॉशिंगटन।
अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की पुलिस अब अरेस्ट या क्राउड कंट्रोल में अपने डॉग स्क्वॉड की मदद नहीं ले सकेगी। यहां की असैंबली ने एक बिल पास किया है। इसमें कहा गया है कि पुलिस अश्वेतों या दूसरे देशों के नागरिकों की गिरफ्तारी के दौरान डॉग स्क्वॉड का गलत इस्तेमाल करती है। बिल के मुताबिक- क्राउड कंट्रोल के दौरान भी इस डॉग यूनिट का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, बिल में कुछ मामलों में पुलिस को इस यूनिट के उपयोग का अधिकार जरूर दिया गया है। असैंबली में यह बिल जो बाइडेन की डेमोक्रेट पार्टी के मेंबर कोरी जैक्सन और ऐश कालरा ने पेश किया। इन मेंबर्स ने कहा- अगर पुलिस चाहे तो पहले की तरह एक्सप्लोसिव्स का पता लगाने और ड्रग्स की सर्च में डॉग यूनिट का इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन, कई मौकों पर हमने यह महसूस किया है कि पुलिस अश्वेतों के खिलाफ रंगभेद के कदम के तौर पर इनका इस्तेमाल करती है।

मेंबर्स ने कहा- पुलिस के यह तौर तरीके सीधे तौर पर जुल्म कहे जा सकते हैं, खास तौर पर अश्वेत अमेरिकियों के खिलाफ इस तरह के जुल्म किए जाते हैं। पहले लोगों को गुलाम बनाने के लिए भी यह होता था। इसे अमेरिका का काला इतिहास कहा जाता है। आज क्यों इस तरह की यूनिट का इस्तेमाल किया जाता है। इसे फौरन बंद किया जाना जरूरी है। खास बात यह है कि कैलिफोर्निया श्वेत लोगों ने भी इस बिल का स्वागत किया है। जनरल सिटीजन नाम के एक संगठन ने कहा- इंसान तो इंसान है। रंग और नस्ल का भेद भी उसने ही पैदा किया है। हम जितनी जल्दी इस गलती को सुधार लें, उतना अच्छा होगा। कैलिफोर्निया में इस तरह की कई शिकायतें मौजूद हैं, जब पुलिस ने अपराधियों और खास तौर पर अश्वेत आरोपियों के खिलाफ डॉग स्क्वॉड का इस्तेमाल किया और इससे लोगों में गुस्सा भड़का। असैंबली की एक मेंबर कैथरीन ने कहा- कई मौकों पर हमने देखा कि पुलिस ने जिन आरोपियों के खिलाफ डॉग्स का इस्तेमाल किया, उन्हें इन डॉग्स ने गंभीर जख्म दिए। खास तौर पर अश्वेतों के खिलाफ तो यह कई साल से चल रहा है।

नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन ने पीएम आवास पर की बैठक, सत्ता बंटवारे पर सहमति के बिना ही समाप्त हुई मीटिंग

काठमांडू।
नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल चार प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर चर्चा करने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल 'प्रचंड' के आवास पर बैठक की, लेकिन बिना किसी नतीजे के ही बैठक समाप्त हो गई। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालुवातार में हुई बैठक सत्तारूढ़ गठबंधन और उनके नेताओं के बीच प्रारंभिक बैठक थी, जिसमें 'प्रचंड', नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत समाजवादी के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के अध्यक्ष उपेंद्र यादव शामिल हुए। प्रधानमंत्री के प्रेस समन्वयक सूर्य किरण शर्मा ने बताया कि बैठक मुख्य रूप से मंत्रिमंडल विस्तार और संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों को लेकर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक, सत्ता साझेदारी और मंत्री पद का बंटवारा सत्तारूढ़ गठबंधन में गतिरोध का सबसे बड़ा कारण है क्योंकि नेताओं द्वारा मांगे जा रहे पद मंत्रिमंडल में उपलब्ध मंत्रालयों से भी अधिक हो गए हैं। प्रचंड ने नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति के 20 मार्च को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आश्वासन दिया था कि अगले चार दिन में मंत्रिमंडल का विस्तार कर लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस ने 10 मंत्रालयों की मांग की है, सीपीएन-माओवादी केंद्र ने प्रधानमंत्री सहित पांच, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने तीन-तीन, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और जनमत पार्टी ने दो-दो, और नेपाल समाजवादी पार्टी, आम जनता पार्टी समेत नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक-एक मंत्रालय की मांग की है।

फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान, पश्तून कार्यकर्ता ने तहरीक-ए-तालिबान के साथ संबंधों का किया खुलासा

जिनेवा ।
जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 52वें सत्र के दौरान एक बार फिर से पाकिस्तान बेनकाब हुआ है। पश्तून राजनीतिक कार्यकर्ता ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान के घनिष्ठ संबंधों को उजागर किया। पश्तून कार्यकर्ता फजल-उर-रहमान अफरीदी ने कहा, हम खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) पाकिस्तान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति की ओर परिषद का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, जो पश्तून जातीय अल्पसंख्यकों के बुनियादी मौलिक अधिकारों और जीवन के लिए गंभीर निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान राज्य और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच हुए अघोषित सौदे के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हैं, ताकि शरिया कानूनों के तहत शासित होने के लिए टीटीपी को एक्स-एफएटीए सौंपे जा सकें। उन्होंने परिषद को बताया कि सौदे के तहत करीब 44,000 टीटीपी उग्रवादियों और उनके परिवारों को केपीके में फिर से बसाना है। हजारों पश्तूनों, विशेष रूप से पश्तून संरक्षण आंदोलन ने इस सौदे के खिलाफ पूरे पाकिस्तान में प्रदर्शन किया है और अपनी भूमि की मांग की।

उन्होंने कहा कि, टीटीपी को पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान का प्रतिनिधि माना जाता है, जिसने सबसे खतरनाक आत्मघाती हमले में से एक को अंजाम दिया। हमले में कम से कम 101 लोग मारे गए और 217 पश्तून सिविल लाइंस पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा में घायल हो गए। अफरीदी ने कहा कि टीटीपी ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में 367 हमलों को अंजाम देने का दावा किया है। जिनमें खैबर पख्तूनख्वा में 348 हमले, बलूचिस्तान में 12, पंजाब में पांच और पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो हमले हुए। 2022 में हुए इन हमलों में 446 लोग मारे गए और 1015 लोग घायल हुए। पश्तून कार्यकर्ता ने संयुक्त राष्ट्र से निष्पक्ष तंत्र के माध्यम से इन दुर्व्यवहारों की जांच करने और न्याय दिलाने की मांग की। सिडनी स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस के हालिया वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2023 ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान को 2022 में आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित दस देशों में शामिल किया।

यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग दे रहा ब्रिटेन, साल के अंत तक 20000 कर्मियों को तैयार करना लक्ष्य

लंदन ।
बीते साल 24 फरवरी को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग में हर दिन नया मोड़ देखने को मिल रहा है। हाल ही में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने युद्ध अपराध के आरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मॉस्को का दौरा किया तो जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कीव का दौरा किया। दूसरी ओर, पश्चिमी देश और अमेरिका लगातार यूक्रेन को सैन्य मदद दे रहे हैं। ब्रिटेन देश में चार स्थानों पर यूक्रेनी सैनिकों को बुनियादी सेना कौशल प्रदान कर रहा है।

कौशल और अनुभव से लैस करने के लिए बुनियादी प्रशिक्षण - ब्रिटेन ने साल के अंत तक यूक्रेन के 20 हजार कर्मियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। वह भर्ती हुए दस हजार यूक्रेनी सैनिकों को 27 जून से प्रशिक्षित कर चुका है। ब्रिटेन की ट्रेनिंग टीम के कमांडिंग ऑफिसर मेजर ट्रकर मिडलटन ने बताया, यह प्रशिक्षण बहुत बुनियादी है। जो भी भर्ती होते है, उनके पास बहुत कम सैन्य अनुभव होता है। हम उन्हें नागरिक के रूप में ही देखते हैं और फिर उन्हें सही जरूरी कौशल और अनुभव से लैस करने के लिए बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, ताकि वे अपनी मातृभूमि की रक्षा कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि नए भर्ती यूक्रेनी सैनिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि कुछ हफ्तों की है।

यूक्रेनी सैनिकों के लिए प्रशिक्षण में क्या सिखाया जा रहा - ब्रिटेन के साथ ही कनाडा और लिथुआनिया के सैन्य दल भी यूक्रेनी सैनिकों को जरूरी प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं। कनाडा की टीम के कमांडिंग ऑफिसर मेजर जुर्गेन मिरांडा ने कहा, प्रशिक्षण बुनियादी सैन्य कौशल पर केंद्रित है। इसलिए हमारा मुख्य उद्देश्य इन सैनिकों को युद्ध के मैदान में गोली चलाना, स्थानांतरित करना, संवाद करना और देवा देना सिखाना है, ताकि वे इस युद्ध में प्रभावी ढंग से लड़ सकें। हमारी कोशिश है कि इस प्रशिक्षण के खत्म होने तक वे युद्ध के मैदानी ज्यादा प्रभावी और घातक साबित हों और अपने देश की रक्षा करने में सक्षम हों। प्रशिक्षण में हथियारों की हैंडलिंग, युद्ध के मैदान में प्राथमिक चिकित्सा, फील्डक्राफ्ट, गश्त रणनीति आदि शामिल है।

प्रशिक्षण में सिखाई जा रही सेना की रक्षात्मक रणनीतिः यूक्रेनी सैनिक - मिरांडा ने कहा, हम पहले ही 10 हजार यूक्रेनी सैनिकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं और हम उम्मीद कर रहे हैं कि युद्ध के मैदान में 20 हजार से ज्यादा सैनिकों के लक्ष्य के साथ यह संख्या बढ़ती रहेगी। ब्रिटेन में प्रशिक्षण को लेकर एक यूक्रेनी सैनिक इगोर ने कहा, यह मेरे लिए एक कीमती और दिलचस्प अनुभव है। हमें अपने सहयोगियों द्वारा अपनी जमीन की रक्षा करना और सेना की रक्षात्मक रणनीति सिखाई जा रही है। हम इस समय यहां शहरी परिचालन (ऑपरेशन) पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इगोर, ओडेसा (यूक्रेन) के मूल निवासी हैं। उन्होंने बताया कि वह सेना में शामिल होने से पहले हस्थनिर्मित चमड़े की वस्तुएं बनाते थे।

एडिनबर्ग डॉकयार्ड में जहाज पलटने से 25 लोग घायल , 15 को अस्पताल में किया गया भर्ती

एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड)। यात्रियों से भरा एक जहाज स्कॉटलैंड के एक डॉकयार्ड में आंशिक रूप से पलट गया। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। अनादोलू एजेंसी ने यह जानकारी दी है। स्कॉटिश एंबुलेंस सेवा ने बताया कि एडिनबर्ग डॉकयार्ड में एक जहाज के पलट जाने से 25 लोग घायल हो गए हैं। जिसमें से 15 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है और 10 लोगों का इलाज इंपीरियल डॉक, लीथ में घटना स्थल पर ही किया गया। स्कॉटिश एंबुलेंस सेवा के प्रवक्ता ने कहा कि आज हमें 08 : 29 बजे (स्थानीय समय) लीथ में एक घटना के बारे में जानकारी मिली और घटना स्थल पर आने के लिए कहा गया। इसके बाद हमने पांच एंबुलेंस, एक एयर एंबुलेंस, तीन ट्रॉमा टीमें, स्पेशल ऑपरेशन टीम, तीन पैरामेडिक रिस्पॉन्स यूनिट और एक मरीज परिवहन वाहन भेजा। उन्होंने आगे कहा कि हमने 15 मरीजों को अस्पताल पहुंचाया, जिसमें से 11 को एडिनबर्ग रॉयल इन्फर्मरी और चार को वेस्टर्न जनरल अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके अलावा 10 और घायल मरीजों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को दुर्घटनाओं और आपातकालीन सेवाओं के लिए एडिनबर्ग की रॉयल इन्फर्मरी में भर्ती नहीं होने की सलाह दी, क्योंकि रॉयल इन्फर्मरी पर पहले से ही काफी दबाव है।

मैं सावरकर नहीं गांधी हूं के नारे की गूंज के साथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। केंद्र की मोदी सरकार की फासीवादी नीतियों तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग के विरूद्ध कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सत्य की लड़ाई के समर्थन में गुरुवार को प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में 1500 से अधिक कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय के बाहर केंद्र सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी के न्यायालय से बाहर आने तक बैठक कर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरूद्ध लड़ाई लड़ने का संकल्प किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की विचारधारा पर चलते हुए आम आदमी के लिए कार्य करती है तथा देश की जनता की समस्याओं के निराकरण की लड़ाई लड़ती है। वर्तमान में विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग सारी दुनिया देख रही है। राहुल गांधी ने सावरकर की तरह माफी मांगना उचित समझने की बजाय अपने विरूद्ध की जा रही कार्रवाई को स्वीकार किया।

वे सत्य की लड़ाई लड़ रहे है, न्यायालय का फैसला स्थगित हो गया है जिसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत चुनौती दी जाएगी ।कांग्रेस पार्टी की लड़ाई उन फासीवादी ताकतों से है जो देश की सत्ता में बैठकर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग व विपक्षी नेताओं को डराने-धमकाने, आम आदमी की आवाज दबाने के साथ ही ईडी, सीबीआई में बुलाकर विरोधियों को प्रताड़ित करने का कार्य कर रहे है। प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्य डॉ. महेश जोशी, गोविन्द राम मेघवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक डॉ. जितेन्द्र सिंह, रफीक खान, अमीन कागजी, कृष्णा पूनियां, प्रशान्त बैरवा, अनिल शर्मा, अमित चाचाण, कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, उपाध्यक्ष नसीम अख्तर, प्रदेश सचिव ललित तूनवाल, रामसिंह कस्वां, जसवंत गुर्जर, भूराराम सिरवी, राजेन्द्र यादव, मुकेश वर्मा, ललित यादव, प्रशान्त सहदेव शर्मा, प्रवक्ता आरसी चौधरी, पुखराज पाराशर, डॉ. अर्चना शर्मा, मुमताज मसीह, डॉ. खानू खां बुधवाली, पवन गोदारा, उपाध्यक्ष रामसहाय बाजिया, जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर, एनएसयूआई अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, विद्याधर सिंह चौधरी, हरसहाय यादव, कुलदीप सिंह पूनियां, ज्योति खण्डेलवाल, पूसाराम गोदारा, डॉ. भवी मीणा सहित 1500 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

अमृतपाल पंजाब से फरार होकर दो दिन रुका था हरियाणा में

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब से फरार हुआ अमृतपाल दो दिन हरियाणा में रुका था। जहां से वह उत्तराखंड चला गया। हरियाणा पुलिस ने अमृतपाल को पनाह देने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है वहीं पंजाब पुलिस ने अमृतपाल के सुरक्षा कर्मी को भी गिरफ्तार करके पूछताछ शुरू कर दी है। पंजाब पुलिस ने अमृतपाल के खिलाफ 18 मार्च को आपरेशन शुरू किया था। जालंधर के नजदीक महतपुर बार्डर से अमृतपाल पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। पंजाब पुलिस अमृतपाल के पंजाब में होने का दावा करके लगातार सर्च आपरेशन चलाए हुए है लेकिन गुरुवार को जांच में पता चला कि वह पंजाब से भागकर हरियाणा गया और कुरुक्षेत्र जिला के शाहबाद में 19 और 20 मार्च को रुका था। यहां वह जिस महिला के घर रुका था, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। महिला के अनुसार अमृतपाल उसे बोलकर गया था कि वह उत्तराखंड जा रहा है। इस बीच पुलिस ने आज अमृतपाल के साथी तजिंदर सिंह उर्फ गोरखा बाबा को लुधियाना में गिरफ्तार किया है। वह अमृतपाल का सुरक्षा कर्मी है और अजनाला कांड में वांछित है। पुलिस और खुफिया एजेंसियों को जांच के दौरान पता चला कि अमृतपाल को 158 विदेशी खातों से फंडिंग की जा रही थी। इनमें से 28 खातों से पांच करोड़ से ज्यादा की रकम भेजी गई थी। इन खातों का संबंध पंजाब के माझा और मालवा से है। अमृतसर, तरनतारन, बटाला, गुरदासपुर, जालंधर, नवांशहर, कपूरथला और फगवाड़ा के खातों का संबंध अमृतपाल से मिला है। पंजाब के मुख्य सचिव तथा पुलिस महानिदेशक ने गुरुवार को चंडीगढ़ में एक बैठक करके प्रदेश के मौजूदा हालातों की समीक्षा की। इसके बाद पाकिस्तान से सटे फिरोजपुर और तरनतारन जिला में इंटरनेट पर पाबंदी को शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक बढ़ा दिया गया। आज सरकार ने अजनाला, मोगा, संगरूर और मोहाली से इंटरनेट की पाबंदी हटा दी है। अमृतपाल के भाई हरप्रीत सिंह समेत उसके 11 साथियों को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में बाबा बकाला कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है।

हरियाणा में लोस व विस चुनाव लड़ेंगी आजाद समाज पार्टी : चंद्रशेखर

हिसार (हिंस)। भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी के चीफ एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन सरकार को समझना चाहिए कि इसके गंभीर परिणाम होंगे। चंद्रशेखर आजाद गुरुवार को शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में हिसार में सिरसा बाइपास स्थित गुरु रविदास छात्रावास में कार्यकर्ताओं से मिल रह थे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी हरियाणा में लोकसभा व विधानसभा चुनाव लड़ेगी। सरकार हमारे लोगों पर अत्याचार करेगी तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे और सड़कों पर आंदोलन करके विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर जो जमीन है और स्टैच्यू लगे हैं, उसे सरकार छीन रही है। हिसार में अंबेडकर बस्ती की जमीन छीनने का प्रयास किया तो हम सरकार को घुटनों के बल पर ला देंगे। सरकार हमारे लोगों को कुचलने का प्रयास करेगी तो सरकार का इतिहास ही नहीं भूगोल भी बदल दिया जाएगा ।शेखर ने कहा कि हमारे टैक्स के पैसे से सरकार चलती है। हरियाणा में बहुजनों की संख्या ज्यादा है। जब तक हम महापुरुषों के रास्ते पर नहीं चल सकते तब तक तरक्की नहीं हो सकती। धर्म हमें सही रास्ता दिखाता है। बाबा साहेब अंबेडकर हमें वोट का अधिकार देकर गए हैं जो कि गुलामी की बेडियों को काटने का काम करता है। हमें अपने लोगों को कामयाब करना है। आज भी हम अपने देश में बुनियादी अधिकारों को खोते जा रहे हैं, इसलिए संगठित होकर वोट का सही प्रयोग करना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हमारे सामने अकसर यह सवाल आता है कि उन्होंने पार्टी क्यों बनाई। अगर पार्टी न बनाई होती तो उनका भी वही हाल हुआ होता तो पंजाब वालों का हुआ है। उनकी सरकार वहां पर क्या कर रही है। जो अपनी कौम के लिए खड़ा होता है, उसका एनकाउंटर करने के लिए सरकार तैयार रहती है। अगर पार्टी न बनाता तो जो आज पंजाब में हो रहा है वह 2021-22 में यूपी में हो रहा होता। हम दुश्मन की साजिश को नहीं समझेंगे तो कभी नहीं समझेंगे।

सीएम गहलोत ने ट्वीट कर पेपर लीक पर भाजपानीत सरकारों को घेरा

जयपुर (हिंस)। सरकारी भर्तियों के पेपर लीक प्रकरणों के मुद्दे पर प्रदेश में सियासी पारा गर्माया हुआ है। चुनावी वर्ष में जहां इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी राज्य सरकार को चौतरफा घेरने की पुरजोर कोशिशों में जुटी हैं, तो राज्य सरकार भी पलटवार करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री गहलोत इस मुद्दे को लेकर अपने विरोधियों पर हमलावर हैं। ताजा प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री ने एक बार फिर पेपर लीक प्रकरणों में राज्य सरकार की सख्ती और भाजपा शासित प्रदेशों में पेपर लीक प्रकरणों को उठाया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर प्रमुख नेशनल न्यूज चैनल्स की खबरों की क्लिपिंग्स के साथ एक पोस्ट शेयर किया। इस वीडियो पोस्ट में न्यूज चैनल्स की उन खबरों की क्लिपिंग्स शामिल की गई हैं, जिसमें भाजपा शासित राज्यों में भी पेपर लीक का हवाला दिया है। वीडियो पोस्ट

के साथ मुख्यमंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि *किसी भी परीक्षा के पेपर लीक ना हों, इसके लिए राजस्थान सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। भाजपा को ये मानना होगा कि उनके शासित राज्यों में पेपर लीक के मामले सबसे ज्यादा हैं।* मुख्यमंत्री द्वारा शेयर की गई वीडियो पोस्ट में जिन भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक प्रकरणों का जिक्र हुआ है, उनमें गुजरात क्लर्क परीक्षा पेपर लीक प्रकरण, उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण, उत्तर प्रदेश 12वीं बोर्ड पेपर लीक प्रकरण, हरियाणा में 10वीं बोर्ड परीक्षा पेपर लीक प्रकरण, हरियाणा में टीजीटी एग्जाम पेपर लीक प्रकरण और असम में 10वीं बोर्ड एग्जाम पेपर लीक प्रकरण शामिल हैं। इसके अलावा उत्तराखंड में पेपर लीक प्रकरणों को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों का भी जिक्र किया गया है। राजस्थान में एक के बाद एक सरकारी भर्तियों में पेपर लीक प्रकरणों को विरोधी दलों ने मुद्दा बनाया हुआ है। प्रमुख विरोधी दल भाजपा समेत अन्य दलों ने भी सड़क से लेकर सदन तक इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाते हुए गहलोत सरकार को घेरने की कोशिश की है। राजस्थान में सिलसिलेवार हुए पेपर लीक प्रकरणों से जुड़ा मुद्दा संसद तक में उठ चुका है। विरोधी दल इन प्रकरणों की सीबीआई जांच की मांग उठा रहे हैं।

लोस चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए सभी विपक्षियों को एकजुट होना होगा : महबूबा

श्रीनगर (हिंस)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरूवार को एक साक्षात्कार में कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर देने के लिए सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा लेकिन उन्होंने इस तरह के गठबंधन के अस्तित्व में आने पर संदेह जताया। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि एक महागठबंधन को अपने केंद्र के रूप में कांग्रेस की जरूरत है लेकिन भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए विपक्षी खेमे को विभाजित कर रही है कि ऐसा न हो। उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब तक विपक्षी पार्टियां एक साथ नहीं आतीं तब तक मुझे नहीं लगता कि बीजेपी के लिए कोई मजबूत विपक्ष होगा लेकिन क्या वे इस ईडी, एनआईए और अन्य एजेंसियों के साथ गले मिलने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव, मायावती को देखिए वे कुछ नहीं कह रहे हैं। वे चुप क्यों हैं। महबूबा ने कहा कि इतने बड़े जनादेश के साथ आई भाजपा सरकार चमत्कार कर सकती थी लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है जैसे कि (दिल्ली के मुख्यमंत्री) (अरविंद) केजरीवाल ने कहा कि उनके पास देश के लिए कोई दृष्टि नहीं है। उन्होंने कहा कि बात सिर्फ इतनी है कि ऐसा लगता है कि वे इस देश पर माफिया की तरह राज कर रहे हैं।

डॉक्टरों की हड़ताल ने बढ़ाई मरीजों की परेशानी

जयपुर (हिंस)। राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में प्रदर्शन पर उतरे चिकित्सकों के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेजिडेंट्स डॉक्टरों की हड़ताल ने मरीजों की परेशानी और बढ़ा दी है। जयपुर सहित उदयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर में निजी डॉक्टरों के साथ हड़ताली रेजिडेंट्स ने गुरुवार को सड़कों पर प्रदर्शन किया। काम नहीं होने के कारण इन जिलों के अस्पतालों में 300 से ज्यादा ऑपरेशन को टालना पड़ा है। जयपुर में हड़ताली डॉक्टरों ने सड़क जाम करने का प्रयास किया और राहगीरों के साथ धक्का-मुक्की भी की। दर-दर भटक रहे मरीजों से बेपरवाह इन डॉक्टरों के खिलाफ अब सख्त एक्शन लेने की तैयारी है। शुरुआत जोधपुर से हो सकती है। यहां मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट ने ऐसे रेजिडेंट्स को बर्खास्त करने की चेतावनी दी है। जोधपुर में गुरुवार को हुई बैठक में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दिलीप कच्छावा ने रेजिडेंट डॉक्टर्स को बर्खास्त करने की चेतावनी दी है। जयपुर के सवाई मानसिंह सहित सभी मेडिकल कॉलेजों वाले हॉस्पिटल्स में दिनोंदिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गुरुवार को सार्वजनिक छुट्टी ने इस परेशानी को बढ़ा दिया। मरीजों का कहना था कि दो घंटे से चक्कर काट रहे हैं, पहले डॉक्टर नहीं मिले और अब पता चला कि हमें दोबारा इलाज के लिए आना पड़ेगा। जयपुर में गुरुवार दोपहर डॉक्टर बैनर लेकर एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे। यहां से रैली निकालते हुए जेएलएन मार्ग पर आए और उसे बंद करवा दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। कुछ देर बाद ही डॉक्टर्स सड़क पर जेसीबी पर बैठकर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। विरोध-प्रदर्शन के दौरान वहां से गुजर रही गा ?यों को रुकवा दिया गया। इस पर एक कैब ड्राइवर से डॉक्टर्स उलझ गए और धक्का-मुक्की करने लगे। पुलिसकर्मियों ने मामला शांत करवाया। सवाई मानसिंह अस्पताल के जनरल, ईएनटी, ऑर्थो समेत अलग-अलग डिपार्टमेंट और सेक्शन में कल छोटी-बड़ी 230 ही सर्जरी हो सकी, जबकि सामान्य दिनों ये 400 से भी ज्यादा हो जाती है।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान का नाम लिम्का बुक में दर्ज

हिसार (हिंस)। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा क्लोन तकनीक में नया प्रयोग करते हुए एक ही झोटे से अधिकतम क्लोन बनाने वाली उपलब्धि पर संस्थान का नाम लिम्का बुक में दर्ज हुआ है। क्लोन का प्रयोग सफल होने के बाद करीब डेढ़ साल पहले संस्थान ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करने के लिए आवेदन किया था। संस्थान को यह उपलब्धि मैक्सिमम क्लोन फॉर वन बुल (एक ही झोटे से सात क्लोन) के लिए मिला है। वैज्ञानिकों की इस बड़ी उपलब्धि के बाद भारत दुनिया के सभी देशों मे सबसे अधिक संख्या में क्लोन कटड़े बनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। वैज्ञानिकों की इस बड़ी उपलब्धि के बाद आज पूरा देश गौरवान्वित है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने गुरुवार को वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि कीर्तिमान रचने वाली वैज्ञानिकों की इस टीम में शामिल होकर डा. राजेश ने गांव गंगवा का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी फोन कर टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। डॉ. राजेश हिसार के गांव गंगवा के निवासी हैं। उनके पिता मल्लाराम धत्तरवाल गांव में ही खेती किसानी का काम करते हैं। उन्होंने हिसार के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (अब लाला लाजपत राय यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेटरनरी साइंस) से एमवीएससी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद सीआईआरबी ज्वाइन की, उन्होंने सर्विस के साथ ही पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। गंगवा गांव के बच्चों की रुचि अब पढ़ाई की और बढ़ने लगी है। सभी डॉ. राजेश की तरह लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्डस में अपना नाम दर्ज करवाने की बात करते हैं और फिर पढ़ाई करने लगे हैं। क्लोन के जरिए उपलब्धि हासिल करने वाली वैज्ञानिकों की टीम में डॉ. प्रेम सिंह यादव, डॉ. नरेश एल सेलोकर, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राजेश गंगवा, डॉ. मोनिका सैनी और डॉ. सीमा दुआ शामिल हैं। एक किसान परिवार से होने के बावजूद डॉ. राजेश के करियर में कई रुकावटें आई मगर उन्होंने हार नहीं मानी।

श्री विश्वकर्मा कौशल विवि का मॉडल अपनाएगी असम की स्किल यूनिवर्सिटी

पलवल (हिंस)। असम में बनने वाला कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की तर्ज पर होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किए गए मानकों और आदर्शों को वहां लागू किया जाएगा। इसी कड़ी में असम का एक प्रतिनिधिमंडल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का दौरा करने पहुंचा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रारूप और तौर-तरीकों को समझा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में पहुंचे असम के प्रतिनिधिमंडल का जोरदार स्वागत किया गया। ज्योतिष कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण करवाया गया और उन्हें अत्याधुनिक लैब और वर्क स्टेशन दिखाए गए। दोहरे एकीकृत मॉडल को असम में स्थापित करने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के अनूठे प्रयोग प्रतिनिधिमंडल में शामिल विशेषज्ञों को काफी पसंद आए। कुलपति राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने कौशल शिक्षा के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोग किए हैं। अब यह अनुभव देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के काम आएंगे। इस लिहाज से श्री विश्वकर्मा

कौशल विश्वविद्यालय देश में सभी राज्यों के लिए एक आदर्श संस्थान बन गया है। कुलपति राज नेहरू ने कहा कि देशभर में कौशल आधारित शिक्षा पर बनने वाले संस्थान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मानकों पर काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में असम में स्थापित होने कौशल विश्वविद्यालय के प्रारूप के लिए प्रतिनिधिमंडल ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे ज्योतिष कुमार शर्मा ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने देश में एक आदर्श स्थापित किया है। अब इसी के आधार पर दूसरे संस्थान भी आगे बढ़ पाएंगे।

सोनीपत में कोई भी व्यापारी कुट्टु व सामक का आटा नहीं बेचेगा

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत शहर मे अचानक कुटु व सामक के आटे से बीमार लोगों की संख्या बढकर 400 हो गई है। गुरुवार को इस मामले को लेकर जिला व्यापार मंडल सोनीपत ने अग्रसेन भवन परिसर गुड़ मंडी सोनीपत में किरयाना दुकानदारों की आपातकाल बैठक बुलाई। दुकानदारों को हिदायत दी गई हैं कि शुद्ध व ताजा आटा ही बेचें। मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया प्रभारी राजीव जैन ने व्यापारियों से अपील की और मिलावटी या सस्ता सामान बेचने से परहेज करें। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोई भी दुकानदार तुरंत प्रभाव से कुट्टु व सामक का आटा नहीं बेचेगा। जिला व्यापार मंडल सोनीपत प्रधान संजय सिंगला दुकानदारों और जनता से अपील की गई कि कुट्टु व सामक मोटे अनाज की श्रेणी मे आते हैं। जिनको पहले कई घंटे पानी में भिगोकर रखना पड़ता है। फिर जितना खाना हो जरूरत के अनुसार उसी को कूट कर या पीस कर खायें, सभी दुकानदारों को साबुत कुटु व सामक बेचने की सलाह दी।

संविधान दिवस समारोह के लिए भाजपा नेता कटारिया ने राष्ट्रपति को दिया न्यौता

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन में सदस्य रहे सूरजभान कटारिया ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान कटारिया ने राष्ट्रपति को आगामी 26 नवंबर को आयोजित होने वाले संविधान दिवस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इस मौके पर संविधान सम्मान समारोह के आयोजन के लिए नवगठित संविधान दिवस सम्मान समिति में संरक्षक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.सत्यनारायण जटिया, अध्यक्ष सूरजभान कटारिया, संयोजक डॉ. आरएस कुरील कुलपति, महामंत्री देवीदयाल गौतम के नेतृत्व में पहुंचे शिष्टमंडल ने द्रौपदी मुर्मू को भारतीय संविधान की प्रति तथा उनका एक चित्र और अंगवस्त्र भी भेंट किया। कटारिया ने बताया की संविधान दिवस इस वर्ष 26 नवंबर को 75 में वर्ष में प्रवेश करेगा। कटारिया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 वर्ष से स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस के बाद तीसरे राष्ट्रीय उत्सव के रूप में 26 नवंबर को संविधान दिवस का आयोजन शुरू कर इसकी महत्ता को बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आमंत्रण राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है।

ओर न छोर, सुबह से शाम तक गूंजा नववर्ष का शोर

उदयपुर (हिंस)। शौर्य और बलिदान की धरा झीलों के शहर उदयपुर में गुरुवार को बारहमास के लगभग सभी उत्सव-त्यौहारों का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिनमें जनमैदिनी उमड़ पड़ती है। भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2080 के स्वागत में भारतीय नववर्ष समाजोत्सव समिति और नगर निगम के तत्वावधान में निकली विशाल शोभायात्रा का स्वरूप इतना विशाल हो गया कि विशाल शब्द भी उसके आगे छोटा पड़ गया। लोग कहने लगे कि गत वर्ष की शोभायात्रा भी इस बार की शोभायात्रा के सामने कमतर लगी। शोभायात्रा थी कि खत्म होने का नाम नहीं ले रही थी। पहला छोर तो लगभग डेढ़ बजे ही महाराणा भूपाल स्टेडियम पहुंच गया था, लेकिन आखिरी छोर का तो शाम तक ठिकाना नहीं था कि वह कब आएगा। शहर के मध्य स्थित देहलीगेट चौराहे पर एक बजे से कलश यात्रा गुजरने के साथ शोभायात्रा देखने उमड़े लोग शाम पांच बजे तक खड़े ही रहे। हर कोई यही कहता नजर आया कि इस शोभायात्रा कोई ओर है न छोर है। भारतीय नववर्ष के इस आयोजन के लिए उत्साह का अतिरेक इतना था कि कलश यात्राओं में शामिल होने के लिए महिलाएं सुबह 10 बजे से ही जगदीश मंदिर,

फतह स्कूल और भूपालपुरा मैदान पहुंचने लग गईं। महिलाओं को यह भी आशंका थी कि कहीं उनके हाथ से कलश चूक न जाए। डांडिया करने वाली युवतियां भी फतह स्कूल में 11 बजे से पहुंचना शुरू हो गईं। शोभायात्रा व कलश यात्राओं में उमड़ती जनमैदिनी को देखते हुए फतह स्कूल से कलश यात्रा और डांडिया यात्रा को मुख्य शोभायात्रा से पहले रवाना किया गया। धवल परिधान पहने और सिर पर केसरिया साफा बांधे युवतियां जब डांडिया खनकाती शोभायात्रा मार्ग पर निकली तो मार्ग में हर किसी के कदम थम गए और ऐसे थमे कि शाम तक थमे ही रहे। डांडियों की खनक के बाद केसरिया परिधान पहने मातृशक्ति सिर पर कलश लिए आईं। फतह स्कूल से शुरू होकर यह कलश व डांडिया यात्रा सूरजपोल, बापू बाजार होते हुए देहलीगेट पहुंची जहां मौजूद शहरवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। देहलीगेट से होते हुए जैसे ही यह यात्रा आगे बढ़ी और उसके पीछे-पीछे भूपालपुरा मैदान से शुरू हुई यात्रा देहलीगेट पहुंच गई। देहलीगेट चौराहे पर तिल धरने की जगह नहीं बची। इस बीच, यह कलश यात्रा आगे बढ़ी तो इसके बाद नगर निगम प्रांगण से शुरू हुई मुख्य शोभायात्रा भी देहलीगेट पहुंच गई। इसके बाद तो देखने वालों को हिलने का मौका तक नहीं मिला। स्केटर्स, बुलेट सवार, के बाद युवक-युवतियों की टोलियां देशभक्ति के नारे लगाते हुए आना शुरू हो गई। इस बीच, पौने तीन बजे जगदीश मंदिर से निकली कलश यात्रा भी देहलीगेट पहुंच गई और मुख्य शोभायात्रा का हिस्सा बनने के साथ ही एक बाद फिर देहलीगेट पर मातृशक्ति का शक्ति स्वरूप नजर आने लगा। इस कलश यात्रा के आगे बढ़ते ही मुख्य शोभायात्रा फिर से आगे बढ़ी। युवाओं की टोलियां नाचते-नारे लगाते बढ़ चलीं। इसके बाद बग्घियों में बिराजमान संत-महंत पधारे। इनके पीछे युवाओं की टोलियों के साथ शौर्य का प्रतीक अश्व सवार युवतियां थीं। इसके बाद झांकियों का क्रम शुरू हुआ। अशोक वाटिका, बजरंग बली, वानर सेना, यज्ञ आदि झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा में लगातार जय श्री राम लिखी, रामभक्त हनुमान की छवि अंकित तथा ओम की पताकाएं लहराती रहीं।

NOTICE INVITING TENDER

The Executive Engineer, IWT, Division, Jorhat, Assam invites Sealed tender by affixing Court fee stamp of **Rs. 8.25 (Rupees Eight & paise twenty five) only** from the Registered Contractors under I.W.T. Division, Jorhat for major repairing & renovation works of different vessels as mentioned below under 14-minor works (SOPD-G) for the year 2022-23 & 2023-24. The estimated cost of works are below inclusive of all taxes/charges including test and trials of the vessets as per norms.

The last date of submission of Tender 1s up to 2.00 PM on 28th March/2023 and will be open on the same date 3.00 PM. If the Tender falls on any holiday then the next working day will be treated as the date of receiving and opening of Tender.

The tender documents alongwith cost schedule of the works and its terms & conditions may please be obtained from the office of the undersigned (Cashier Branch) during working hours on all working days on payment of Rs.500/- (Rupees Five Hundred) only by Bank Draft of Nationalized Bank in favour of the Executive Engineer, I.W.T. Division, Jorhat.

Sl. No	Name of Work	Estimated Amount (Approx Rs.)	Time of completion	Earnest money. i) General-2% ii) ST,SC,OBC, MOBC=1%
1.	Mojor repairing /renovation works of RPL Mahabhairabi (Reg.No.Assam-282) ot Aphala-Neamati ferry service under 14-minor plan works (SOPD-G)	Rs.30,54,983/-	6 Months	Rs. 61,100.00/2% Rs. 30,550.00/1%
2.	Major repairing/renovation works of wooden single boat S.B. Sissi (Reg. No.Assam-162) at Ahatguri-Missamara ferry service under 14-minor plan works (SOPD-G)	Rs.14,85,509/-	3 Months	Rs. 29,710.00/2% Rs. 14,855.00/1%

i/c. Executive Engineer,
Inland Water Transport, Division,
Jorhat, Assam

-- Janasanyog /C/23691/22

सोना–चांदी में शानदार तेजी: फिर 59 हजार के पार हुआ सोना, चांदी भी 69 हजार के ऊपर निकली

नई दिल्ली।
सर्राफा बाजार में सोने–चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में सोना 555 रुपए महंगा होकर 59,192 रुपए पर पहुंच गया है।

इससे पहले 20 मार्च को ऑल टाइम हाई 59,671 रुपए पर पहुंच गया था। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रहेगी। इसके चलते सोना 65 हजार तक जा सकता है।

चांदी 69 हजार के पार हुई

अगर चांदी की बात करें तो ये 69 हजार के पार निकल गई है। सर्राफा बाजार में ये 1,147 रुपए महंगी होकर 69,368 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 22 मार्च को ये 68,221 हजार पर थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले एक महीने में चांदी 73 हजार तक पहुंच सकती है।

65 हजार तक जा सकता है सोना

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार–चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है।

1 अप्रैल से सिर्फ छह डिजिट वाला हॉलमार्किंग सोना ही बिकेगा

नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। इस नंबर के जरिए ये पता करना संभव होगा कि कोई सोना कितने कैरेट का है। देशभर में सोने पर ट्रेड मार्क देने के लिए 940 सेंटर बनाए गए हैं। अब चार डिजिट वाली हॉलमार्किंग पूरी तरह बंद हो जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

सरकारी योजना का असर, 10 अरब डॉलर होगा मोबाइल फोन निर्यात

नई दिल्ली। स्थानीय विनिर्माण को आकर्षित करने के लिए सरकार की योजना का असर दिखने लगा है। चालू वित्त वर्ष में देश से 10 अरब डॉलर यानी 82,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्मार्ट मोबाइल फोन का निर्यात होगा। फरवरी तक यह 9.5 अरब डॉलर था। इंडिया सेल्यूलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निर्यात में एपल के मेक इन इंडिया स्मार्टफोन का हिस्सा 50 फीसदी होगा। सेमसंग का हिस्सा 40 फीसदी जबकि अन्य कंपनियों का हिस्सा 10 फीसदी होगा। इस साल में स्मार्टफोन के निर्यात में तेजी इसलिए आई है क्योंकि कंपनियां उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का फायदा उठा रही हैं। इसके लिए वे बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। एपल चीन की अपनी विनिर्माण इकाई को अगले दो से तीन साल में भारत और वियतनाम में लाने की कोशिश कर रही है। भारत के शीर्ष पांच निर्यात देशों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका, नीदरलैंड, ब्रिटेन और इटली शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, मोबाइल फोन उद्योग 40 अरब डॉलर के विनिर्माण उत्पादन को पार कर जाएगा। इसका 25 फीसदी यानी 10 अरब डॉलर का निर्यात होगा। सरकार मोबाइल से इतर इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण परिवेश को मजबूत करने के लिए भी काम कर रही है, ताकि इसके अन्य कलपुर्जों का भी बड़े पैमाने पर भारत हब बन सके, क्योंकि स्मार्टफोन के अलावा इनकी भी बिक्री बहुत ज्यादा होती है।

पिछले साल यूपीआई से हुई 195 करोड़ से अधिक का लेनदेन, 95 हजार लोग हुए धोखाधड़ी का शिकार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने संसद में बताया है कि वित्तीय वषर्र 2022-23 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए 125 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। इस दौरान 95 हजार से ज्यादा लोग धोखाधड़ी के शिकार भी हुए हैं। चिंता की बात ये है कि धोखाधड़ी के शिकार होने वालों की संख्या पिछले तीन साल से बढ़ती जा रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2020-21 में 77 हजार और 2021-22 में 84 हजार लोग यूपीआई से लेनदेन के दौरान धोखाधड़ी के शिकार हुए थे। संसद में आंकड़ो को पेश करते हुए केंद्र सरकार ने बताया कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल 125 करोड़ से अधिक का यूपीआई लेनदेन पूरा किया गया था, जो पिछले तीन वर्षों से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली को भी वैश्विक स्वीकृति मिली है। सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान जैसे देशों ने भी इसे अपना लिया है। भारत में डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सवाल उठाया था। इसका जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ये आंकड़े जारी किए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री कराड ने संसद में कहा, यूपीआई एप्लिकेशन एक अज्ञात लाभार्थी को भुगतान शुरू करने वाले उपयोगकर्ता की इन-ऐप सूचना प्रदान करते हैं। डिवाइस-बाइंडिंग अवधारणा, जिसमें उपयोगकर्ता का मोबाइल नंबर उसके मोबाइल डिवाइस से जुड़ा होता है, जिससे किसी के लिए हस्तक्षेप करना लगभग असंभव हो जाता है।

एफडी पर मिल सकता है ज्यादा ब्याज, आरबीआई ने दिया संकेत

नई दिल्ली। बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) करने वालों को ज्यादा ब्याज मिल सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने मासिक बुलेटिन में कहा है कि बैंकों के बीच ब्याज दरों को लेकर प्रतिस्पर्धा दिख रही है। ऐसे में जमा का आधार बढ़ाने के लिए एक बार फिर ब्याज दर बढ़ा सकते हैं। केंद्रीय बैंक पिछले साल मई से इस साल फरवरी तक 2.5फीसदी की बढ़त रेपो दर में कर चुका है। आरबीआई अप्रैल के पहले हफ्ते में अपनी मौद्रिक नीति समिति की बैठक करेगा। इसमें एक बार फिर से रेपो दर को बढ़ाने का अनुमान है क्योंकि महंगाई दर अभी भी इसके दायरे से बाहर है। इससे रेपो दर 6.75फीसदी हो सकती है। ऐसे में बैंकों को कर्ज और जमा पर ब्याज दरें बढ़ाना पड सकता है। फिलहाल एफडी पर विभिन्न बैंक 8.50 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। अदाणी समूह की अदाणी एयरपोर्ट्स आने वाले दिनों में देश-विदेश में और अधिक हवाईअड्डों के लिए बोली लगाएगी।

एचएएल में 3.5प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

इससे सरकार को 2867 करोड़ रुपए मिलेंगे, रिटेल निवेशकों के लिए ऑफर 24 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली।
भारत सरकार एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में ऑफर फॉर सेल के जरिए 3.5प्रतिशत (11,703,563 शेयर) तक हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके लिए फ्लोर प्राइस 2,450 रुपए तय किया गया है। यह कीमत मौजूदा बाजार कीमत से 6.6प्रतिशत कम है। एचएएल के शेयर 30.55 रुपए गिरकर 2,625 रुपए पर बंद हुए।

इस आधार पर हिस्सेदारी की बिक्री से सरकार को 2867 करोड़ रुपए मिलेंगे। रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार ऑफर फॉर सेल नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए 23 मार्च और रिटेल के लिए 24 मार्च को खुलेगा। मार्च 2018 में लिस्टेड कंपनी में वर्तमान में सरकार की 75.15प्रतिशत हिस्सेदारी है।

2018 में हुई थी एचएएल में विनिवेश की शुरुआत

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के विनिवेश की शुरुआत साल 2018 में हुई थी। इस साल एचएएल ने अपना आईपीओ जारी किया था। इसके बाद एचएएल में भारत सरकार की हिस्सेदारी 100प्रतिशत से घटकर 89.97प्रतिशत रह गई थी। इससे सरकार को करीब 4,229 करोड़ रुपए मिले थे।

पुराने डिफेंस मैन्युफैक्चर्स में से एक है एचएएल

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड एक एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी है। इसका हेडक्वार्टर बैंगलोर में है। ये कंपनी दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चर्स में से एक है। इंडियन एयरफोर्स के दो-तिहाई वर्कहॉर्स विमान एचएएल के हैं। हल्के लड़ाकू विमान तेजस की मैन्युफैक्चरिंग भी इसी कंपनी ने की है।

1940 में हुई थी कंपनी की शुरुआत

23 दिसंबर 1940 को सेठ वालचंद हीराचंद ने एक अमेरिकी विमानन विशेषज्ञ विलियम डगलस पावले की मदद से हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड नाम की एक कंपनी शुरू की थी। सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान मार्च 1941 में सरकार ने कंपनी की एक-तिहाई हिस्सेदारी खरीद ली थी और स्वतंत्रता के बाद जनवरी 1951 में हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड को रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में ले लिया गया। अक्टूबर 1964 में हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड का एयरोनॉटिक्स इंडिया लिमिटेड के साथ विलय कर दिया गया और इस तरह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अस्तित्त्व में आया। एचएएल भारत के अलावा 23 देशों को भी अपनी सर्विसेज देता है। इसमें एयरबस और बोइंग जैसी कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। 50 से ज्यादा सालों के अनुभव के साथ वर्तमान में एचएएल सैन्य हेलीकाप्टरों और विमानों का निर्माण कर रहा है।

भारत दौरे पर रहेंगे अजय बंगा, पीएम मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए अमेरिका के उम्मीदवार अजय बंगा दो दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। वह 23 और 24 मार्च को नई दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, वह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान उनके बीच भारत की विकास प्राथमिकताओं, विश्व बैंक और वैश्विक आर्थिक विकास चुनौतियां पर चर्चाओं होंगी। इसके अलावा, बंगा लर्नेट इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स का भी दौरा करेंगे, जो राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से स्थापित व्यावसायिक संस्थानों का एक नेटवर्क है, जिसे विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बंगा संस्थान के कार्यक्रम के बारे में जानेंगे और कार्यक्रम के प्रतिभागियों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और निजी क्षेत्र के भागीदारों से मिलेंगे। इस दौरान वह इस पर चर्चा करेंगे कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों, विशेष रूप से युवा लोगों के जीवन और आर्थिक अवसरों में सुधार कैसे कर रहा है। एक बयान में कहा गया है कि बंगा के नामांकन की घोषणा के तुरंत बाद भारत सरकार ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया और तबसे विभिन्न सरकारों के गठबंधन ने बंगा के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है, जिसमें बांग्लादेश, कोलंबिया, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, घाना, इटली, जापान, केन्या, सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य और ब्रिटेन शामिल हैं। अपने वैश्विक भ्रमण के दौरान बंगा ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, हितधारकों, व्यापारिक नेताओं, उद्यमियों और नागरिक समाज के साथ मुलाकात की।

अरबपतियों की संख्या 8 फीसदी घटी, भारत में 16 नए बने, अदाणी की संपत्ति में 60 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली।
वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती से इस साल जहां दुनियाभर के अरबपतियों की संख्या में 8 फीसदी की कमी आई है, वहीं भारत में 16 नए अरबपति बने हैं। इन 16 में शीर्ष पर राकेश झुनझुनवाला का परिवार है। राकेश के निधन के बाद से उनकी पत्नी इस समय कारोबार संभाल रही हैं।

एम3एम हुरून ग्लोबल अमीरों की सूची के अनुसार, 2023 में पूरी दुनिया में 99 शहरों के 18 उद्योगों से 176 नए अरबपति बने। 2022 में कुल 3,384 अरबपति दुनिया में थे। 2023 में इनकी संख्या घटकर 3,112 रह गई है। ये सभी 69 देशों से हैं और ये 2,356 कंपनियों के मालिक हैं। पांच सालों में भारतीय अमीरों की संपत्ति 360 अरब डॉलर बढ़ी जो हांगकांग की जीडीपी के बराबर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन के जेफ बेजोस की संपत्ति में इस साल 70 अरब डॉलर की गिरावट आई है जो मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को हुए घाटे से भी ज्यादा है। अदाणी की संपत्ति 28 अरब डॉलर घटकर 53 अरब डॉलर रह गई है। इसमें 60 फीसदी की गिरावट आई है। यानी हर हफ्ते 3,000 करोड़ रुपये घटी है। इससे अमीरों की सूची में वे दूसरे स्थान से गिरकर 23वें पर आ गए हैं। अंबानी की संपत्ति 21 अरब डॉलर घटी है। मुंबई, बंगलूरू और नई दिल्ली अमीरों की सूची में दुनिया में शीर्ष 25 में 69 नए अरबपति बनने के साथ चीन पहले स्थान पर 26 नए अरबपतियों के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर रहा नुकसान वाले अरबपतियों में जेफ बेजोस शीर्ष पर हैं और उनकी संपत्ति 118 अरब डॉलर है। जबकि 53 अरब डॉलर की संपत्ति वाले अदाणी छठे और 82 अरब डॉलर वाले अंबानी सातवें स्थान पर हैं। टेस्ला के एलन मस्क को 48 अरब डॉलर, सर्जी ब्रिन को 44 अरब डॉलर और लैरी पेज को 41 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। डीमार्ट के मालिक आरके दमानी की संपत्ति 30प्रतिशत घटी है। वे शीर्ष 100 अमीरों की सूची से बाहर हो गए हैं।

ट्रेन में एसी 3-टियर इकोनॉमी का सफर सस्ता: इंडियन रेलवे ने किराया घटाया, चादर और कंबल पहले की तरह मिलते रहेंगे

नई दिल्ली।
रेलवे ने पुराने सिस्टम को लागू करते हुए एसी 3-टियर इकोनॉमी क्लास का किराया कम कर दिया है। अब एसी -3 टियर की तुलना में इकोनॉमी क्लास में यात्री को 60-70 रुपए कम देने होंगे। रेलवे ने सितंबर 2021 में सस्ती एसी यात्रा सर्विस देने के लिए एई -3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत की थी, लेकिन नवंबर 2022 में एसी 3-टियर इकोनॉमी और एसी 3-टियर के मर्जर के कारण दोनों क्लास का किराया बराबर हो गया था। रेलवे ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जिन यात्रियों ने पहले ही आगे की डेट के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन टिकट बुकिंग की है, उन्हें नई दरों के हिसाब से पैसा रिफंड किया जाएगा। हालांकि, काउंटर के जरिए ऑफलाइन टिकट बुक करवाने वाले यात्रियों को बचा हुआ पैसा वापस लेने के लिए अपने टिकट के साथ फिर से बुकिंग काउंटर जाना पड़ेगा। जब रेलवे ने एसी -3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत की तो उसमें यात्रियों को चादर और कंबल नहीं दिए जाते थे, लेकिन इस क्लास को एसी -3 में मर्ज करने के बाद किराया बराबर कर दिया गया था। इससे एसी -3 इकोनॉमी कोच में भी चादर और कंबल दिए जाने लगे। अब रेलवे ने पुराने सिस्टम को फिर से लागू तो कर दिया है, लेकिन चादर और कंबल देने की व्यवस्था को वापस नहीं लिया गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक नॉर्मल थर्ड एसी कोच में 72 बर्थ (सीट) होती हैं, जबकि एसी -3 इकोनॉमी कोच में 80 बर्थ होती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि नॉर्मल थर्ड एसी कोच की तुलना में एसी इकोनॉमी कोच में बर्थ की चौड़ाई थोड़ी कम होती है। लखनऊ स्थित रेलवे के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन ने एसी -3 इकोनॉमी क्लास के कोच तैयार किए थे। यह स्लीपर क्लास का एडवांस वर्जन है। एसी -3 इकोनॉमी कोच स्लीपर की तुलना में ज्यादा आरामदायक और सुविधाओं से लैस है।

1 अप्रैल से महंगी मिलेगी बेहतरीन माइलेज देने वाली स्प्लेंडर: हीरो मोटरकोर्प ने अपनी गाड़ियों की कीमतें 2प्रतिशत बढ़ाने का ऐलान किया, ओबीडी -2 नॉर्म्स के कारण बढ़ी मेकिंग कॉस्ट

नई दिल्ली।
यदि आप हीरो की स्प्लेंडर , डिल्क्स जैसी बेहतरीन माइलेज देने वाली बाइक या मेस्ट्रो और प्लेजर जैसी स्कूटर खरीदने की सोच रहे हैं तो 31 मार्च तक खरीद लें, क्योंकि हीरो मोटरकोर्प ने अपने लाइन अप में शामिल सभी बाइक और स्कूटरों की कीमतों में 2प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान कर दिया है। ये बढ़ी हुई कीमतें 1 अप्रैल से लागू हो जाएंगी। बढ़ी हुई कीमतें कंपनी के लाइन-अप में शामिल अलग-अलग मॉडल पर वैरिएंट के अनुसार अलग-अलग लागू होंगी। कंपनी ने इसकी वजह ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स-2 नॉर्म्स के कारण मेकिंग कॉस्ट में हुई बढ़ोतरी को बताया है। इससे अब बेहतरीन माइलेज देने वाली स्प्लेंडर डिल्क्स की कीमतें लगभग 1500 रुपए बढ़ जाएंगी। इससे पहले कंपनी ने इंफ्लेनरी कॉस्ट बढ़ने की वजह से 1 दिसंबर 2022 में अपनी टू-व्हीलर की कीमतों में लगभग 1,500 रुपए की बढ़ोतरी की थी। उस समय भी हीरो मोटोकोर्प ने अलग-अलग मॉडल पर अलग-अलग कीमते बढ़ाई थी। हीरो मोटोकोर्प के अनुसार गाड़ियों में रियल-टाइम ड्राइविंग उत्सर्जन स्तरों की निगरानी के लिए एक ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स की जरूरत होगी। इस डिवाइस के जरिए रियल टाइम ड्राइविंग एमिशन से गाड़ियों द्वारा पैदा किए जा रहे एमिशन के बारे में उसी समय जानकारी मिल सकेगी। हीरो मोटोकोर्प ने कहा है कि वह ग्राहकों पर प्राइस हाइक के असर को कम करने के लिए फाइनेंसिंग सॉल्यूशन ऑफर जारी रखेगा।

इससे पहले बीते हफ्ते में हीरो मोटोकोर्प ने घोषणा करते हुए कहा था कि वह भारत में अपनी मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों से अगले 2-3 सालों में 10 लाख से अधिक गाड़ियां तैयार करेगी। हीरो मोटोकोर्प जल्द ही देश में प्रीमियम सेगमेंट की इलेक्ट्रिक बाइक लाने वाली है। इसके लिए कंपनी ने हाल ही में अमेरिका की जीरो मोटरसाइकिल के साथ एग्रिमेंट साइन किया है। जीरो मोटरसाइकिल अमेरिका में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और पावरट्रेन में लीडिंग प्लेयर मानी जाती है।

भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने 300 मिलियन डॉलर जुटाएगी ओला इलेक्ट्रिक

दुनिया का सबसे बड़ा ईवी हब बनने की तैयारी में जुटी

मुंबई।
इलेक्ट्रॉनिक वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए 300 मिलियन डॉलर यानी कि करीब 24 अरब रुपए जुटाने की योजना पर काम कर रही है। ये रकम ओला पश्चिम एशियाई और यूएस-आधारित वैश्विक निजी इक्विटी फंड से जुटाने की तैयारी कर रही है। वहीं डील से जुड़े सूत्रों के अनुसार कंपनी के इस कदम से प्रमोटरों की कंपनी के शेयरों की हिस्सेदारी घटकर करीब 37-38 फीसदी रह जाएगी जो कि मौजूदा समय में 40 फीसदी है। बता दें कि ओला अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए ये फ्रेश राउंड फंडरेजिंग कर रही है। उम्मीद है कि ओला 300 मिलियन डॉलर की इस डील को जल्द ही पूरा कर लेगी। खबर के मुताबिक, कंपनी के इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ही कंपनी के इस फंड को मैनेज करेगा। कंपनी के मौजूदा बिजनेस की बात करें, तब मौजूदा समय में कंपनी का सालाना रेवेन्यू रन रेट करीब 1 बिलियन डॉलर है। ओला इलेक्ट्रिक ने एक ही साल में अपने ई-स्कूटर ओला एस1 और ओला एस1 प्रो के डिलिवरी शुरू करके वॉल्यूम और रेवेन्यू में बढ़त बनाई है। हाल ही में ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु सरकार के साथ एक एमओयू भी साइन किया है। इस एमओयू के जरिए कंपनी ने दुनिया का सबसे बड़ा ईवी हब बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण किया है। तमिलनाडु के कृष्णनगिरी में एक सिंगल लोकेशन ईवी हब बनाएगी। इसमें कंपनी का सेल फैक्टरी, फोर व्हीलर फैक्टरी और सप्लायर इकोसिस्टम को भी शामिल किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि 300 मिलियन डॉलर की इस डील के लिए ये समय इसलिए चुना गया है क्योंकि ओला इलेक्ट्रिक का इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिजनेस पहले ही एबिट्डा पॉजिटिव हो चुका है। मूल्यांकन प्रीमियम प्राप्त करने के लिए इसका लाभ उठाया जा सकता है। कंपनी जुटाई गई राशि से दोपहिया प्लांट का विस्तार करेगी, जिसकी क्षमता 0.5 मिलियन से 1 मिलियन प्रति वर्ष है। यह ओला की बैटरी सेल फैक्ट्री को भी फंड करेगा, जिसे सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत स्थापित किया जा रहा है। बता दें, ओला ने जनवरी 2022 में टेकने प्राइवेट वेंचर्स, अल्पाइन ऑपर्च्युनिटी फंड और एडलवाइस सहित अन्य से 200 मिलियन डॉलर जुटाए थे। तब कंपनी की कीमत 5 अरब डॉलर आंकी गई थी।

बैंकों के डूबने के बीच फेड ने फिर की ब्याज दरों में वृद्धि, 2007 के बाद से सर्वोच्च स्तर पर पहुंची

वॉशिंगटन। दुनियाभर में बैंकों के डूबने की घटनाओं के बीच एक बार फिर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने दरों में वृद्धि कर दी है। फेड बुधवार देर रात ब्याज दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि की घोषणा की। इससे फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें अब 4.75 से 5 फीसदी के बीच पहुंच गई हैं। यह साल 2007 के बाद से सर्वोच्च स्तर है। हालांकि, वहां के शेयर बाजार एसएंडपी 500 पर इसका कोई असर नहीं दिखा और यह देर रात मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। साल 2007 में भी इसी स्तर पर जब दरें थीं, तो 2008 में वहां का लेहमन ब्रदर्स बैंक डूबा था और उसकी वजह से पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी आ गई थी। एक बार फिर से उसी स्तर पर दरें हैं और इसका असर कुछ हद तक दिखा भी है, जब वहां के दो बैंक डूब गए और एक बैंक को किसी और के साथ विलय कर दिया गया। विश्लेषकों का अनुमान है कि महंगाई को नियंत्रण में लाने के लिए फेडरल रिजर्व बैंक इस साल अभी एक बार और दरों में वृद्धि कर सकता है। हालांकि, अगले साल दरों को बढ़ाने की रफ्तार रुक सकती है।

यूट्यूबर भुवन बाम ने किंग खान के साथ किया मजेदार प्रोमो वीडियो शूट

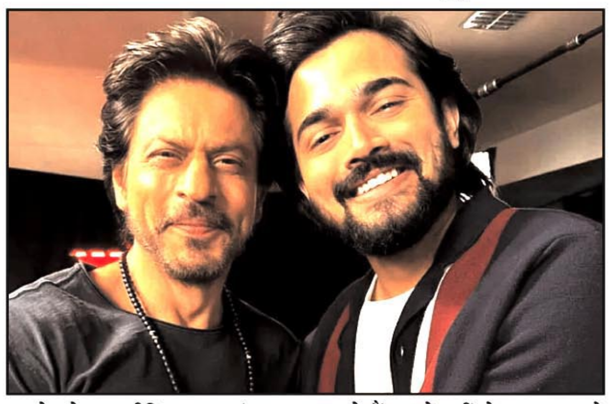

मुंबई (ईएमएस)। पठान 22 मार्च यानी आज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। सिद्धार्थ आनन्द के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने घरेलू व वैश्विक स्तर पर धमाकेदार कमाई की है। इस फिल्म के जरिये शाहरुख खान ने 4 साल बाद परदे पर वापसी की। पठान से पूर्व उनकी अन्तिम फिल्म जीरो थी, जो 2018 में प्रदर्शित हुई थी। हालांकि, इन चार सालों में शाहरुख कुछेक फिल्मों में कैमियो भूमिका में दिखाई दिए थे, जिनमें ब्रह्मास्त्र में उनकी भूमिका वानरास्त्र को दर्शकों ने सर्वाधिक पसन्द किया था। पठान ने प्रदर्शन के बाद सिनेमाघरों में 1048 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है।

इसी बीच सोशल मीडिया के मशहूर कॉमेडियन और यूट्यूबर भुवन बाम ने किंग खान के साथ फिल्म के ओटीटी स्ट्रीम का एक मजेदार प्रोमो वीडियो शूट किया है, जिसका वीडियो प्राइम वीडियो ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में किंग खान वीडियो की शुरूआत में पठान का डायलॉग बोलते हुए नजर आए, लेकिन शाहरुख को ये पसंद नहीं आता और वो भुवन से कहते हैं, क्या है यर ये आप लोग प्रमोशन में फिल्म का डायलॉग क्यों इस्तेमाल करते हो, कुछ नया नहीं सोच सकते। वहीं भुवन उन्हें कुछ मजेदार लाइन्स सुनाते हैं, जिसके बाद किंग खान कहते हैं, तुमसे नहीं होगा, तुम जाओ कैमरा रोल करो। इस मजेदार वीडियो को सोशल मीडिया पर यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं। भुवन ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर शाहरुख खान के साथ एक फोटो भी शेयर की है। इस फोटो में दोनों एक दूसरे को गले लगाए नजर आ रहे हैं। फोटो के साथ भुवन ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा कि छोटी-छोटी आंखें बड़े-बड़े ख्वाब।

मशहूर सिंगर सोनू निगम के पिता के घर लाखों रुपए की चोरी, मामला दर्ज

मुंबई, (ईएमएस)। मशहूर सिंगर सोनू निगम के पिता अगमकुमार निगम के घर चोरी की घटना हुई है. इस मामले में उनके पूर्व ड्राइवर के खिलाफ पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है. बताया गया है कि सोनू निगम के पिता के घर से 72 लाख रुपये की चोरी हुई है. मिली जानकारी केअनुसार 76 साल के अगमकुमार मुंबई के अंधेरी में विंडसर ग्रैंड बिल्डिंग में रहते हैं। 19 और 20 मार्च को चोरी की वारदात हुई है। बुधवार को सोनू निगम की बहन निकिता ने ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार रेहान नाम का एक ड्राइवर अगमकुमार के यहां करीब आठ महीने तक काम करता था। लेकिन उसका काम संतोषजनक नहीं होने के कारण हाल ही में उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। रविवार 19 मार्च को अगमकुमार अपनी बेटी निकिता के घर वसोर्वा में डिनर के लिए गए थे. उसी दिन शाम को उन्हें पता चला कि घर से 40 लाख रुपए गायब हो गए हैं। घर आकर उन्होंने शाम को बेटी को फोन कर इस बात की जानकारी दी। यह पैसा घर में लकड़ी की अलमारी में डिजिटल लॉकर में रखा हुआ था। अगले दिन अगमकुमार वीजा संबंधी काम से लड़के के घर गए और शाम को लौटे तो उस दिन उन्होंने देखा कि लॉकर से 32 लाख रुपए गायब हैं।

सीसीटीवी फुटेज में नजर आया आरोपी - घर से 72 लाख रुपए गायब होने के बाद अगमकुमार और निकिता ने सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इसमें उन्होंने पूर्व कार चालक रेहान को दोनों दिन चोरी की घटना के दिन पीठ पर बैग लादकर उनके फ्लैट पर जाते देखा था। वह नकली चाबी के सहारे सोनू निगम के पिता के घर में घुसा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया. निकिता की शिकायत के बाद ओशिवारा पुलिस ने कार चालक रेहान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है.

जी रहे थे हम गाने पर डेढ़ घंटे में मिले यूट्यूब पर 576के व्यूज

इस गीत पर दिल दे बैठे लोग, सलमान का चला जादू

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान को इन दिनों जान से मारने की धमकियाँ मिल रही हैं, जिसके चलते उनके घर के बाहर पुलिस चौकी स्थापित की गई है, जिसमें दो इंस्पेक्टर और आठ कांस्टेबल 24 घंटे उनकी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। इसी बीच सलमान खान ने अपनी ईद पर प्रदर्शित होने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान का एक और गीत जी रहे थे हम जारी किया, जिसे श्रोताओं दर्शकों ने हाथों हाथ लिया है। समाचार लिखे जाने तक इस गीत को जारी हुए सिर्फ डेढ़ घंटे में यूट्यूब पर 576के व्यूज मिल चुके हैं। सलमान खान और पूजा हेगड़े स्टारर यह फिल्म ईद के मौके पर यानी 21 अप्रैल को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी। इस फिल्म का फैंस को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है। अब इसी बीच फिल्म की रिलीज से पहले सलमान खान ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल हाल ही में किसी का भाई किसी की जान का नया गाना जी रहे थे हम रिलीज हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म का तीसरा गाना है। सलमान खान और पूजा का यह रोमांटिक सॉन्ग लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। जी रहे थे हम गाने की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि यह गाना बहुत ही एडिक्टिव है। सलमान खान की आवाज चेरी ऑन टॉप है। सलमान एक जीते-जागते लीजेंड हैं। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा कि नो रिमेक, नो डर्टी, नो किसिंग, नो ओवरएक्टिंग, यह प्यूर मेलोडी है। फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी फिल्म किसी का भाई किसी की जान में एक्टर सलमान खान और पूजा हेगड़े के अलावा वेंकटेश दग्गुबाती, जगपति बाबू, भूमिका चावला, अभिमन्यू सिंह, शहनाज गिल, जस्सी गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, पलक तिवारी जैसे सेलेब्स भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस शहनाज गिल और श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं।

जूनियर एनटीआर 23 मार्च से लौटेंगे काम पर

जूनियर एनटीआर 23 मार्च से एनटीआर 30 की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। आरआरआर के एक्टर्स के लिए काम पर वापस लौटने का समय आ गया है। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने घोषणा की कि फिल्म की मुहूर्त पूजा 23 मार्च, 2023 को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। जूनियर एनटीआर के फैंस आखिरकार जश्न मना सकते हैं क्योंकि उनका अगला मोस्ट अवेटिड प्रोजेक्ट एनटीआर 30 के मेकर्स ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया। इस खबर को शेयर करते हुए एनटीआर 30 के मेकर्स ने लिखाः स्टॉर्म अलर्ट। एनटीआर 30 का मुहूर्त पूजा 23 मार्च को। फिल्म में जाह्नवी कपूर भी हैं और इसका निर्देशन जनता गैराज के निर्देशक कोराताला शिवा करेंगे। आर्ट के लिए साबू सिरिल और एडिटिंग के श्रीकर प्रसाद होंगे। एनटीआर 30 का निर्माण एनटीआर आट्र्स के हरि कृष्ण के। और युवसुधा आट्र्स के सुधाकर मिकिलिनेनी द्वारा किया गया है और इसे 5 अप्रैल, 2024 को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा।

मैं हूं ना का क्लाईमैक्स कुछ और था: सुनील शेट्टी

-शाहरुख ने बदल दिया था क्लाइमैक्स

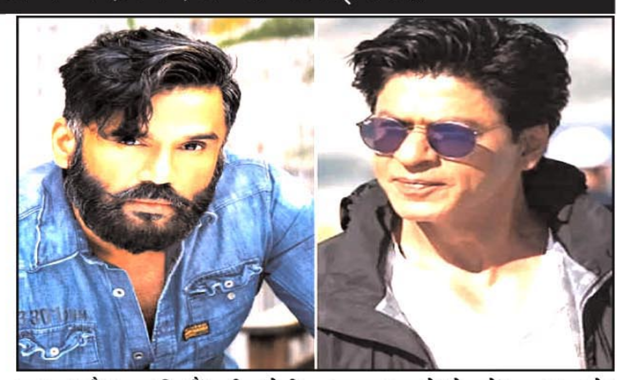

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने शाहरुख खान के साथ फिल्म मैं हूं ना में काम किया था। इस फिल्म में शाहरुख हीरो थे तो वहीं सुनील शेट्टी एक विलेन यानी आतंकी के रोल में थे। सुनील शेट्टी ने हाल ही एक इंटरव्यू में बताया है कि मैं हूं ना का क्लाईमैक्स कुछ और था, लेकिन शाहरुख ने उनकी वजह से उसे बदलवा दिया। सुनील शेट्टी ने यह भी बताया कि शाहरुख खान किस तरह खुद को एक आर्टिस्ट और अन्य एक्टर्स को सुपरस्टार की तरह ट्रीट करते हैं। सुनील शेट्टी इस समय हेरा फेरी 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जहां वह एक बार फिर अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ रीयूनाइट हुए हैं, वहीं संजय दत्त के साथ भी काम कर रहे हैं। सुनील शेट्टी ने इन सभी एक्टर्स संग काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। शाहरुख के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए सुनील शेट्टी ने कहा, मैंने उनके (शाहरुख खान) साथ मैं हूं ना शूट की थी और वह अपने एक्टर्स को सुपरस्टार्स की तरह ट्रीट करते थे। शाहरुख इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा सिक्योर एक्टर हैं। उनके जैसा मैंने कोई नहीं देखा। मैं हूं ना के क्लाइमैक्स सीन में वह पीछे हट गए और कहा कि मैं सुनील शेट्टी को नहीं पीट सकता। मुझे कुछ करना होगा। उन्होंने बम का पिन निकाला, हाथ में पकड़ा और कहा कि मैं फिजिकली मैं सुनील शेट्टी को नहीं पीट सकता। वह इतने सिक्योर इंसान हैं। सुनील शेट्टी ने बताया कि शाहरुख उनका इतना अधिक सम्मान करते हैं कि फिल्म में उन्हें पीटने से इनकार कर दिया और क्लाइमैक्स ही बदल डाला।

सुनील शेट्टी के मुताबिक, शाहरुख सच में एक चार्मर हैं जो किसी का भी दिल जीत लेते हैं। वह सिर्फ महिलाओं ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी प्रभावित कर देते हैं। मैं हूं ना को फराह खान ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में सुनील शेट्टी आतंकी राघवन दत्ता के रोल में नजर आए थे। उन्हें इसमें निभाए नेगेटिव रोल के लिए फिल्मफेयर का नॉमिनेशन भी मिला था। वहीं शाहरुख खान को बेस्ट एक्टर का नॉमिनेशन मिला था। यह फिल्म 2004 में रिलीज हुई थी। सुनील शेट्टी अब जल्द ही हेरा फेरी 3 में नजर आएंगे। हाल ही उनकी सीरीज हंटर रिलीज हुई है, जिसमें वह एसीपी विक्रम चौहान के रोल में हैं। बता दें कि एक्टर सुनील शेट्टी को बॉलीवुड में 31 साल पूरे हो चुके हैं। तीन दशक लंबे करियर में सुनील शेट्टी ने कई हिट फिल्में दीं और नामी फिल्ममेकर्स संग काम किया। उन्होंने संजय दत्त से लेकर अजय देवगन, अक्षय कुमार और शाहरुख खान तक के साथ फिल्में कीं।

कृति सेनन की खूबसूरती पर यूजर ने उठाए सवाल

एक्ट्रेस कृति सेनन की खूबसूरती पर यूजर ने सवाल उठा दिया है, जो इंटरनेट पर अब चर्चा का विषय बन चुका है। बॉकी कई अभिनेत्रियों की तरह कृति ने भी प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। दरअसल, रेडिट पर एक यूजर ने एक्ट्रेस का एक फोटो वायरल शेयर किया है, जिसमें उनकी देन एंड नाउ वाली तस्वीर का कोलाज नजर आ रहा है। फोटो को देखकर लोग यही अनुमान लगा रहे हैं कि कृति ने अपनी नाक की सर्जरी करवाई है। पहले की फोटोज में कृति की नाक फूली हुई नजर आ रही है, तो वहीं अभी की तस्वीरों में कृति के नाक की चौड़ानी पहले की तुलना में कम है और शेप में है। हालांकि, इस फोटोज के वायरल होने के बाद नेटिजन्स कृति को ट्रोल नहीं बल्कि उनकी तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि जो भी करवाया है बहुत अच्छे से करवाया है।

मानुषी छिल्लर बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग व्यस्त

आजकल पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और अलाया फर्नीचरवाला फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग व्यस्त चल रही हैं। दोनों एक्ट्रेस का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर छा रहा है। इस वीडियो में मानुषी और अलाया शाहरुख खान के गाने इट्स द टाइम टू डिस्को लंदन की सड़कों पर जमकर डांस करती हुईं नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए मानुषी ने कैप्शन में लिखा है- शूट के बीच में कुछ शूट। फैंस के साथ साथ सेलेब्स को भी दोनों एक्ट्रेसेस का यह वीडियो खूब पसंद आ रहा है। वीडियो पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। करण जौहर ने भी हार्कट इमोजी के साथ अपना रिएक्शन दिया है। फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की बात करें तो इस फिल्म का डायरेक्शन अली अब्बास जफर करगें। वहीं निमार्ता वाशू भगनानी के साथ अक्षय कुमार का यह चौथा प्रोजेक्ट है। फिल्म में मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका है, जिसकी शूटिंग अब शुरू हो गई है।यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की अहम किरदारों में हैं।

एमटीवी रोडीज के लेटेस्ट सीजन का टीजर रिलीज

एमटीवी रोडीज सीजन 19 के ऑन-ग्राउंड ऑडिशन जल्द शुरू होंगे। इंडियन टेलीविजन का सबसे पावरफुल एडवेंचर रियलिटी शो का नया सीजन एमटीवी इंडिया पर धमाकेदार वापसी करने जा रहा है। एमटीवी रोडीज के लेटेस्ट सीजन का टीजर रिलीज हो गया है जिसे देखकर शो के दमदार होने का अंदाजा लगाया जा सकता है।! एमटीवी रोडीज-कर्म या कांड का विजुअली टीजर काफी दमदार और दिलचस्प है। अगर आपको लगता है कि आप भारत के सबसे ग्रैंड यूथ एडवेंचर रियलिटी टेलीविजन शो का हिस्सा बनना चाहते हैं तो अपने नजदीकी शहर में ऑडिशन के लिए जल्द साइन अप करें।एमटीवी रोडीज ने अपने पिछले सीजन से देश भर में बड़े पैमाने पर फैन-फॉलोइंग बनाई है। ऑन-ग्राउंड ऑडिशन जल्द ही आने वाले हैं, यह आपके लिए अब तक की सबसे बड़े सफर का हिस्सा बनने का संकेत है।

फिल्म भोला पर टिकी सबकी निगाहें, 2 घंटे में बिके 1200 टिकट

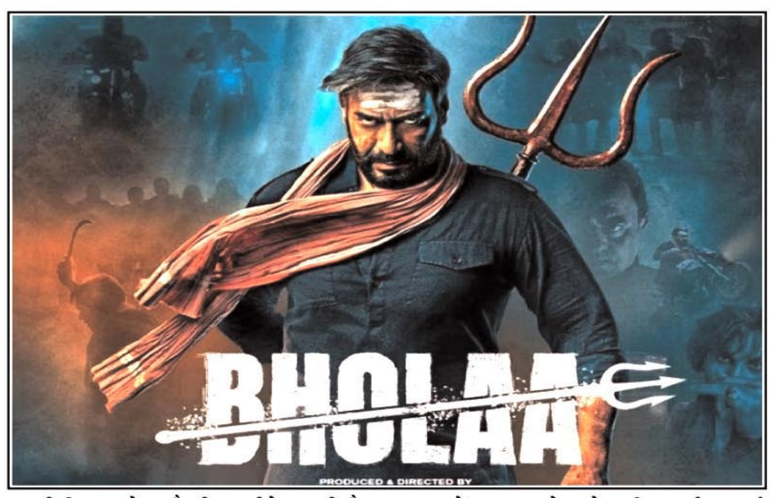

मुंबई (ईएमएस)। वर्ष की पहली तिमाही के अंतिम दिन प्रदर्शित होने वाली फिल्म भोला पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। गत वर्ष की फिल्म दृश्यम-2 की अप्रत्याशित सफलता के बाद अजय देवगन एक बार फिर से दर्शकों के सामने आ रहे हैं। हर फिल्म की तरह इस फिल्म में भी उनके साथ तब्बू मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। भोला के योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे प्रचार-प्रसार के बलबूते पर अजय देवगन ने दर्शकों को अपने साथ जोडऩे में सफलता प्राप्त कर ली है। इस बात का सबूत हमें कल मिला जब फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होते ही 2 घंटे में इस फिल्म के 1200 से ज्यादा टिकट बिक गए। यह साबित करता है कि दर्शक भोला को लेकर खासे उत्साहित हैं। खुद अजय द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2019 की तमिल फिल्म कैथी की आधिकारिक हिन्दी रीमेक है, जिसका निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया था और मुख्य भूमिका में कार्थी नजर आए थे। हालांकि अजय देवगन का कहना है कि उनकी फिल्म भोला कैथी का रीमेक नहीं है, अपितु यह उस पर आधारित है। गौरतलब है कि रीमेक होने के बावजूद अजय देवगन की दृश्यम-2 ने सभी को चौंका दिया था, क्योंकि आधिकारिक रीमेक होने के बावजूद, इसने भारत में 200 करोड़ से अधिक की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर कमाल का काम किया था। अभिषेक पाठक निर्देशित इस फिल्म में काफी बदलाव किया गया था। यही काम अजय देवगन ने भोला में किया है। फिल्म की एडवांस बुकिंग रविवार को शुरू हुई। यह एक दिलचस्प कदम है, क्योंकि रिलीज 30 मार्च को निर्धारित है और अभी भी 11 दिन बाकी हैं। अजय देवगन अभिनीत फिल्म प्रभावशाली प्रदर्शन कर रही है क्योंकि 2-3 घंटों के भीतर, आईमैक्स और 4डीएक्स संस्करणों सहित पूरे देश में 1200+ टिकट बिक चुके हैं। निमार्ताओं ने ब्लॉकबस्टर मूल्य निर्धारण रणनीति का विकल्प चुना है, जो भोला को बड़ी मदद कर रही है। कल रात के अपडेट के अनुसार, फिल्म ने एडवांस बुकिंग में 7.05 लाख की कमाई की, जिसमें आईमैक्स 3डी संस्करण के लिए 4.25 लाख की कमाई शामिल है। यह अब तक का एक प्रभावशाली प्रदर्शन है और हम उम्मीद करते हैं कि जैसे-जैसे हम रिलीज की तारीख के करीब आएंगे, भोला और गति पकड़ेगी। बता दें कि वर्ष 2023 हिन्दी सिनेमा के लिए अच्छी शुरूआत रही है। वर्ष की पहली तिमाही में हिन्दी बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ का कारोबार हो चुका है।

सूडोकु नवताल- 6379

★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6378 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्दजाल- 7126

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फा	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पा	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	ऱ	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांगलादेश, रूस, नाइजीरिया, जापान.

शब्दजाल - 7125 का हल

म	क	मु	ग	ल	ए	आ	ज	म	ल	व
द	वि	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	ड़
र	स	ल	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	न	दि	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	ल	ज	ना	तू	ग	झ	क
या	ल	द	र	दि	झ	उ	ती	ण	घ	क
ती	व	ल	मी	या	प	बै	जू	बा	व	रा
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	ए	श	क
क	ड	ल	प	र्द	गी	स	री	औ	प	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	द
क	ड	ल	प	या	प	स	व्य	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6079

	7	3		5	6	2
6	37		32		26	
5	2		4	1		3
	32	4	32		32	
3	6			7		5
7	33	2	29	6	40	7
		5	1		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6078 का हल

3	2	7	6	4	5	1
4	28	2	38	2	31	7
1	5	4	6	7	2	3
6	28	3	36	5	38	6
5	3	1	4	6	7	2
7	34	5	29	3	35	5
2	5	6	3	1	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

फुटबॉल में भारत ने म्यांमार को 1-0 से हराया, थापा ने स्कोर किया गोल, अगला मैच किर्गिजस्तान के खिलाफ

नई दिल्ली।
इंडियन सुपर लीग अब खत्म हो चुकी है। अब इंटरनेशनल फुटबॉल का भी आगाज हो गया है। इस समय भारतीय फुटबॉल टीम किर्गिजस्तान और म्यांमार के खिलाफ ट्राई सीरीज खेल रही है। पहला मैच भारत और म्यांमार के बीच मणिपुर की राजधानी इम्फाल में खेला गया। भारत ने यह मुकाबला 1-0 से जीता।

मैच के पहले हाफ के एक्स्ट्रा टाइम में भारत के अनिरुद्ध थापा ने इकलौता गोल दागा। हालांकि, पूरे मैच के दौरान भारत ने ही दबदबा बनाए रखा। भारत अगला मैच किर्गिजस्तान के खिलाफ 28 मार्च को खेलेगा।

पहले हाफ में चांस बनाए

भारतीय विंगर्स बिपिन सिंह और लालियानजुआला चांगते शुरू से ही फिल्ड में एक्टिव दिखे। कप्तान सुनील छेत्री ने कई बार क्रॉस कर गोल का चांस बनाने का प्रयास किया। वहीं जैक्सन सिंह ने भी शानदार प्रदशर्शन किया। उन्होंने म्यांमार के खिलाफ शानदार डिफेंस किया।

आखिर में गोल आया राइट बैक से राहुल भेके ने म्यांमार के पाले में क्रॉस किया। वहां सही समय पर सही जगह थापा खड़े थे। उन्होंने बिना कोई गलती किए बॉल को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में नहीं आया गोल

भारत के हेड कोच इगोर स्टिमाक दूसरे हाफ में मोहम्मद यासिर की जगह सुरेश वांगजाम को लेकर आए। इसके तुरंत बाद, लोकल प्लेयर नौरेम महेश सिंह ने अपनी शुरुआत की, क्योंकि उन्होंने और मनवीर सिंह ने बिपिन सिंह और चांगते की जगह ली। छेत्री ने थापा को क्रॉस दिया और थापा ने दूसरे हाफ में फिर गोल दाग दिया। लेकिन रेफरी ने इसे ऑफसाइड करार दिया गया। जैसे-जैसे समय बीतता गया, जमशेदपुर एफसी के मिडफील्डर ऋत्विक दास को भी डेब्यू का मौका मिल गया। दास और रोशन सिंह ने आकाश मिश्रा और थापा की जगह ली।

फीफा रैंकिंग में भारत 106वें नंबर पर

फीफा वर्ल्ड फुटबॉल मेंस टीम रैंकिंग में भारत इस समय 106 वें नंबर पर है। म्यांमार 159वी पोजीशन पर है। 20वें नंबर पर जापान एशिया की टॉप टीम है। वहीं, श्रीलंका 207 पॉइंट्स के साथ एशिया की सबसे कमजोर टीम है।

न्यूज ब्रीफ

गोलकीपर ने 101 मीटर दूर से किक मारीः सबसे लंबी दूरी के गोल का रिकॉर्ड बन सकता है

चिली। लैटिन अमेरिका केचिली में टॉप डिवीजन फुटबॉल लीग में हैरतअंगेज गोल देखने को मिला। केबरे्सल टीम केअर्जेंटीना केगोलकीपर लिएंडरो् रिके ना ने अपने बॉक्स से ही बिना किसी मदद केदूसरे छोर पर बॉल पहुंचा दी और गोल दाग दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो एक किक में बिना किसी को पास किए गोलकीपर ने गोल स्कोर किया। चिली केमुताबिक, गोल ने 101 मीटर की दूरी तय की। अगर गिनीज वल्र्ड रिकॉड्सर् इसे वेरिफाई करता है तो यह फुटबॉल इतिहास में सबसे लंबी दूरी केगोल केरिकॉर्ड को तोड़ देगा। केबरे्सल ने कोलो-कोलो को 3-1 से हराया। मैच चिली की कोबरे्सल और कोलो-कोलो टीम केबीच चल रहा था। कोबरे्सल टीम 77वें मिनट में पहले से ही 2-0 से आगे चल रही थी। काबरे्सल केगोलकीपर लिएंडरो् रिके ना ने पेनल्टी बॉक्स से ही लम्बा शॉट हिट किया। इस दौरान कोलो-कोलो टीम केगोलकीपर बरा्य कोर्टेस पेनल्टी बॉक्स के बाहर थे। बॉल आई और उनकेसिर केऊपर से उछलकर गोल में चली गई। गोल स्कोर करने वाले प्लेयर रेकिवना ने चिली केएक रेडियो शो में कहा - मैंने क्लब मैनेजर मैंने जुआन सिल्वा से पूछा कि क्या रिकॉर्ड रिकॉर्ड बन सकता है। उन्होंने कहा बिलकुल। अब हम देखना चाहते हैं कि वास्तव में दूरी कितनी थी, चिली फुटबॉल फेडरेशन मैदान की लंबाई देखने केलिए ऑफिशियल्स को भेजेगा। पूरा फुटबॉल गरा्उंड 150 मीटर लंबा है।

आईसीसी मेन्स वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में भारत को 21 रन से हराकर गुरुवार को जारी ताजा आईसीसी मेन्स वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।
भारत पर 21 रन की जीत को बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत के 112.638 की तुलना में 113.286 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। 111 अंकों साथ न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड चौथे और पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है।
मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 49 ओवर में 269 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल मॉर्श ने 47, एलेक्स कैरी ने 38, ट्रैविस हेड ने 33 और मार्नस लाबुशेन ने 28 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव और हार्दिक पांड्या ने 3-3 और मोहम्मद सिराज व अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम 49.1 ओवर में 248 रनों पर सिमट गई। भारत के लिए विराट कोहली ने 54, हार्दिक पांड्या ने 40, शुभमन गिल ने 37, केएल राहुल ने 32 और रोहित शर्मा ने 30 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम जाम्पा ने 4, एश्टन एगर ने 2, मार्कस स्टोइनिस और सीन एबॉट ने 1-1 विकेट लिया।

ईएफआई एथलीट आयोग के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा, निर्वाचित समितियों से की निर्णय लेने की मांग

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के सिलेक्शन प्रोसेस के चुनाव मानदंडों में बदलाव करने को लेकर इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया हाई कोर्ट से आलोचना झेल रहा है। इसके साथ ही फेडरेशन को सेना इकाइयों समेत पशु चिकित्सा, ट्रांसपोर्ट कंपनियों की सदस्यता को लेकर भी फैसले का इंतजार है। इन सबके साथ ही अब फेडरेशन को दूसरे छोर से भी हमले झेलने पड़ रहे हैं।
एथलीट कमिशन की चेयरपर्सन का इस्तीफा
2014 एशियन गेम्स में हिस्सा ले चुकीं एथलीट कमिशन की चेयरपर्सन वनिता मल्होत्रा और मेंबर नाडिया हरिदास ने इस हफ्ते अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इन दोनों के इस्तीफे के बाद ना सिर्फ ईएफआई को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी रही है, बल्कि फेडरेशन को रिप्लेसमेंट खोजने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इसने ईएफआई को लेकर कई तरह के सवाल भी खड़े कर दिए हैं कि कैसे फेडरेशन ने खिलाड़ियों की आवाज को लेकर सिर्फ लिप सर्विस का भुगतान किया। गौरतलब है कि ईएफआई ने फेडरेशन के मेल को नजरअंदाज कर दिया था, जिसमें सुझाव दिया गय था कि मानकों को कम करने की जगह मूल चयन दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए या फिर तीन न्यूनतम पात्रता की अंतिम तारीख को जून 2023 तक बढ़ा दिया जाए। माना जा रहा है कि फेडरेशन से उखड़ने के उनके अपने कारण थे।

आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप

भारत ने दूसरे दिन भी दो पदक पर निशाना साधा

भोपाल।
राजधानी के राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित हो रही आइएसएसएफ विश्वकप शूटिंग में मेजबान भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने दूसरे दिन एक रजत व एक कांस्य पदक जीते। चीन तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और आर. नर्मदा नितिन ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, दूसरी स्पर्धा में वरुण तोमर और रिदम सांगवान ने रजत पदक जीतकर भारत के पदकों की दौड़ में बनाए रखा है। भारत एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य सहित कुल चार पदक जीत चुका है। वरुण तोमर का यह चैंपियनशिप में दूसरा पदक है।

गुरुवार को चैंपियनशिप के दूसरे दिन 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम मुकाबले में रुद्राक्ष और नर्मदा की भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन राउंड में जोरदार प्रदर्शन किया और 632 का स्कोर किया और तीसरा स्थान हासिल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने कांस्य पदक वाले मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया। इसमें भारतीय जोड़ी रुद्राक्ष और नर्मदा के सामने चीन के झांग कियोनग्यू और यू हॉनन की जोड़ी नहीं ठहर नहीं सकी। यह मुकाबला भारत ने 18-8 के अंतर से जीतकर कर कांस्य पदक जीता। छठवां राउंड टर्निंग पॉइंट था जब रुद्राक्ष और नर्मदा दोनों ने 10.9 सेकेंड का सटीक शॉट लगाया और कांस्य पदक जीता।

मिक्स्ड टीम एयर राइफल में भारत और चीन दोनों की दो टीमों में एंट्री हुई थी। चीन की दुसरी टीम के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने हंगरी के इस्तवान पेनी और डेन्स एज्र्टर को एक तरफा फाइनल में 16-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, हृदय हजारिका और तिलोटोमा सेन की दूसरी भारतीय जोड़ी ने योग्यता में 628.1 अंक हासिल कर नौवां स्थान हासिल किया।

भारत के वरुण ने दूसरे दिन जीता अपना दूसरा पदक

दूसरे दिन भारत के वरुण तोमर और रिदम सांगवान की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन के कियान वेई और लियू जिनयाओ के खिलाफ 11-17 से हार का सामना करना पड़ा। पहले दिन व्यक्तिगत एयर पिस्टल में कांस्य जीतने के प्रयास के बाद वरुण तोमर का यह टूर्नामेंट का दूसरा पदक है।

फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी शुरुआत में 4-14 पिछड़ गई। इसके बाद कोच की समझाइस के बाद भारतीय जोड़ी शानदार वापसी की और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंत में चीन ने यह मुकाबला 17-11 से जीत कर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले क्वॉलिफिकेशन में कियान और लिउ ने 586 के स्कोर के साथ पहले और वरुण और रिदम 581 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे रहे थे।

हिमानी ने दोहरा खिताब जीत वर्ल्ड बैडमिन्टन चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

जयपुर।
गोवा में 19 से 26 मार्च तक चल रही योनेक्स सनराईज मास्टर्स वेटेरन बैडमिन्टन चैम्पियनशिप 2023 में राजस्थान के विजय पूनियां की पुत्री हिमानी पूनियां ने प्रतियोगिता में दोहरे खिताब जीतकर वर्ल्ड बैडमिन्टन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में अपना स्थान सुरक्षित किया है।

राजस्थान बैडमिन्टन संघ के सचिव एवं भारतीय बैडमिन्टन संघ के प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक के. के. शर्मा ने बताया कि राजस्थान की कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय पूनियां की पुत्री हिमानी पूनियां ने 40 वर्ग की महिला एकल मुकाबले के फाइनल में छत्तीसगढ़ की मनीषा सिंह को 21-16, 21-17 से हराकर प्रतियोगिता में गोल्ड पर कब्जा किया। वहीं, 40 वर्ष महिला युगल में हिमानी पूनियां ने तमिलनाडु की नल्लई गांधीवती के साथ मिलकर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। राजस्थान की हिमानी पूनियां ने पूर्व में कई मेडल जीते हैं और इस वर्ष प्रतियोगिता में दोहरे खिताब प्राप्त कर साउथ कोरिया में होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयनित हुई है। प्रतियोगिता के पारितोषिक वितरण में गोवा के खेलमंत्री गोविन्दराम एवं प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक के.के. शर्मा ने हिमानी पूनियां को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। उनके साथ गोवा बैडमिन्टन संघ के अध्यक्ष नरहरी ठाकुर एवं तमिलनाडु के सचिव अरुणाचल भी उपस्थित रहे।

लगातार तीन मैचों में बिना खाता खोले पहली गेंद पर आउट हुए सूर्यकुमार, शर्मनाक लिस्ट में हुए शामिल

नई दिल्ली। टी20 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को लगातार तीसरे मैच में बिना खाता खोले आउट हुए। तीसरे वनडे में भी उन्हें अपनी पहली ही गेंद पर आउट होकर वापस पवेलियन जाना पड़ा। शुरुआती दो मैचों में जहां सूर्या को एक ही अंदाज में मिचेल स्टार्क ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया था। वहीं, तीसरे मैच में वह एश्टन एगर की गेंद पर बोल्ड हो गए। सूर्यकुमार के खराब फॉर्म का असर यह हुआ कि अब उनके वनडे में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

पोलार्ड ने मुंबई के बल्लेबाजी कोच के रूप में अपना आईपीएल प्री-सीज़न शुरू किया

मुंबई।
वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड, मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच के रूप में अपने पहले प्री-सीजन अभ्यास सत्र के लिए पहुंचे। पोलार्ड हमेशा अग्रणी रहे हैं, और खिलाड़ी अक्सर उनके पास जाते हैं और सलाह लेते हैं, और अब, एक पूर्णकालिक भूमिका के साथ, युवा क्रिकेटर, जो उनकी सफलता को दोहराने की आकांक्षा और सपने देखते हैं, उनके साथ और भी अधिक समय बिताने के लिए उत्सुक हैं।

टीम के पहले अभ्यास सत्र के अंत में कीरोन पोलार्ड ने कहा, 'मुंबई इंडियंस के लिए खेलने और मुंबई के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की भावना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए बहुत कुछ किया है और मुझे लगता है कि अब मुझे उनके लिए कुछ करना है। एक खिलाड़ी के दृष्टिकोण से उनके लिए मेरे पास बहुत कुछ है, मुझे लगता है कि यह सिर्फ क्रिकेट मैच और इस तरह की चीजों से कहीं अधिक है। मेरे लिए कुछ भी नहीं बदलेगा, मैं लोगों के आसपास उसी तरह के व्यक्तित्व और चरित्र के साथ रहूंगा।'

पोलार्ड ने पिछले साल नवंबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा की और आईपीएल 2023 के लिए टीम में ल्लेबाजी कोच के रुप में वापसी की।

जब से उन्होंने 2010 में मुंबई के साथ करार किया, पोलार्ड फ्रैंचाइज़ी के मार्की खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने उन्हें कई मैच जिताए। पक्ष के लिए 189 मैचों में, पोलार्ड ने 28.67 के औसत से 16 अर्धशतकों के साथ 3,412 रन बनाए। उन्होंने पांच बार की चैंपियन टीम के लिए 69 विकेट भी लिए हैं।

लेकिन 2022 में मुंबई के साथ पिछला सीजन उनके लिए थोड़ा खराब रहा। 11 मैचों में, वह 25 के उच्चतम स्कोर के साथ, 14.40 के औसत और 107.46 की खराब स्ट्राइक रेट से केवल 144 रन ही बना सके और केवल चार विकेट लिए।

विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप : नीतू-लवलीना के बाद निकहत और स्वीटी के पदक पक्के, जैस्मिन-साक्षी बाहर

नई दिल्ली।
गत विजेता निकहत जरीन ने विश्व महिला मुक्केबाजी में एक और पदक पक्का कर लिया है। उन्होंने 50 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले में थाईलैंड की रक्सत को 5-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दो बार की विश्व यूथ चैंपियन हरियाणा की नीतू (48) और स्वीटी बूरा (81 भार वर्ग) ने क्वार्टर फाइनल आसानी से जीतकर पदक पक्के किए।

स्वीटी ने नौ साल पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत जीता था। यह उनका दूसरा पदक होगा, लेकिन पदक की दावेदार बीते वर्ष इस्तांबुल विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता मनीषा मौन (57) और साक्षी (52), जैस्मिन (60) को अंतिम-8 में हार का सामना करना पड़ा।

पांच साल पहले निकहत ने यहीं टीम को कराई थी प्रैक्टिस-निकहत के लिए यहां पदक जीतना खास है। बाउट के दौरान उनके माता-पिता भी मौजूद थे। पांच साल पहले जब इसी स्टेडियम में विश्व चैंपियनशिप हुई थी तो निकहत टीम में नहीं थी। वह याद करती हैं कि वह भारतीय टीम को प्रैक्टिस कराने के लिए चैंपियनशिप में बुलाई गई थीं, लेकिन वह पूरी चैंपियनशिप में रहीं। तभी से उनका सपना है कि अपने देश में विश्व चैंपियनशिप में वह पदक जीतें।

पहले दो दौर 3-2 के स्कोर से जीतने के बाद तीसरे दौर में रक्सत ने निकहत को कुछ जोरदार पंच लगाए, जिससे मुकाबले की समीक्षा करनी पड़ी। दूसरे रिंग पर चल रहे मुकाबले के विजेता की घोषणा होने पर रेफरी रक्सत का हाथ उठाने जा रहे थे, लेकिन उन्हें गलती का अहसास हो गया। अंत में निकहत ही विजेता बनीं। निकहत ने आज भी कहा कि रोजाना वह भी शाम को मुकाबले होने से वह पूरी तरह अपने को फिट नहीं रख पा रही हैं।

नीतू के मुक्कों पर रेफरी ने फिर रोका मुकाबला-बीते माह स्ट्रैंड्जा कप में स्वर्ण जीतकर आ रहीं नीतू के लिए अब तक यह टूर्नामेंट शानदार रहा है। उन्होंने अपने तीनों ही मुकाबले आरएससी (रेफरी की ओर से मुकाबला रोकना) से जीते हैं। पहले दो बाउट उन्होंने पहले दौर में जीते थे। क्वार्टर फाइनल में जापान की मादोका वादा को उन्होंने दूसरे दौर में बाहर किया। पहले दौर में बाई पाने वाली सर्वोच्च वरीय स्वीटी का यह पहला मुकाबला था। उन्होंने 2018 की विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली बेलारूस की विक्टोरिया केबीकावा को 5-0 से हराया।

साक्षी को चीन की वू यू ने और जैस्मिन को कोलंबिया की वाल्दोज एंजी पाओना ने 0-5 से पराजित किया। वू यू वही हैं जिन्हें मैरी कॉम ने 2018 में यहीं हुई विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में बुरी तरह परास्त किया था, लेकिन आज उन्होंने साक्षी को कोई मौका नहीं दिया। जैस्मिन भी वाल्दोज के आक्रामक खेल का शुरू से जवाब नहीं दे पाईं। हालांकि मनीषा मौन ने फ्रांस की अमीना जिदानी के खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन उन्हें 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल में टॉस के बाद चुन सकेंगे प्लेइंग-11

विकेटकीपर-फील्डर के गलत मूवमेंट पर पेनल्टी, बैटिंग टीम को मिलेंगे 5 रन

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का नया सीजन 31 मार्च से शुरू हो रहा है। 10 टीमों के सीजन में इस बार कुछ नए रूल भी जुड़ रहे हैं। टीमें अब टॉस में बैटिंग या बॉलिंग का फैसला करने के बाद प्लेइंग-11 चुन सकेंगी। टॉस के बाद ही टीमों को 4 इम्पैक्ट प्लेयर भी बताने होंगे।

इनके अलावा भी आईपीएल के 16वें सीजन में नियमों में बदलाव करने के साथ नए नियम भी जोड़े गए हैं। आगे स्टोरी में हम इन्हीं नियमों को समझेंगे।

2 प्लेइंग-11 के साथ आएंगे कप्तान-आईपीएल मैच में दोनों टीमों के कप्तान अब टॉस के दौरान 2 टीमें लेकर आ सकेंगे। टॉस के बाद जब उन्हें पता लगेगा कि पहले बैटिंग या बॉलिंग आई है, तब वे उसी हिसाब से प्लेइंग-11 सिलेक्ट कर सकेंगे। इससे पहले 15 सीजन तक टीमें टॉस के दौरान एक ही प्लेइंग-11 लेकर आती थीं। टॉस होने के बाद भी उन्हें उसी टीम के साथ खेलना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

4 इम्पैक्ट प्लेयर्स भी टॉस के बाद ही-आईपीएल में इस सीजन से नए इम्पैक्ट प्लेयर का रूल भी जोड़ा जा रहा है। दोनों टीमों को टॉस होने के बाद ही 4-4 इम्पैक्ट प्लेयर भी बताने होंगे। इन्हीं 4 इम्पैक्ट प्लेयर्स में से टीमें किसी एक प्लेयर को मैच के दौरान प्लेइंग-11 में शामिल खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकेंगी। मैच में दोनों पारियों के दौरान 14 ओवर तक इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल कर खिलाड़ी को रिप्लेस कर सकेंगे।

एक टीम पूरे मैच के दौरान सिर्फ एक बार इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकेगी। वह चाहे तो पहली पारी के 14 ओवर तक रिप्लेसमेंट ले या फिर दूसरी पारी के 14वें ओवर तक।

इम्पैक्ट प्लेयर पूरे 4 ओवर बॉलिंग कर सकेगा-टीमें उस खिलाड़ी को भी रिप्लेस कर सकेंगी जो मैच में बैटिंग या बॉलिंग कर चुका हो। इम्पैक्ट प्लेयर को अपने खाते के पूरे चार ओवर गेंदबाजी के लिए मिलेंगे। साथ ही पारी में जितने ओवर बचेंगे वह उतने ओवर बल्लेबाजी भी कर पाएगा। हालांकि, एक इनिंग में किसी टीम के ज्यादा से ज्यादा 10 विकेट ही गिर सकते हैं।

एसए 20 से आया है यह रूल-आईपीएल में टॉस के बाद टीमें जारी करने का नियम साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग एसए 20 की तरह ही है। वहां ही सबसे पहले टॉस के बाद टीमें अनाउंस करने का नियम शुरू किया गया। उस नियम में दोनों टीमों के कप्तानों को टॉस से पहले 13 खिलाड़ी बताने होते थे और टॉस के ठीक बाद बैटिंग या बॉलिंग आने पर कप्तान किन्हीं 2 खिलाड़ियों को हटा सकते थे। इस नियम से टॉस का असर लगभग खत्म हुआ। टूर्नामेंट के 33 में से 16 मैच टॉस हारने वाली टीमों ने और 15 मैच टॉस जीतने वाली टीमों ने जीते। 2 मैच बेनतीजा रहे।

आईपीएल में भी खत्म होगा टॉस का प्रभाव-आईपीएल में भी टॉस का प्रभाव खत्म करने के मकसद से ही इस रूल को लाया गया है। 2019 में आखिरी बार जब आईपीएल होम और अवे फॉर्मेट में हुआ था। तब 60 मैचों में से 34 मैच टॉस जीतने वाली टीमों ने ही जीते थे। टॉस हारने वाली टीमों ने 23 मैच जीते थे, वहीं बाकी मैच सुपर ओवर में गए या फिर बारिश या किसी अन्य कारण से बेनतीजा रहे।

आईपीएल कंडीशन में ये बदलाव भी हुए-1. सभी टीमों को पारी के 20 ओवर पूरे करने के लिए 75 मिनट दिए जाते हैं। इस टाइम में ओवर नहीं करने पर जितने ओवर बाकी रहेंगे, उतने ओवरों के लिए 5 की जगह 4 फील्डर्स ही 30-यार्ड सर्कल के बाहर रह सकेंगे।

2. बॉलिंग के दौरान विकेटकीपर या फील्डर गलत तरीके से मूवमेंट करता है तो उस गेंद को डेड बॉल करार दिया जाएगा। साथ ही फील्डिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी भी लगाई जाएगी। गलत मूवमेंट यानी फील्डर द्वारा बॉलिंग के समय कुछ भी ऐसा करना जिससे बैटर का ध्यान डिस्ट्रैक्ट हो या फील्डर बॉल होने से पहले ही अपनी फील्डिंग पोजीशन बदल ले।

अपनी मेड के पैर छूती हैं रश्मिका

रश्मिका मंदाना उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से एक हैं जिन्होंने अपने काम के दम पर कम समय में ही इंडस्ट्री में अपनी अच्छी पहचान बना ली है। नेशनल क्रश रश्मिका की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। जो उनकी हर एक्टिविटी पर नजर रखती है। अब एक्ट्रेस ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में ये खुलासा किया कि वो अपनी हाउस हैल्पर के भी पैर छूती हैं। रश्मिका जब भी घर जाती हैं तो वो सभी के पैर छूती हैं। उन्होंने अपनी मेड के पैर छुने की दिल छू लेने वाली वजह बताई। हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के अनुसार बाजार इंडिया को दिए इंटरव्यू में रश्मिका ने बताया कि मेरे लिए छोटी चीजें मायने रखती हैं। मैं जागती हूं और अपने पालतू जानवरों के साथ समय बिताती हूं। अपने दोस्तों से भी मिलती हूं, इससे मुझे खुशी मिलती है। शब्द वास्तव में शक्तिशाली होते हैं और वो किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकते हैं, यही कारण है कि जब कोई कुछ कहता है, तो ये मेरे लिए मायने रखता है। मैं अपनी डायरी में छोटी से छोटी बात लिखती हूं... जब घर जाती हूं, मुझे सम्मान के लिए सभी के पैर छूने की आदत है, मैं अपने हाउस हेल्प के भी पैर छूती हूं, क्योंकि मैं अंतर नहीं करना चाहती। मैं सभी का सम्मान करती हूं... एक व्यक्ति के रूप में मैं यही हूं। ये पूछे जाने पर कि क्या उनके पेरेंट्स को उन पर प्राउड फील होता है, रश्मिका ने बताया कि वास्तव में नहीं, क्योंकि मेरा परिवार फिल्म उद्योग से अलग हो गया है और उन्हें नहीं पता कि उनकी बेटी क्या कर रही है। लेकिन जब मैं अवॉर्ड जीतती हूं तो उन्हें गर्व महसूस होता है। शायद मुझे उन्हें मुझ पर गर्व करने के लिए और भी बहुत कुछ हासिल करने की जरूरत है। मेरे पैरेंट्स ने मुझे बिना किसी हिचकिचाहट के पाला है, उन्होंने मुझे वो सब कुछ प्रदान किया है जो एक बच्चा मांग सकता है, और मैं इसके लिए आभारी हूं और अब उनकी देखभाल करने की बारी मेरी है... रश्मिका मंदाना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2016 में आई कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से की थी। इस फिल्म में उनके रोल को काफी पसंद किया गया। जिसके बाद उन्होंने कई साउथ फिल्मों में काम किया। हाल ही में रिलीज हुई मिशन मजनू एक्ट्रेस की लास्ट फिल्म थी। वहीं अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो एक्ट्रेस फिलहाल पुष्पा फ्रेंचाइजी पुष्पा: द रूल की शूटिंग में बिजी चल रही हैं साथ ही रश्मिका बॉलीवुड फिल्म एनिमल में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके अपोजिट रणबीर कपूर भी लीड रोल में रहेंगे।

कम उम्र में ही सफेद होने लगे हैं बाल तो आंवला और मेथी से पाएं नेचुरल ब्लैक हेयर

आज-कल के समय में बिगड़ी हुई लाइफ स्टाइल और खान-पान की वजह से कम उम्र में ही लोगों के शरीर में कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। इसका सीधा असर बालों और त्वचा पर पड़ता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव की वजह से कम उम्र में ही बाल सफेद होने की समस्या सामने आने लगती है। इस परेशानी से आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति परेशान होता है। अपने सफेद बालों को छिपाने के लिए लोग हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे बाल और ज्यादा खराब होने लगते हैं। बाजार में मिलने वाले हेयर कलर्स में कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं। इसी परेशानी को देखते हुए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप घर पर ही नेचुरल ब्लैक हेयर पा सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा रुपए खर्च करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

करें आंवला और मेथी का इस्तेमाल : अगर आप अपने बालों को नेचुरल तरीके के काला करना चाहते हैं तो आंवला और मेथी का हेयर मास्क तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले तीन बड़े चम्मच आंवला और मेथी के पाउडर को मिलाकर इसमें थोड़ा सा पानी मिलाएं और इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे बालों में लगाकर सूखने दें और एक घंटे बाद धो दें। कुछ महीने बाद इसका असर दिखने लगेगा।

ब्लैक टी है बेहद फायदेमंद : बालों के लिए ब्लैक टी बेहद फायदेमंद होती है। इसे बालों में लगाने के लिए आप एक कप पानी में दो बड़े चम्मच ब्लैक टी और एक चम्मच नमक को अच्छे से उबाल लें। इस पानी को ठंडा होने पर इसी से बाल धोएं। इसके इस्तेमाल से आपके बालों में चमक आएगी।

मेहंदी और कॉफी है बेहद फायदेमंद : बालों को नेचुरल तरीके से काला करने के लिए मेहंदी और कॉफी का मास्क काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सबसे पहले एक कप पानी में एक चम्मच कॉफी डालकर अच्छे से उबाल लें। ठंडा होने के बाद इसमें मेहंदी पाउडर मिलाएं। इस मास्क को कुछ देर के लिए बालों में लगा छोड़ दें। एक घंटे के बाद इसे धो दें।

प्याज का रस करें इस्तेमाल : बालों के लिए प्याज का रस बेहद फायदेमंद होता है। इसके लिए प्याज के रस को निकाल कर अपने बालों की जड़ों में लगाएं और तीस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे अच्छे से धो लें। इसके इस्तेमाल से आपके बाल झड़ने की समस्या भी दूर होगी।

शारीरिक समस्याओं से निजात पाने के लिए फायदेमंद होता है नींबू का रस

भारतीय किचन में कई ऐसे सामान मिल जाएंगे जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इनके सेवन और उपयोग से कई तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात पाया जा सकता है। साथ ही कई बीमारियों के खतरे को भी कम किया जा सकता है। इन्हीं में से एक नींबू है। बता दें कि नींबू में कई औषधीय गुण होते हैं। फेस से दाग-धब्बों और मुहासों को हटाने से लेकर स्वास्थ्य से जुड़ी कई अन्य समस्याओं में भी नींबू का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींबू को आयुर्वेद में महत्वपूर्ण फल माना जाता है। विशेषज्ञ नींबू को सर्वश्रेष्ठ रोग नाशक और रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले फल के तौर पर मान्यता देते हैं। वहीं नींबू को घरेलू उपचार के अलावा दवा के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं इसके नियमित सेवन से होने वाले फायदे के बारे में...

पेट की समस्या में लाभकारी

कब्ज

अगर आपको पेट संबंधी समस्या है तो नींबू का उपयोग आपके लिए फायदेमंद होता है। पाचन संबंधी समस्या या पेट संबंधी अन्य समस्या में नींबू के रस का सेवन आपको फायदा पहुंचाएगा। इसके लिए आपको सुबह खाली पेट 2 ग्लास पानी में एक नींबू का रस और थोड़ा सा नमक मिलाकर पीना है। शाम को भी यह पानी पीएं। इससे आपको कब्ज आदि से राहत मिलेगी।

उल्टी

अगर आपको उल्टी या मितली आ रही हैं तो आधे कप में नींबू का रस, जीरा और इलायची के दाने को पीसकर मिक्स कर लें। दो-दो घंटे बाद इस पानी को पीने से आपको राहत मिलेगी और उल्टी आना बंद हो जाएगी।

खट्टी डकारें

कई बार खाना सही से नहीं पच पाता है। जिसके कारण शरीर में अम्लता बढ़ने लगती है और इसी कारण खट्टी डकारें आना शुरू हो जाती है। खट्टी डकारों से निजात पाने के लिए पानी में नींबू का रस, थोड़ी चीनी और थोड़ा नमक मिलाकर पीने से खट्टी डकारें आना बंद हो जाती हैं।

दाग-मुहांसे

कई बार लोगों की त्वचा पर दाग-धब्बे और मुंहासे आदि निकलने लगते हैं। जिससे लोग परेशान होते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच मलाई में इक चौथाई नींबू का रस मिलाकर इसे रोजाना फेस पर लगाएं। इससे आपकी रंगत साफ होने के साथ ही दाग-धब्बे और मुंहासों से भी राहत मिलेगी। एक महीने नियमित इस प्रक्रिया को अपनाने से आपको फर्क साफ नजर आने लगेगा।

वेट लॉस

वजन कम करने और मोटापा घटाने के लिए नींबू का रस फायदेमंद माना जाता है। इससे आपका तेजी से वेट लॉस होता है।

इसके लिए आपको प्रतिदिन सुबह एक गिलास पानी में नींबू के रस में दो चम्मच शहद मिलाकर सेवन करना चाहिए। आपको इसका असर जल्द ही नजर आने लगेगा।

हेयरफॉल

अगर आपके भी बाल काफी टूट या झड़ रहे हैं तो नींबू आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। नींबू के इस्तेमाल से बालों का झड़ना रुक जाता है। इसके लिए आपको पके केले में नींबू का रस मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को रोजाना बालों की जड़ों में लगाएं। आप चाहें तो इसमें आंवला पाउडर भी मिला सकते हैं। इससे बालों का झड़ना बंद हो जाएगा। साथ ही आपके बाल काले और उनकी ग्रोथ भी होने लगेगी। आपको बता दें कि नींबू कई तरह के दर्द के लिए भी फायदेमंद होता है। दांत दर्द, पेट दर्द, कान दर्द या फिर जोड़ों का दर्द हों। नींबू का रस आपको इन दर्द से राहत दिलाने का काम करता है।

पेट दर्द

अगर पेट दर्द हो रहा है तो अजवाइन, जीरा और चीनी को बराबर मात्रा में लें और इन तीनों को बारीक पीस लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा नमक और नींबू का रस मिलाकर इसका गर्म पानी से सेवन करें। इससे आपको जल्द ही पेटदर्द से आराम मिलेगा।

दांत दर्द

अगर आप भी दांत के दर्द से परेशान हो गए हैं तो 2-3 लौंग को पीसकर इसमें नींबू का रस मिला लें। इसके बाद दर्द वाले दांत में हल्की उंगली से मलें।

जोड़ों के दर्द में फायदेमंद

जोड़ों के दर्द में नींबू का रस काफी फायदेमंद हैं। बता दें कि जोड़ों पर नींबू के रस से मालिश करने या नींबू पानी पीने से आपको इस दर्द से राहत मिलेगी।

उपवास के तुरंत बाद न खाएं ये चीजें जो बढ़ा सकते हैं आपकी परेशानी

बुधवार यानी 22 मार्च से नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत हो चुकी है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। भक्तगण मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए नौ दिन का उपवास करते हैं। नौ दिनों के बाद कन्या पूजन और हवन के बाद ये व्रत खोला जाता है। तो वहीं कुछ लोग नवरात्रि के पहले और आखिरी दिन का व्रत रखते हैं। व्रत एक दिन का हो या नौ दिनों का, अगर आपने इस दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखा, तो इससे सेहत संबंधी कई सारी परेशानियां हो सकती हैं। तो व्रत खोलने के तुरंत बाद किन चीज़ों को खाना करना है अवॉयड, इस बारे में जान लेना है जरूरी।

व्रत खोलने के तुरंत बाद न खाएं ये चीजें

– उपवास के दौरान बॉडी में शुगर की कमी हो जाती है। तो ऐसे में व्रत खोलने के लिए हैवी खाना खाना अवॉयड करें। साथ ही एक साथ बहुत ज्यादा भी न खाएं, इससे भी समस्याएं हो सकती हैं।

– व्रत खोलने के लिए लोग तरह-तरह के पकवान बनाते हैं, जिसमें भरपूर मात्रा में नमक, मिर्च, मसाला व तेल होता है। पूरे दिन व्रत रखने के बाद इस तरह का भोजन करने से पेट उसे आसानी से पचा नहीं पाता, जिससे पेट दर्द व गैस की परेशानी हो सकती है।

गर्मियों मे आम पन्ना पीने के फायदे

गर्मियों में बेहद गुणकारी है आम पन्ना, इस सीजन कोल्ड ड्रिंक्स से करें इसे रिप्लेस

– ज्यादातर लोग व्रत खोलने के लिए चाय-कॉफी का सेवन करते हैं। तो ये भी एक खराब ऑप्शन है।

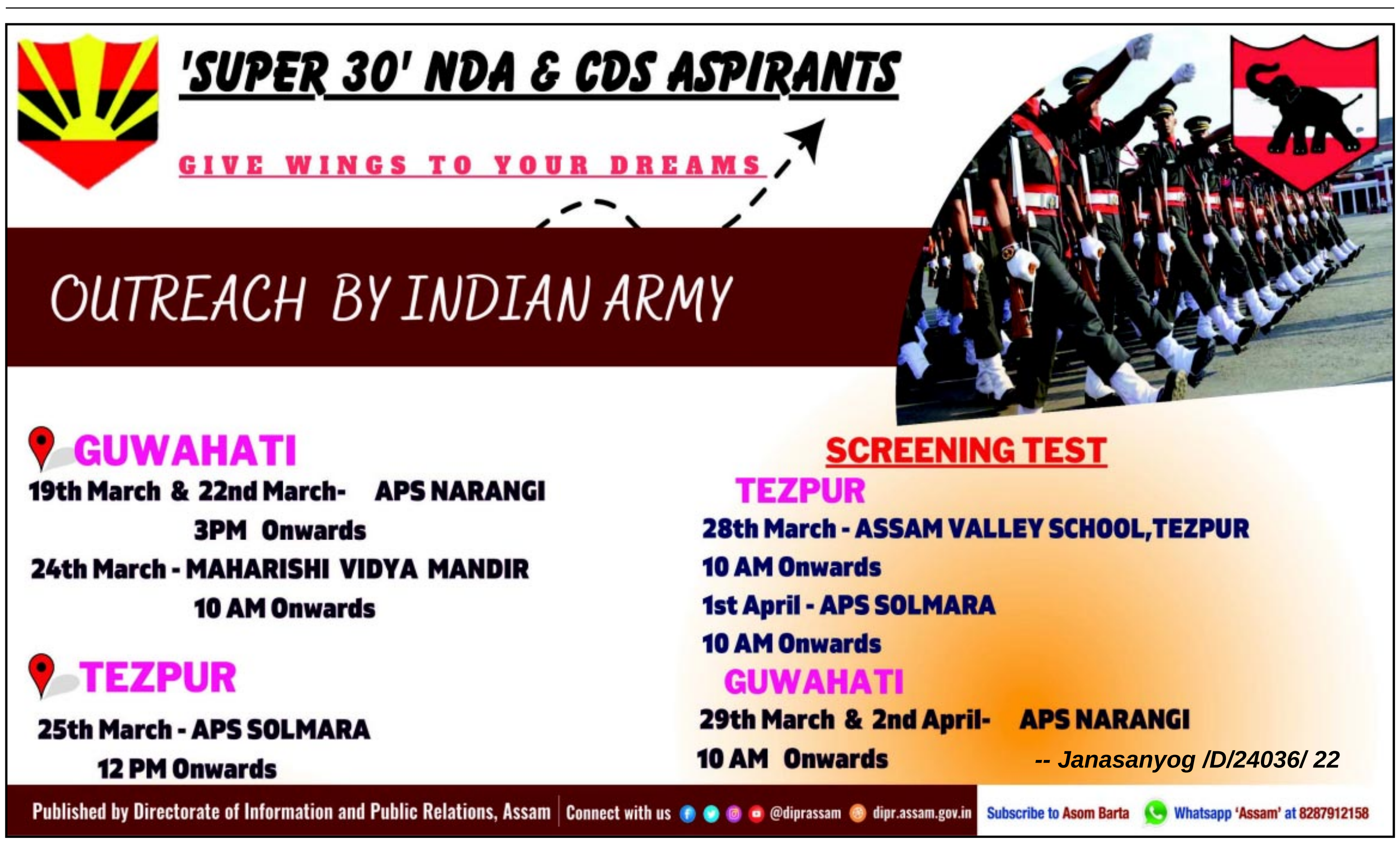

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**